

# Panch Pratikraman Sootra



~: Editor ~:

Acharya Shrimad Vijay  
Ratnasensurishwarji M.S.

# **PANCH PRATIKRAMAN SOOTRA**

**EDITOR :**

**Disciple of His Holiness Panyas Pravara  
Shri BHADRANKARVIJAYJI Ganivar  
Acharya Shri  
RATNASENSURISHWARJI M.S.**



**-: PUBLISHER :-**

**Divya Sandesh Prakashan  
C/o. Surendra jain,  
Office No. 304, 3rd Floor, Bay View Building,  
Wing East B, Dr. M.B. Velkar Street,  
Kalbadevi, Mumbai-400 002.  
M. 8484848451 Correspondance Whatsapp only,  
Website : Divyasandesh.online**

**Price : Rs.100/- • Edition : 9th  
Copies : 5000 • Dated : 24-6-2022**

## अनुक्रमणिका

| नं. | विषय                             | पेज नं. |
|-----|----------------------------------|---------|
| 1.  | श्री नमस्कार महामंत्र .....      | 7       |
| 2.  | पंचिंदिय सूत्र .....             | 8       |
| 3.  | खमासमण सूत्र .....               | 8       |
| 4.  | इच्छकार सूत्र .....              | 8       |
| 5.  | अब्भुद्धिओ सूत्र .....           | 9       |
| 6.  | इरियावहियं सूत्र .....           | 10      |
| 7.  | तस्स उत्तरी सूत्र .....          | 11      |
| 8.  | अन्नत्थ सूत्र .....              | 12      |
| 9.  | लोगस्स सूत्र .....               | 13      |
| 10. | करेमि भंते सूत्र .....           | 15      |
| 11. | सामाइय वयजुत्तो सूत्र .....      | 15      |
| 12. | जगचिंतामणि सूत्र .....           | 16      |
| 13. | जं किं चि सूत्र .....            | 19      |
| 14. | नमुत्थुणं सूत्र .....            | 19      |
| 15. | जावंति चेइआइं सूत्र .....        | 21      |
| 16. | जावंत के वि साहू सूत्र .....     | 21      |
| 17. | पंच परमेष्टि नमस्कार सूत्र ..... | 22      |

|     |  |    |
|-----|--|----|
| 18. | उवसग्गहरं स्तोत्र .....                    | 22 |
| 19. | जय वीयराय सूत्र .....                      | 23 |
| 20. | अरिहंत चेइयाणं सूत्र .....                 | 25 |
| 21. | कल्लाणकंदं स्तुति .....                    | 25 |
| 22. | संसार-दावानल स्तुति .....                  | 26 |
| 23. | पुक्खर वर (श्रुतस्तव) सूत्र .....          | 28 |
| 24. | सिद्धाणं बुद्धाणं (सिद्ध-स्तव) सूत्र ..... | 29 |
| 25. | वेयावच्चगराणं सूत्र .....                  | 31 |
| 26. | भगवान्हं सूत्र .....                       | 31 |
| 27. | सव्वस्सवि सूत्र .....                      | 31 |
| 28. | इच्छामि ठामि सूत्र .....                   | 32 |
| 29. | नाणंमि सूत्र .....                         | 33 |
| 30. | सुगुरु वांदना (वांदणा) सूत्र .....         | 35 |
| 31. | देवसिअं आलोउं सूत्र .....                  | 36 |
| 32. | सात लाख सूत्र .....                        | 37 |
| 33. | अढार पापस्थानक सूत्र .....                 | 38 |
| 34. | वंदित्तु सूत्र .....                       | 39 |
| 35. | आयरिय उवज्झाए सूत्र .....                  | 51 |
| 36. | श्रुतदेवता की स्तुति .....                 | 52 |
| 37. | क्षेत्र देवता की स्तुति .....              | 52 |





|     |                                |     |
|-----|--------------------------------|-----|
| 38. | कमलदल स्तुति .....             | 53  |
| 39. | भवनदेवता स्तुति .....          | 53  |
| 40. | क्षेत्रदेवता स्तुति .....      | 54  |
| 41. | नमोस्तु वर्धमानाय सूत्र .....  | 54  |
| 42. | विशाल लोचन दलं सूत्र .....     | 55  |
| 43. | अड्डाइज्जेसु सूत्र .....       | 56  |
| 44. | वर - कनक स्तुति .....          | 57  |
| 45. | लघु शांति स्तव .....           | 57  |
| 46. | चउक्कसाय सूत्र .....           | 62  |
| 47. | भरहेसर सज्झाय .....            | 63  |
| 48. | मन्नहजिणाणं सज्झाय .....       | 66  |
| 49. | सकलतीर्थ सूत्र .....           | 67  |
| 50. | सकलार्हत् स्तोत्र .....        | 71  |
| 51. | स्नातस्या स्तुति .....         | 80  |
| 52. | श्री अजित-शान्ति स्तवन .....   | 82  |
| 53. | श्री बृहच्छान्ति: .....        | 97  |
| 54. | श्री संतिकरं स्तोत्र .....     | 106 |
| 55. | श्री पाक्षिकादि अतिचार .....   | 110 |
| 56. | अष्टप्रकारी पूजा के दोहे ..... | 148 |

## चौबीस भगवान के नाम - लांछन

|     |                       |             |
|-----|-----------------------|-------------|
| 1.  | श्री ऋषभदेव           | बैल         |
| 2.  | श्री अजितनाथ          | हाथी        |
| 3.  | श्री संभवनाथ          | घोडा        |
| 4.  | श्री अभिनंदन स्वामी   | बंदर        |
| 5.  | श्री सुमतिनाथ         | क्रौंचपक्षी |
| 6.  | श्री पद्मप्रभस्वामी   | कमल         |
| 7.  | श्री सुपार्श्वनाथ     | स्वस्तिक    |
| 8.  | श्री चंद्रप्रभस्वामी  | चन्द्र      |
| 9.  | श्री सुविधिनाथ        | मगरमच्छ     |
| 10. | श्री शीतलनाथ          | श्रीवत्स    |
| 11. | श्री श्रेयांसनाथ      | गेंडा       |
| 12. | श्री वासुपूज्यस्वामी  | पाडा        |
| 13. | श्री विमलनाथ          | वराह        |
| 14. | श्री अनंतनाथ          | बाज पक्षी   |
| 15. | श्री धर्मनाथ          | वज्र        |
| 16. | श्री शांतिनाथ         | हिरण        |
| 17. | श्री कुंथुनाथ         | बकरा        |
| 18. | श्री अरनाथ            | नंदावर्त    |
| 19. | श्री मल्लीनाथ         | कुम्भ       |
| 20. | श्री मुनिसुव्रतस्वामी | कछुआ        |
| 21. | श्री नमिनाथ           | नील कमल     |
| 22. | श्री नेमिनाथ          | शंख         |
| 23. | श्री पार्श्वनाथ       | सर्प        |
| 24. | श्री महावीरस्वामी     | सिंह        |



## 24 TIRTHANKAR'S NAMES & LĀNCHANS

|                              |               |
|------------------------------|---------------|
| 1. SHREE RUSHABHADĒV.        | OX            |
| 2. SHREE AJITNĀTH.           | ELEPHANT      |
| 3. SHREE SAMBHAVANĀTH.       | HORSE         |
| 4. SHREE ABHINANDANA SWĀMĪ.  | MONKEY        |
| 5. SHREE SUMATINĀTH.         | CRANE BIRD    |
| 6. SHREE PADMAPRABHA SWĀMI.  | LOTUS         |
| 7. SHREE SUPĀRSHVANĀTH.      | SWASTIKA      |
| 8. SHREE CHANDRAPRABHA SWĀMI | MOON          |
| 9. SHREE SUVIDHINĀTH.        | CROCODILE     |
| 10. SHREE SHĪTALNĀTH.        | SHRIVATSA     |
| 11. SHREE SHREYĀNSANĀTH.     | RHINOCEROS    |
| 12. SHREE VĀSUPŪJYA SWĀMI    | HE-BUFFALO    |
| 13. SHREE VIMALANĀTH.        | BOAR          |
| 14. SHREE ANANTANĀTH.        | FALCON        |
| 15. SHREE DHARMANĀTH.        | THUNDERBOLT   |
| 16. SHREE SHĀNTINĀTH         | DEER          |
| 17. SHREE KUNTHUNĀTH         | HE-GOAT       |
| 18. SHREE ARANĀTH            | NANDAVARTA    |
| 19. SHREE MALLĪNĀTH          | POT           |
| 20. SHREE MUNISUVRATA SWĀMĪ  | TORTOISE      |
| 21. SHREE NAMINĀTH           | LILY          |
| 22. SHREE NEMINĀTH           | CONCH (SHELL) |
| 23. SHREE PĀRSHVANĀTH        | SNAKE         |
| 24. SHREE MAHĀVĪRSWĀMĪ       | LION          |

# 1. SHRI NAMASKĀR MAHĀMANTRA

## १. श्री नमस्कार महामंत्र (श्री पंच मंगल महाश्रुत स्कंध)

NAMO ARIHANTĀNAM

नमो अरिहंताणं

NAMO SIDDHĀNAM

नमो सिद्धाणं

NAMO ĀYARIYĀNAM

नमो आयरियाणं

NAMO UVAJZHĀYĀNAM

नमो उवज्झायाणं

NAMO LOE SAVVA SĀHUNAM

नमो लोए सब्बसाहूणं

ESO PANCHA NAMUKKĀRO

एसो पंच नमुक्कारो

SAVVA PĀVAPPANĀSAṆO

सब्ब पावप्पणासणो

MANGALĀNAM CHA SAVVESIM

मंगलाणं च सब्वेसिं

PADHAMAM HAVAI MANGALAM

पढमं हवइ मंगलं

### Hints for Pronunciation

T, t = ट

T, t = त

th = ठ

th = थ

Ḍ, ḍ = ड

D, d = द

jjh = ज्झ

j = ज & jh = झ

N, n = ण

N, n = न

ḷ, ḻ = ळ

L, l = ल

Ā, ā = आ

A, a = अ

Gya = ज्ञ

Ī/Ē = ई (ी)

ḷi = इ (ि)

U u = उ (ु)

CH = च &

ḷ = म्

dh = ढ

dh = ध

CHH = छ

Hh = विसर्ग (:)

Ū ū = ऊ (ू)

## 2. PANCHINDIYA SOOTRA

### २. पंचिंदिय (गुरु स्थापना) सूत्र

PANCHINDIYA SAMVARAÑO

TAHA NAVAVIHA BAMBHACHERA GUTTIDHARO,  
पंचिंदिय संवरणो, तह नवविह बंभचेर गुत्तिधरो ;

CHAUVIHA KASĀYA MUKKO

IA ATTHĀRASA GUÑEHIM SANJUTTO 1

चउविह कसाय मुक्को, इअ अट्टारस गुणेहिं संजुत्तो ॥१॥

PANCHA MAHAVVAYA JUTTO

PANCHA VIHĀYĀRA PĀLAᅇA SAMATTHO;

पंच महव्वय जुत्तो, पंच विहायार पालण समत्थो ;

PANCHA SAMIO TIGUTTO,

CHHATTĪSA GUᅇO GURŪ MAJJHA 2

पंच समिओ तिगुत्तो, छत्तीस गुणो गुरु मज्झ ॥२॥

## 3. KHAMĀSAMANA SOOTRA

### ३. खमासमण (प्रणिपात) सूत्र

ICHHĀMI KHAMĀSAMANO ! VANDIUM,

इच्छामि खमासमणो ! वंदिउं,

JĀVANIJJĀE NISEEHIĀE, MATTHAENA VANDĀMI

जावणिज्जाए, निसीहिआए, मत्थएण वंदामि

## 4. ICHCHHAKĀR SOOTRA

### ४. इच्छकार (सुगुरु सुख शाता पृच्छा) सूत्र

ICHCHHAKĀRA ! SUHARĀTĪ (SUHADEVASI) ?

इच्छकार सुहराइ (सुहदेवसि) ?

SUKHA-TAPA ? SHARĪRA NIRĀBĀDHA ?

SUKHA-SANJAMA JĀTRĀ NIRVAHO CHHOJĪ ?

सुखतप ? शरीर निराबाध ? सुख संजम जात्रा निर्वहो छोजी ?

SWĀMĪ ! SHĀTĀ CHE'JĪ ?

BHĀT PĀÑĪNO LĀBH DE'JO JĪ.

स्वामी ! शाता छे जी ? भात पाणीनो लाभ देजो जी .

## 5. ABBHUTTIO SOOTRA

### ५. अब्भुट्टिओ (सुगुरु खामणा) सूत्र

ICHCHHĀKĀREṆA SANDISAHA BHAGAVAN !

इच्छाकारेण संदिसह भगवन् !

ABBHUTTHIOMI ABBHINTARA

RĀĪAM (DEVASIAM) KHĀMEUṀ ?

अब्भुट्टिओमि , अब्भितर राइअं (देवसिअं) खामेउं ?

ICHCHHAM KHĀMEMI RĀĪAM (DEVASIAM)

इच्छं खामेमि राइअं (देवसिअं)

JAN KINCHI APATTIAM, PARAPATTIAM,

BHATTE, PĀṆE, VIṆAE, VEYĀVACHCHE

जं किंचि अपत्तिअं , परपत्तिअं , भत्ते , पाणे , विणए , वेयावच्चे

ĀLĀVE, SANLĀVE, UCHCHĀSANE,

SAMĀSANE ANTARABHĀSĀE UVARIBHĀSĀE,

आलावे , संलावे , उच्चासणे , समासणे , अंतरभासाए , उवरिभासाए ,

JAN KINCHI MAJJHA, VIṆAYA PARIHEEṆAṀ

SUHUMAM VĀ, BĀYARAM VĀ,

जं किंचि मज्झ , विणय-परिहीणं सुहुमं वा , बायरं वा ,

TUBBHE JĀṆAHA AHAMNA JĀṆĀMI,  
TASSAMICHCHHĀ MI DUKKADAM.

तुब्भे जाणह, अहं न जाणामि, तस्स मिच्छा मि दुक्कडं.

## 6. IRIYĀVAHIYAM SOOTRA

### ६. इरियावहियं (लघु प्रतिक्रमण) सूत्र

ICHCHHĀKĀREṆA SANDISAHA BHAGVAN !

इच्छाकारेण संदिसह भगवन् !

IRIYĀVAHIYAM PADIKKAMĀMI ? ICHCHAM.

इरियावहियं पडिक्कमामि ? इच्छं

ICHCHĀMI PADIKKAMIUM

1

इच्छामि पडिक्कमिउं ॥१॥

IRIYĀVAHIYĀE VIRĀHAṆĀE

2

इरियावहियाए विराहणाए. ॥२॥

GAMAṆĀGAMAṆE

3

गमणागमणे. ॥३॥

PĀṆAKKAMAṆE, BEEYAKKAMAṆE, HARIYAKKAMAṆE  
पाणक्कमणे, बीयक्कमणे, हरियक्कमणे

OSĀ, UTTINGA-PANAGA-DAGA MATTEE MAKKADĀ

SANTĀṆĀ- SANKAMAṆE

4

ओसा उत्तिंग पणग-दग मट्टि-मक्कडा संताणा संकमणे ॥४॥

JE ME JEEVĀ VIRĀHIYĀ

5

जे मे जीवा विराहिया ॥५॥

EGINDIYĀ, BEINDIYĀ, TEINDIYĀ,

CHAURINDIYĀ, PANCHINDIYĀ.

6

एगिंदिया, बेइंदिया, तेइंदिया, चउरिंदिया, पंचिंदिया. ॥६॥

ABHIHAYĀ VATTIYĀ, LESIYĀ,  
SANGHĀIYĀ, SANGHATTIYĀ.  
अभिहया , वत्तिया , लेसिया , संघाड्या , संघट्टिया ,  
PARIYĀVIYĀ, KILĀMIYĀ, UDDAVIYĀ,  
परियाविया , किलामिया , उद्वविया ,  
THĀṆĀO THĀṆAM SANKĀMIYĀ,  
JEEVIYĀO VAVAROVIIYĀ,  
टाणाओ टाणं संकामिया , जीवियाओ-ववरोविया ,  
TASSA MICHCHĀ MI DUKKADAM. 7  
तस्स मिच्छा मि दुक्कडं ॥७॥

## 7. TASSA-UTTARĪ SOOTRA

### ७. तस्स उत्तरी सूत्र

TASSA UTTARĪ KARAṆEṆAM,  
PĀYACHCHHITTA KARAṆEṆAM  
तस्स उत्तरी करणेणं , पायच्छित्त करणेणं ,  
VISOHEE KARAṆEṆAM, VISALLĪ KARAṆEṆAM  
PĀVĀṆAM KAMMĀṆAM  
विसोही करणेणं , विसल्ली करणेणं ,  
पावाणं कम्माणं ,  
NIGGHĀYANATTHĀE, THĀMI KĀUSSAGGAM 1  
निग्घायणट्ठाए टामि काउस्सगं ॥९॥



## 8. ANNATTHA SOOTRA

### ८. अन्नत्थ (आगार) सूत्र

- ANNATTHA USASIENAM NĪSASIENAM,  
KHĀSIENAM CHHĪENAM JAMBHĀIENAM,  
अन्नत्थ उससिएणं, नीससिएणं, खासिएणं, छीएणं, जंभाइएणं,  
UDDUENAM, VĀYANISAGGENAM,  
BHAMALĪE PITTAMUCHCHHĀE. 1
- उड्डुएणं, वायनिसग्गेणं, भमलीए, पित्तमुच्छाए ॥१॥  
SUHUMEHIM ANGA-SANCHĀLEHIM,  
SUHUMEHIM KHELA-SANCHĀLEHIM,  
SUHUMEHIM DITTHI-SANCHĀLEHIM, 2
- सुहुमेहिं अंगसंचालेहिं, सुहुमेहिं खेलसंचालेहिं,  
सुहुमेहिं दिट्ठिसंचालेहिं, ॥२॥  
EVAMĀIEHIM ĀGĀREHIM.  
ABHAGGO AVIRĀHIO,  
HUJJA ME KĀUSSAGGO 3
- एवमाइएहिं आगारेहिं, अभग्गो अविराहिओ,  
हुज्ज मे काउस्सग्गो ॥३॥  
JĀVA ARIHANTĀNAM BHAGAVANTĀNAM  
जाव अरिहंताणं भगवंताणं  
NAMUKKĀREṆAM NA PĀREMI. 4
- नमुक्कारेणं, न पारेमि ॥४॥

TĀVA KĀYAM, THĀṆEṆAM, MOṆEṆAM.

JHĀṆEṆAM, APPĀṆAM VOSIRĀMI.

5

तावकायं , टाणेणं मोणेणं झाणेणं , अप्पाणं वोसिरामि ॥५॥

## 9. LOGASSA SOOTRA

### ९. लोगस्स (नामस्तव) सूत्र

LOGASSA UJJOAGARE, DHAMMA TITTHAYARE JIṆE;

लोगस्स उज्जोअगरे , धम्म तित्थयरे जिणे ;

ARIHANTE KITTAISAM CHAUVĪSAM PI KEVALĪ. 1

अरिहंते कित्तइस्सं , चउवीसं पि केवली . ॥१॥

USABHAMAJIAM CHA VANDE,

SAMBHAVAMABHINANDANAM CHA SUMAIM CHA,

उसभमजिअं च वंदे , संभवमभिणंदणं च सुमइं च ;

PAUMAPPAHAM SUPĀSAM.

JIṆAM CHA CHANDAPPAHAM VANDE.

2

पउमप्पहं सुपासं , जिणं च चंदप्पहं वंदे ॥२॥

SUVIHIM CHA PUPFADANTAM,

SEEALA-SIJJANSA VĀSUPUJJAM CHA,

सुविहिं च पुप्फदंतं , सीअल-सिज्जंस-वासुपुज्जं च ,

VIMALA MAṆANTAM CHA JIṆAM,

DHAMMAṆ SANTIṆ CHA VANDĀMI

3

विमलमणंतं च जिणं , धम्मं संतिं च वंदामि ॥३॥

KUNTHUMARAM CHA MALLIṆ,

VANDE MUṆISUVVAYAM NAMIJIṆAM CHA.

कुंथुं अरं च मल्लिं , वंदे मुणिसुव्वयं नमिजिणं च ,

VANDĀMI RITTHANEMIM,  
PĀSAṀTAHA VADDHAMĀṆAṀCHA. 4

वंदामि रिद्धनेमिं , पासं तह वद्धमाणं च ॥४॥

EVAM MAE ABHITHUĀ,  
VIHUYARAYAMALĀ PAHĪṆAJARAMARĀṆĀ.  
एवं मए अभिथुआ , विहुयरयमला पहीणजरमरणा ,  
CHAUVĪSAMPI JIṆAVARĀ,  
TITTHAYARĀ ME PASĪYANTU 5

चउवीसं पि जिणवरा , तित्थयरा मे पसीयंतु ॥५॥

KITTIYA VANDIYA MAHIYĀ  
JE E LOGASSA UTTAMĀ SIDDHĀ  
कित्तिय वंदिय महिया , जे ए लोगस्स उत्तमा सिद्धा ,  
ĀRUGGA BOHILĀBHAM,  
SAMĀHIVARAMUTTAMAM DINTU. 6

आरुग्ग बोहिलाभं , समाहिवरमुत्तमं दिंतु ॥६॥

CHANDESU NIMMALAYARĀ  
ĀICHCHESU AHIYAM PAYĀSAYARĀ,  
चंदेसु निम्मलयरा , आइच्चेसु अहियं पयासयरा ,  
SĀGARAVARA GAMBHĪRĀ  
SIDDHĀ SIDDHIṀMAMA DISANTU 7

सागरवर गंभीरा , सिद्धा सिद्धिं मम दिसंतु ॥७॥

## 10. KAREMI-BHANṬE SOOTRA

### १०. करेमि भंते (सामायिक) सूत्र

KAREMI BHANTE ! SĀMĀIAM, SĀVAJJAM JOGAM  
करेमि भंते ! सामाइअं, सावज्जं जोगं  
PACHCHAKKHĀMI, JĀVA NIYAMAM PAJJUVĀSĀMI  
पच्चक्खामि, जाव नियमं पज्जुवासामि,  
DUVIHAM TIVIHENAṆAM MAṆENAṆAM VĀYĀE KĀENAṆAM  
दुविहं तिविहेणं, मणेणं वायाए काएणं,  
NA KAREMI NA KĀRVEMI, TASSA BHANTE !  
न करेमि, न कारवेमि, तस्स भंते !  
PADIKKAMĀMI, NINDĀMI, GARIHĀMI  
पडिक्कमामि, निंदामि, गरिहामि,  
APPĀṆAM VOSIRĀMI.  
अप्पाणं वोसिरामि ॥१॥

## 11. SĀMĀIYA VAYA JUTTO SOOTRA

### ११. सामाइय वयजुत्तो सूत्र.

SĀMĀIA VAYAJUTTO,  
JĀVA MAṆE HOI NIYAMA SANJUTTO.  
सामाइअ वयजुत्तो, जाव मणे होइ नियमसंजुत्तो,  
CHHINNAI ASUHAM KAMMAM,  
SĀMĀIA JATTIYĀ VĀRĀ,  
छिन्नइ असुहं कम्मं, सामाइअ जत्तिआ वारा ॥१॥  
SĀMĀIAMMI U KAE,  
SAMANO IVA SĀVAO HAVAĪ JAMHĀ,  
सामाइअम्मि उ कए, समणो इव सावओ हवइ जम्हा,

1

EENA KĀRṆEṆAM BAHUSO SĀMĀIAM KUJJĀ. 2

एण कारणेणं, बहुसो सामाइअं कुज्जा ॥२॥

SĀMĀYIKA VIDHIE LĪDHU, VIDHIE PĀRYU

सामायिक विधिए लीधुं, विधिए पार्युं,

VIDHI KARATĀ JE KOĪ

AVIDHI HUO HOYA, TE SAVI HU

विधि करता जे कोइ अविधि हुआ होय, ते सवि हु

MANA VACHANA, KĀYĀE KARĪ

MICHCHHA MI DUKKADAM. 3

मन, वचन, कायाए करी मिच्छा मि दुक्कडं ॥३॥

DASA (10) MANANĀ, DASA (10) VACHANANĀ

दश (१०) मनना, दश (१०) वचनना

BĀRA (10) KĀYĀNĀ, E BATRĪSHA (32) DOSHA

बार (१२) कायाना, ए बत्रीश दोष

MĀ JE KOĪ DOSHA LĀGYO HOYA,

मां जे कोइ दोष लाग्यो होय,

TE SAVI HU MANA, VACHANA, KĀYĀE KARĪ

ते सवि हुं मन, वचन, कायाए करी

MICHCHHA MI DUKKADAM.

मिच्छा मि दुक्कडं

## 12. JAGA CHINTAMAṆI SOOTRA

### १२. जगचिंतामणि चैत्यवंदन सूत्र

ICHCHHĀKĀREṆA SANDISAHA BHAGWAN !

इच्छाकारेण संदिसह भगवन् !

CHAITYAVANDAN KARU ? ICHCHHĀM.

चैत्यवंदन करुं ? इच्छं.

JAGA-CHINTĀMAṆI ! JAGA-NĀHA ! JAGA-GURU !

जग चिंतामणि ! जग नाह ! जग गुरु !

JAGA-RAKKHAṆA ! JAGA-BANDHAVA !

जग रक्खण ! जग बंधव !

JAGA-SATTHAVĀHA ! JAGA-BHĀVA VIAKKHAṆA !

जग सत्थवाह ! जग भाव-विअक्खण !

ATTHĀVAYA SANTHAVIYARŪVA

KAMMATTHA VIṆĀSAṆA !

अट्ठावय संठविअ रुव कम्मट्ठ विणासण !

CHAUVISAM PI JIṆAVARA !

JAYANTU APPADIHAYA SĀSAṆA.

1

चउवीसं पि जिणवर ! जयंतु अप्पडिहय सासण ॥१॥

KAMMABHŪMIHIM KAMMABHŪMIHIM,

PADHAMA SANGHAYAṆI,

कम्मभूमिहिं कम्मभूमिहिं पढम संघयणि

UKKOSAYA SATTARISAYA,

JIṆAVARĀṆA VIHARANTA LABBHAI,

उक्कोसय सत्तरिसय , जिणवराण विहरंत लब्भइ ,

NAVAKODIHIM KEVALĪṆA,

KODI-SAHASSA NAVA SĀHU GAMMAI,

नवकोडिहिं केवलिण , कोडि सहस्स नव साहु गम्मइ ,

SAMPAI JIṆAVARA VĪSA MUṆI

BIHUM KODIHIM VARANĀṆA,

संपइ जिणवर वीस मुणि , बिहुं कोडिहिं वरणाण ,

SAMANAHA KODI SAHASSA DUA,  
 THUNIJJAI NICHCHA VIHĀNI 2  
 समणह कोडि सहस्स दुअ, थुणिज्जइ निच्च विहाणि ॥२॥  
 JAYAU SĀMIYA! JAYAU SĀMIYA!  
 जयउ सामिय ! जयउ सामिय !  
 RISAHA! SATTUNJI, UJJINTI PAHU NEMIJINA!  
 रिसह सत्तुंजि, उज्जिति पहु नेमिजिण !  
 JAYAU VĪRA! SACHCHA URI-MANDANA!  
 BHARUACHCHAHIM MUNISUVVAYA!  
 जयउ वीर ! सच्चउरिमंडण ! भरुअच्छहिं मुणिसुव्वय !  
 MUHARIPĀS! DUHA-DURIA-KHANDANA!  
 मुहरिपास ! दुह दुरिअखंडण !  
 AVARA VIDEHIM TITTHAYARĀ,  
 अवर विदेहिं तित्थयरा,  
 CHIHUM DISI VIDISI JIN KE VI,  
 चिहुं दिसि विदिसि जिं के वि,  
 TĪĀṆĀGAYA SAMPAĪA, VANDU JIṆA SAVVE VI. 3  
 तीआणागय संपइ अ, वंदु जिण सव्वे वि ॥३॥  
 SATTĀṆAVAĪ SAHASSĀ,  
 LAKKHĀ CHAPPANNA ATTHA KODIO;  
 सत्ताणवइ सहस्सा, लक्खा छप्पन्न अट्ट कोडिओ,  
 BATTĪSA-SAYA BĀSIYĀIM, TIALOE CHEIE VANDE.4  
 बत्तीस-सय बासियाइं, तिअलोए चेइए वंदे, ॥४॥  
 PANARASA KODI SAYĀIM,  
 KODI BĀYĀL LAKKHA ADVANNĀ,  
 पनरस कोडिसयाइं, कोडि बायाल लक्ख अडवन्ना,

CHHATTĪSA SAHASSA ASĪM,  
SĀSAYA - BIMBĀIM PAṆAMĀMI.

5

छत्तीस सहस्स असीइं, सासय बिंबाइं पणमामि. ॥५॥

### 13. JAN KIN CHI SOOTRA

#### १३. जं किं चि सूत्र

JAN KINCHI NĀMA TITTHAM,

जं किं चि नाम तित्थं,

SAGGE PĀYĀLI MĀṆUSSE LOE;

सग्गे पायालि माणुस्से लोए,

JĀIM JIṆA BIMBĀIM, TĀIM SAVVĀIM VANDĀMI.

1

जाइं जिण बिंबाइं, ताइं सव्वाइं वंदामि ॥१॥

### 14. NAMUTTHUṆAM SOOTRA

#### १४. नमुत्थुणं (शक्रस्तव) सूत्र

NAMUTTHUṆAM ARIHANTĀṆAM BHAGAVANTĀṆAM 1

नमुत्थुणं अरिहंताणं भगवंताणं ॥१॥

ĀIGARĀṆAM, TITTHAYARĀṆAM,

SAYAM-SAMBUDDHĀṆAM

2

आइगराणं, तित्थयराणं, सयंसंबुद्धाणं. ॥२॥

PURISUTTAMĀṆAM, PURĪSA-SĪHĀṆAM,

PURISA VARPUNḌARIĀṆAM

पुरिसुत्तमाणं, पुरिस-सीहाणं, पुरिस-वरपुंडरीआणं

PURISA-VARAGANDHAHATTHĪṆAM.

3

पुरिस-वरगंधहत्थीणं. ॥३॥



LOGUTTAMĀṆAM LOGA-NĀHĀṆAM,  
 लोगुत्तमाणं , लोगनाहाणं ,  
 LOGA-HIYĀṆAM, LOGA-PAĪVĀṆAM,  
 LOGA-PAJJOAGARĀṆAM. 4  
 लोगहियाणं , लोगपइवाणं , लोगपज्जोअगराणं . ॥४॥  
 ABHAYADAYĀṆAM, CHAKKHUDAYĀṆAM,  
 अभयदयाणं , चक्खुदयाणं ,  
 MAGGADAYĀṆAM,  
 SARANADAYĀṆAM, BOHIDAYĀṆAM 5  
 मग्गदयाणं , सरणदयाणं , बोहिदयाणं . ॥५॥  
 DHAMMA DAYĀṆAM, DHAMMA DESAYĀṆAM,  
 DHAMMA-NĀYAGĀṆAM; DHAMMA SĀRAHĪṆAM,  
 धम्म दयाणं , धम्मदेसयाणं , धम्मनायगाणं , धम्मसारहीणं ,  
 DHAMMA-VARA-CHĀURANTA-CHAKKAVATTĪṆAM. 6  
 धम्मवर - चाउरंत चक्कवट्टिणं ॥६॥  
 APPADIHAYA-VARANĀṆA-DANSANADHARĀṆAM,  
 VYATTA CHHAUMĀṆAM. 7  
 अप्पडिहय वरणाण-दंसणधराणं , वियट्ट-छउमाणं . ॥७॥  
 JIṆĀṆAM JĀVAYĀṆAM TINNĀṆAM TĀRAYĀṆAM,  
 जिणाणं जावयाणं , तिन्नाणं तारयाणं ,  
 BUDDHĀṆAM BOHAYĀṆAM,  
 MUTTĀṆAM MOAGĀṆAM. 8  
 बुद्धाणं बोहयाणं , मुत्ताणं मोअगाणं ॥८॥  
 SAVVANNŪṆAM SAVVADARISĪṆAM  
 सव्वन्नूणं सव्वदरिसीणं ,

SIVA-MAYALA-MARŪA-MANANTA MAKKHAYA  
MAVVĀBĀHA-MAPUṆARĀVITTI-

सिव-मयल-मरुअ-मणंत-मक्खय-मव्वाबाह-मपुणरावित्ति  
SIDDHIGAĪ NĀMADHEYAṀ, THĀNAM SAMPATTANAṀ.

सिद्धिगइ नामधेयं टाणं संपत्ताणं

NAMO JIṆĀNAM, JIABHAYĀNAM.

9

नमो जिणाणं जिअभयाणं ॥९॥

JE A-AIEĀ SIDDHĀ, JE A-BHAVISSANTI-NĀGAE KĀLE;

जे अ अइआ सिद्धा , जे अ भविस्सन्ति णागए काले ,

SAMPAĪA VATTAMĀNĀ, SAVVE TIVIHENA VANDĀMI. 10

संपइ अ वट्टमाणा , सव्वे तिविहेण वंदामि ॥१०॥

## 15. JĀVANTI CHEIĀIM SOOTRA

१५. जावंति चेइआइं सूत्र

JĀVANTI CHEIĀIM, UDDHE A-AHE A-TIRIA LOE A,

जावंति चेइआइं , उट्ठे अ अहे अ तिरिअ लोए अ ,

SAVVĀIM TĀIM VANDE.

IHA SANTO TATTHA SANTĀIM.

1.

सव्वाइं ताइं वंदे इह संतो तत्थ संताइं. ॥११॥

## 16. JĀVANTA KE VI SĀHŪ SOOTRA

१६. जावंत के वि साहू सूत्र

JĀVANTA KEVI SĀHŪ

BHARAHARAVAYA-MAHĀVIDEHE A;

जावंत के वि साहू , भरहेरवय महाविदेहे अ ,

SAVVESIM TESIM PANAQ,

TIVIHENA TIDANDA VIRAYĀNAM.

1

सव्वेसिं तेसिं पणओ , तिविहेण तिदंड विरयाणं. ॥१॥

## 17. PANCHA-PARAMESHTHI NAMASKĀRA SOOTRA.

१७. पंच परमेष्टि नमस्कार सूत्र.

NAMORHAT-SIDDHĀCHĀRYO-PĀDHYĀYA

SARVA SĀDHUBHYAH.

1

नमोऽर्हत्-सिद्धाचार्यो-पाध्याय-सर्वसाधुभ्यः ॥१॥

(स्त्रियाँ ने पढ़े- Not to be learnt by ladies)

## 18. UVASAGGAHARAM SOOTRA

१८. उवसग्गहरं स्तोत्र

UVASAGGA-HARAM PĀSAM.

PĀSAM VANDĀMI KAMMA-GHAṆA MUKKAM;

उवसग्गहरं पासं , पासं वंदामि कम्मघणमुक्कं ,

VISAHARA VISA NINNĀSAM,

MANGALA KALLĀṆA ĀVĀSAM.

1

विसहर विस निन्नासं , मंगल कल्लाण आवासं , ॥१॥

VISAHARA FHULLINGA MANTAM.

KANTHE DHĀREI JO SAYĀ MAṆUO;

विसहर फुलिंग मंतं , कंठे धारेइ जो सया मणुओ ;

TASSA GAHA ROGA MĀRĪ,

DUTTHA JARĀ JANTI UVASĀMAM.

2

तस्स गह रोग मारी , दुड्ड जरा जंति उवसामं. ॥२॥

CHITTHAU DŪRE MANTO,  
TUJJHA PAṆĀMO VI BAHUFALO HOI;  
चिद्धउ दूरे मंतो , तुज्झ पणामो वि बहुफलो होइ ;  
NARA-TIRIESU VI-JĪVĀ,  
PĀVANTI NA DUKKHA DOGACHCHAM. 3

नरतिरिएसु वि जीवा , पावंति न दुक्ख दोगच्चं . ॥३॥

TUHA SAMMATTE LADDHE,  
CHINTĀMAṆĪ KAPPĀPAYA VA BBHAHIYE;  
तुह सम्मत्ते लद्धे , चिंतामणि कप्पपाय वब्भहिए ;  
PĀVANTI AVIGGHEṆAṀ,  
JĪVĀ AYARAMARAṀ THĀṆAṀ. 4

पावंति अविग्घेणं , जीवा अयरामरं टाणं . ॥४॥

IA SANTHUO MAHĀYASA !  
BHATTIBBHARA NIBBHAREṆA HIYAENA,  
इअ संथुओ महायस ! भत्तिब्भर निब्भरेण हियएण ;  
TĀ DEVA ! DIJJA BOHIM,  
BHAVE BHAVE PĀSA ! JIṆACHANDA ! 5

ता देव दिज्ज बोहिं , भवे भवे पास जिणचंद ! ॥५॥

## 19. JAY VĪYARĀYA ! SOOTRA

### १९. जय वीयराय (प्रार्थना) सूत्र

JAYA VĪYARĀYA ! JAGA-GURU !  
HOU MAMAM TUHA PABHĀVAO BHAYAVAM !  
जय वीयराय ! जग गुरु ! होउ ममं तुह पभावओ भयवं !

BHAVA-NIVVEO MAGGĀṆUSĀRIĀ

ITTHA - FALA - SIDDHĪ.

1

भवनिव्वेओ मग्गाणुसारिआ इड्ड - फल - सिद्धि. ॥१॥

LOGA-VIRUDDHACHCHĀO, GURUJANA PŪĀ

लोग-विरुद्धच्चाओ, गुरुजणपूआ,

PARATTHAKARAṆAM CHA SUHAGURU-JOGO

TAVVAYAṆA-SEVAṆĀ ĀBHAVA-MANKHANDĀ.

2

परत्थकरणं च, सुहगुरु जोगो,

तव्वयण सेवणा, आभवमखंडा. ॥२॥

VĀRIJJAI JAIVI NIYAṆABANDHAṆAM,

VĪYARĀYA TUHA SAMAYE,

वारिज्जइ जइ वि नियाणबंधणं, वीयराय तुह समये

TAHAVI MAMA HUUJA SEVĀ,

BHAVE BHAVE TUMHA CHALAṆANAM.

3

तहवि मम हुज्ज सेवा, भवे भवे तुम्ह चलणाणं. ॥३॥

DUKKHAKKHAO KAMMAKKHAO,

SAMĀHI MARAṆAM CHA BOHILĀBHO A;

दुक्खक्खओ कम्मक्खओ, समाहिमरणं च बोहिलाभो अ,

SAMPAJJAU MAHA EAM,

TUHA NĀHA! PANĀMA-KARAṆENAM.

4

संपज्जउ मह एअं, तुह नाह ! पणाम करणेणं. ॥४॥

SARVA-MANGALA-MĀNGALYAM,

SARVA-KALYĀNA-KĀRAṆAM;

सर्व मंगल मांगल्यं, सर्व कल्याण कारणं;

PRADHĀNAM SARVA DHARMĀNĀM,  
JAINAM JAYATI SHĀSANAM.

5

प्रधानं सर्व-धर्माणां, जैनं जयति शासनम्. ॥५॥

## 20. ARIHANTA CHEIYĀṆAM SOOTRA

### २०. अरिहंत चेइयाणं (चैत्यस्तव) सूत्र.

ARIHANTA CHEIĀṆAM; KAREMI KĀUSSAGAM. 1

अरिहंत चेइआणं करेमि काउस्सगं. ॥१॥

VANDAṆA-VATTIĀE, PŪAṆA VATTIĀE,

वंदणवत्तिआए, पूअणवत्तिआए,

SAKKĀRA VATTIĀE, SAMMĀṆA VATTIĀE,

सक्कारवत्तिआए, सम्माणवत्तिआए.

BOHILĀBHA VATTIYĀE, NIRUVASAGGA VATTIYĀE, 2

बोहिलाभवत्तियाए, निरुवसगगवत्तिआए ॥२॥

SADDHĀE, MEHĀE, DHIIE.

DHĀRAṆĀNAE, AṆUPPEHĀE, VADDHAMĀṆĪE,

सद्धाए, मेहाए, धिइए, धारणाए, अणुप्पेहाए, वड्डमाणीए,

THĀMI KĀUSAGGAM. 3 (ANNATHA).

टामि काउस्सगं. (३) (अन्नत्थ)

## 21. KALLAṆA-KANDAM STUTI

### २१. कल्लाणकंदं स्तुति

KALLĀṆ-KANDAM PADHAMAM JIṆINDAM,

SANTIṆ TAO NEMI JIṆAM MUṆINDAM;

कल्लाणकंदं पढमं जिणिंदं, संतिं तओ नेमिजिणं मुणिंदं;

PĀSAM PAYĀSAM SUGUNIKKATHĀNAM,  
BHATTĪI VANDE SIRI VADDHAMĀNAM. 1

पासं पयासं सुगुणिककटाणं , भत्तीइ वंदे सिरि-वद्धमाणं . ॥१॥

APĀRA-SANSĀRA-SAMUDDAPĀRAM.

PATTĀ SIVAM DINTU SUIKKASĀRAM;

अपार संसार समुद्दपारं , पत्ता सिवं दिंतु सुइक्कसारं ,

SAVVE JIṆINDĀ SURAVINDA-VANDĀ,

KALLĀṆA VALLĪṆA VISĀLA KANDĀ. 2

सव्वे जिणिंदा सुरविंदवंदा , कल्लाण-वल्लीण-विसाल-कंदा . ॥२॥

NIVVĀNAMAGGE VARAJĀṆAKAPPAM;

PAṆĀSIYA-SESA-KUVĀI-DAPPAM;

निव्वाण - मग्गे वर-जाण-कप्पं , पणासिया सेस कुवाइ - दप्पं ;

MAYAMJINĀNAM SARANAM BUHĀNAM,

NAMĀMI NICHCHAM TIJAGA-PPAHĀNAM; 3

मयं जिणाणं सरणं बुहाणं , नमामि निच्चं तिजगप्पहाणं , ॥३॥

KUNDINDU-GOKKHĪRA-TUSĀR-VANNĀ.

SAROJA HATTHĀ KAMALE NISANNĀ.

कुंदिंदु-गोक्खीर-तुसार-वन्ना , सरोज-हत्था-कमले-निसन्ना ,

VĀESĪRI PUTTHAYA-VAGGA-HATTHĀ,

SUHĀYA SĀ-AMHA SAYĀ-PASATTHĀ. 4

वाएसिरी पुत्थय-वग्ग-हत्था , सुहाय सा अम्ह सया पसत्था . ॥४॥

## 22. SANSĀRA-DĀVĀNALA STUTI

### २२. संसार-दावानल स्तुति

SANSĀRA-DĀVĀNALA-DĀHA NIRAM,

SAMMOH DHULI HARANE SAMIRAM,

संसार-दावानल-दाह-नीरं , संमोह धूलि-हरणे समीरं ,

MĀYĀ-RASĀDĀRAṆ SĀR-SEERAM,  
NAMĀMI VĪRAM GIRISĀR DHEERAM. 1  
माया-रसादारण-सार-सीरं, नमामि वीरं गिरि-सार-धीरं, ॥१॥

BHĀVĀVANĀMA SURADĀNAVA MĀNAVENA,  
भावावनाम सुरदानव मानवेन,  
CHŪLĀ VILOLA KAMALĀ VALIMĀLITĀNI,  
चूला-विलोल-कमलावलि-मालितानि ;  
SAMPŪRITĀ BHINATA LOKA SAMEEHITĀNI.  
संपूरिता-भिनत लोक-समीहितानि ;

KĀMAM NAMĀMI JINARĀJ PADĀNI TĀNI. 2  
कामं नमामि जिनराज-पदानि तानि . ॥२॥

BODHĀGĀDHAM SUPADA-PADAVĪ  
NĪRA-PŪRĀBHI RĀMAM,  
बोधागाधं सुपद-पदवी नीर-पूराभिरामं,  
JĪVĀ HINSĀ VIRALA LAHAREE  
SANGAMĀ GAHADEHAM;

जीवाऽहिंसा-विरल-लहरी संगमाऽगाहदेहं,  
CHŪLĀ VELAM GURUGAMA-MANĪ,  
SANKULAM DŪRAPĀRAM,  
चूला-वेलं गुरुगम-मणि संकुलं दूरपारं,  
SĀRAM VEERĀ GAMA JALA NIDHIṆ.

SĀDARAM SĀDHU SEVE 3  
सारं वीरागम-जल-निधिं सादरं साधु सेवे ॥३॥

Ā MŪLĀLOLA DHŪLI BAHULA PARIMALĀ  
LIDḤA-LOLĀLI MĀLĀ,

आ मूलाऽऽलोल-धूलि-बहुल परिमला लीढ-लोलालिमाला,



ZANKĀRĀ RĀVA SĀRĀ MALADALA  
 KAMALĀ GĀR BHŪMINIVĀSE,  
 झंकारा-राव-साराऽऽमल-दल-कमला ऽगारभूमि-निवासे,  
 CHHĀYĀ SAMBHĀRA SĀRE VARA KAMALA-KARE  
 TĀRA HĀRĀ BHIRĀME,  
 छाया संभार-सारे ! वर-कमल-करे ! तारहाराऽभिरामे !  
 VĀNI SANDOHA DEHE BHAVA  
 VIRAHA VARAM DEHI ME DEVI SĀRAM 4  
 वाणी-संदोह-देहे भव-विरह-वरं देहि मे देवि ! सारम् ॥४॥

### 23. PUKKHARA VARA SOOTRA

#### २३. पुक्खर वर (श्रुतस्तव) सूत्र.

PUKKHARA VARA DĪVADDĤE',  
 DHĀYAI-SANDE' A JAMBŪDIVE' A;  
 पुक्खर-वर दीवद्धे, धायइसंडे अ जंबूदीवे अ,  
 BHARAHE' RAVAYA VIDE'HE,  
 DHAMMĀIGARE NAMAMSĀMI. 1  
 भरहेरवय विदेहे, धम्माइगरे नमंसामि. ॥१॥  
 TAMA TIMIRA PADAL VIDDHAM  
 तम तिमिर पडल विद्धं  
 SAᅇASSA, SURANGAᅇA NARINDA MAHIASSA,  
 सणस्स, सुरगण नरिंद महिअस्स  
 SĪMĀDHARAᅇSA VAᅇNDE,' PAPFODIA MOHAJĀLAᅇSA.2  
 सीमाधरस्स वंदे, पप्फोडिअ मोहजालस्स. ॥२॥  
 JĀI JARĀ MARAᅇA, SOGA PAᅇĀSAᅇASSA,  
 जाइ जरा-मरण-सोग-पणासणस्स,

KAḶLĀṆA PUKKHALA VISĀL SUHĀVAHAṢṢA;  
कल्लाण-पुक्खल-विसाल-सुहावहस्स,  
KO DE'VA DĀṆAVA NARINDA GAṆACHCHIASSA;  
को देव दाणव नरिंद गणच्चिअस्स,  
DHAMMAṢṢA SĀRA MUVALABBHA KARE'PAMĀYAM ? 3  
धम्मस्स-सार मुवलब्भ करे पमायं ? ॥३॥

SIDDHE'BHO ! PAYAO ṆAMO  
JIṆAMAE', NAṆDĪ SAYĀ SAṆJAME,  
सिद्धे भो पयओ -णमो जिणमए नंदी सया संजमे,  
DE'VAṆ NĀGA SUVANNA KINNARA GAṆAS,-  
SABBHUA BHĀVACHCHIEA;  
देवं नाग सुवन्न किन्नर गणस्-सब्भुअ भावच्चिए,  
LOGO JAṬṬHA PAIṬṬHIO JAGAMIṆAM,  
TE'LUKKA MACHCHĀSURAM,  
लोगो जत्थ पइट्ठिओ जगमिणं, तेलुक्क-मच्चासुरं,  
DHAMMO VADḌHAU SĀSAO  
VIJAYAO, DHAMMUTTARAM VADḌHAU 4  
धम्मो वड्डुअ सासओ विजयओ धम्मुत्तरं वड्डुअ ॥४॥  
SUASSA BHAGAVAO KARE'MI KAUSAGGAM.  
VAṆDAṆA VATTIĀE.  
सुअस्स भगवओ करेमि काउसगं, वंदण वत्तिआए.

## 24. SIDDHĀṆAM BUDDHĀṆAM SOOTRA

### २४. सिद्धाणं बुद्धाणं (सिद्ध-स्तव) सूत्र

SIDDHĀṆAM BUDDHĀṆAM,  
PĀRAGAYĀṆAM PARAMAPARAGAYĀṆAM,  
सिद्धाणं बुद्धाणं, पारगयाणं परंपरगयाणं;

LOAGGAMUVA-GAYĀṆAM,  
NAMO SAYĀ SAVVA SIDDHĀṆAM. 1

लोअग्गमुवगयाणं, नमो सया सब्ब सिद्धाणं. ॥१॥

JO DE'VAṆA VI DE'VO,  
JAṀ DE'VĀ PAṆJALI NAṀAMSANTI,  
जो देवाण वि देवो, जं देवा पंजलि नमंसंति,  
TAṀ DE'VA DE'VA MAHIAM,  
SIRASĀ VAṆDE MAHĀVIRAM. 2

तं देव देव महिअं, सिरसा वंदे महावीरं. ॥२॥

IKKO VI NAMUKKĀRO, JIṆAVARA  
VASAHAṬṬA VADDHAMĀṆAṬṬA.  
इक्को वि नमुक्कारो, जिणवर वसहस्स वद्धमाणस्स,  
SAṆSĀRA SĀGARĀO, TĀRE'I NARAM VANĀRIMVĀ. 3

संसार सागराओ, तारेइ नरं व नारिं वा. ॥३॥

UJJIṆTA SE'LA SIHARE'  
DIKKHĀ NĀṆAṀ NISĪHIĀ JAṬṬA,  
उज्जित सेल सिहरे, दिक्खा नाणं निसीहिआ जस्स;  
TAM DHAMMA CHAKKAVATTIṀ,  
ARIṬṬHANE'MIṀ NAṀAṀSĀMI. 4

तं धम्मचक्कवट्ठिं, अरिट्ठनेमिं नमंसामि. ॥४॥

CHATTĀRI AṬṬHA DASA DOYA,  
VAṆDIYĀ JINAVARĀ CHAUVVISAM,  
चत्तारि अट्ठ दस दोय, वंदिया जिणवरा चउव्वीसं,  
PARAMAṬṬHA NIṬṬHI AṬṬHĀ,  
SIDDHĀ SIDDHIṀ MAMA DISAṆTU. 5

परमट्ठ निट्ठि अट्ठा, सिद्धा सिद्धिं मम दिसंतु. ॥५॥

## 25. VE'YĀVACHCHA-GARĀṆAM, SOOTRA

### २५. वेयावच्चगराणं सूत्र

VE'YĀVACHCHA-GARĀṆAM, SAṆTIGARĀṆAM,  
वेयावच्चगराणं संतिगराणं,  
SAMMADIṬṬHI SAMĀHIGARĀṆAM,  
KARE'MI KĀUṢSAGGAM. (ANNATTHA). 1  
सम्मदिट्ठि समाहिगराणं, करेमि काउसगं ॥१॥ (अन्नत्थ०)

## 26. BHAGAVĀNHAM SOOTRA

### २६. भगवान्हं सूत्र

BHAGAVĀNHAM, ĀCHARYAHAM,  
UPĀDHYĀYAHAM, SARVA SĀDHUHAM. 1  
भगवान्हं, आचार्यहं, उपाध्यायहं, सर्व साधुहं ॥१॥

## 27. SAVVAṢSAVI SOOTRA

### २७. सव्वस्सवि (प्रतिक्रमण स्थापना) सूत्र

ICHCHHĀKĀRE'ṆA SAṆDISAHA BHAGAWAṆ !  
इच्छाकारेण संदिसह भगवन् !  
DE'VASIA (RĀIA), PADIKKAMAṆE'THĀU ? ICHCHHAM,  
देवसिअ (राइअ), पडिक्कमणे ठाउं ? इच्छं,  
SAVVAṢSAVI DE'VASIA (RĀIA)  
सव्वस्सवि देवसिअ (राइअ)

DUCHCHINTIA, DUBBHĀSIA, DUCHCHITTHIA,

दुच्चिन्तिअ, दुब्भासिअ, दुच्चिद्धिअ,

MICHCHHĀ MI DUKKADAM.

1

मिच्छ मि दुक्कडं. ॥१॥

## 28. ICCHHĀMI THĀMI SOOTRA

२८. इच्छामि ठामि (अतिचार आलोचना) सूत्र

ICHCHHĀMI THĀMI KĀUṢṢAGGAM,

इच्छामि ठामि काउस्सगं,

JO ME'DE'VASIO (RĀIO) AIĀRO,

जो मे देवसिओ (राइओ) अइआरो,

KAO KĀEEO VĀEEO, MĀNASIO,

कओ काइओ, वाइओ, माणसिओ,

UṢṢUTTO, UMMAGGO, AKAPPO, AKARAṆIJJO,

उस्सुत्तो, उम्मगो, अकप्पो, अकरणिज्जो,

DUJJHĀO, DUVVICHINTIO,

AṆĀYĀRO, AṆICHCHHIAVVO,

दुज्झाओ, दुव्विचिन्तिओ, अणायारो, अणिच्छिअब्बो,

ASĀVAGAPĀUGGO,

NANĒ'DANĒSĀNĒ', CHARITṬĀCHARITṬE',

असावग पाउग्गो, नाणे, दंसणे, चरित्ताचरित्ते,

SUE', SĀMĀIE, TINHAM GUTTINAM,

CHAUṆHAM KASĀYĀNAM

सुए, सामाइए तिण्हं गुत्तीणं, चउण्हं कसायाणं,

PAÑCHANHA MAÑUVVAYĀÑAM,  
 TIÑHAM GUÑAVVAYĀÑAM,  
 पंचण्ह मणुब्बयाणं, तिण्हं गुणब्बयाणं,  
 CHAÑHAM SIKKHĀVAYĀÑAM,  
 BĀRASA VIHAŚSA SĀVAGA DHAMMAŚSA,  
 चउण्हं सिक्खावयाणं, बारस विहस्स सावग धम्मस्स,  
 JAÑKHAÑDIAM JAÑ VIRĀHIAM,  
 TAŚSA MICHCHĀ MI DUKKADAM,  
 जं खंडिअं जं विराहिअं, तस्स मिच्छा मि दुक्कडं. ॥१॥

## 29. NĀÑAMMI SOOTRA

### २९. नाणंमि (पंचाचार स्मारक) सूत्र

NĀÑAMMI DAÑSANAMMI A,  
 CHARAÑAMMI TAVAÑMI TAHA YA VIRIYAÑMI;  
 नाणंमि दंसणंमि अ, चरणंमि तवंमि तह य वीरियंमि;  
 ĀYARAÑAM ĀYĀRO, EA E'SO PANCHAHĀ BHANĪO. 1  
 आयरणं आयारो, इअ एसो पंचहा भणिओ. ॥१॥

KĀLE VIÑAYE' BAHUMĀÑE',  
 UVAHĀÑE TAHA-ANINHAVANE',  
 काले विणए बहुमाणे, उवहाणे तह अनिण्हवणे,  
 VANJAÑA AṬṬHA TADUBHAYE',  
 ATTHAVIHO NĀÑAMĀYĀRO.

2

वंजण अत्थ तदुभये, अडुविहो नाणमायारो, ॥२॥  
 NIŚSANKIA NIKKANKHIA,

NIVVITIGICHCHĀ AMŪDHA-DIṬṬHĪ A

निस्संकिअ निक्कंखिअ, निव्वितिगिच्छा अमूढ दिट्ठि अ;

UVAVŪHA THIRIKARANE',  
VACHCHHALLA PABHĀVANE' AṬṬHA. 3

उववूह थिरीकरणे , वच्छल्ल पभावणे अड्ड . ॥३॥

PAṆIHĀṆA JOGAJUTTO,  
PAṆCHAHIM SAMIIHIM, TIHIM GUTTIHIM;

पणिहाण जोगजुत्तो ,  
पंचहिं समिइहिं तीहिं गुत्तीहिं

E'SA CHARITṬĀYĀRO, AṬṬHAVIHO HOI NĀYAVVO. 4

एस चरित्तायारो , अड्डविहो होइ नायव्वो . ॥४॥

BĀRASAVIHAMMI VI TAVE',  
SABBHIṆTARA BĀHIRE' KUSALADIṬṬHE;  
बारसविहम्मि वि तवे , सब्भितर बाहिरे कुसलदिट्ठे ,  
AGILĀI AṆĀJIVI, NĀYAVVO SO TAVĀYĀRO. 5

अगिलाइ अणाजीवी , नायव्वो सो तवायारो . ॥५॥

AṆASAṆA MUṆOARIYĀ,  
VITTI SAṆKHE'VAṆAṆ RASACHCHĀO;  
अणसण मूणोअरिया , वित्ती संखेवणं रसच्चाओ ,  
KĀYAKILE'SO SANLIṆAYĀ YA BAJJHO TAVO HOI. 6

कायकिलेसो संलीणया य , बज्झो तवो होइ . ॥६॥

PĀYACHCHHITAM VINAṆO,  
VE'YĀVACHCHAM TAHE'V SAJJHĀO;

पायच्छित्तं विणओ , वेयावच्चं तहेव सज्झाओ ;

JHĀṆAṆA UṢSAGGOVI A, ABBHIṆTARAO TAVO HOI. 7

झाणं उस्सग्गोवि अ , अब्भितरओ तवो होइ . ॥७॥

ANIGUHIA BALAVĪRIO,  
 PARAKKAMAI JO JAHUTTAMĀUTTO,  
 अणिगूहिअ-बल-वीरिओ , परक्कमइ जो जहुत्तमाउत्तो ,  
 JUŃJAI A JAHĀTHĀMAṆNĀYAVVO VIRIYĀYĀRO. 8  
 जुंजइ अ जहाथामं , नायव्वो वीरियायारो . ॥८॥

### 30. SUGURU VĀNDANĀ SOOTRA

३०. सुगुरु वांदना (द्वादशावर्त वंदन) सूत्र .

ICHCHHĀMI KHAMĀSAMANO !  
 VĀNDIUM, JĀVAṆIJJĀE', NISIHIĀE',  
 इच्छामि खमासमणो  
 वंदिउं जावणिज्जाए , निसीहिआए ,  
 AṆUJĀṆAHA ! ME' MIUGGAHAMNISĪHI,  
 अणुजाणह मे मिउग्गहं निसीहि ,  
 AHO, KĀYAM, KĀYA SAMFHĀSAM,  
 KHAMAṆJJO BH'E ! KILĀMO  
 अहो , कायं , काय संफासं , खमणिज्जो भे किलामो  
 APPAKILANTĀṆAM BAHU SUBHE'ṆA BHE' !  
 DIVASO (RĀIA) VAIKKANTO, (VAIKKANTA)  
 अप्पकिलंताणं बहु सुभेण भे ! दिवसो (राइअ) वइक्कंतो (वइक्कंता) ,  
 JAṬṬĀ BHE' ! JAVANIJ JAṆCHA BHE',  
 जत्ता भे ज व णिज् जं च भे ?  
 KHĀME'MI KHAMĀSAMANO !  
 DE'VASIAM (RĀIAM) VAIKKAMAM,  
 खामेमि खमासमणो ! देवसिअं (राइअं) वइक्कमं ,



ĀVAṢṢIĀE' PADIKKAMĀMI KHAMĀSAMANAṆĀNAM,  
 आवस्सिआए पडिक्कमामि , खमासमणाणं ,  
 DE'VSIĀE', (RĀIĀE') ĀSĀYANAṆĀE',  
 TIṬṬISANNAYARĀE JAṆKIṆCHI MICHCHHĀE',  
 देवसिआए (राइआए) आसायणाए ,  
 तित्तीसन्नयराए , जंकिंचि मिच्छाए ,  
 MAṆA-DUKKADĀE', VAYA-DUKKADĀE',  
 KĀYA-DUKKADĀE',  
 मण दुक्कडाए , वय दुक्कडाए , काय दुक्कडाए ,  
 KOHĀE, MĀṆĀE, MĀYĀE, LOBHĀE',  
 कोहाए , माणाए , मायाए , लोभाए ,  
 SAVVA-KĀLIĀE', SAVVA MICHCHHOVAYĀRĀE',  
 सब्ब कालिआए , सब्ब मिच्छोवयाराए ,  
 SAVVA-DHAMMĀIKKAMAṆĀE' ĀSĀYANAṆĀE',  
 सब्ब धम्माइक्कमणाए , आसायणाए ,  
 JO ME', AIĀRO KAO, TAṢṢA KHAMĀSAMANO !  
 जो मे अइआरो कओ , तस्स खमासमणो !  
 PADIKKAMĀMI, NIṆDĀMI, GARIHĀMI,  
 APPĀṆAṆVOSIRĀMI.

पडिक्कमामि , निंदामि , गरिहामि , अप्पाणं वोसिरामि ,

### 31. DE'VASIAM ĀLOUṆ SOOTRA

#### ३१. देवसिअं आलोउं सूत्र

ICHCHHĀ KĀREṆA SAṆDISAHA BHAGVAN !

इच्छाकारेण संदिसह भगवन् !

DE'VASIAM (RĀIAM) ĀLOUM ?

देवसिअं (राइअं) आलोउं ?

ICHCHHAM ĀLOE'MI JO ME' DE'VASIO (RAIO)...

इच्छं, आलोएमि जो मे देवसिओ (राइओ)...

## 32. SĀTA LĀKHA SOOTRA

### ३२. सात लाख सूत्र

SĀTA LĀKHA PRUTHVIKĀYA, SĀTA LĀKHA APKĀYA,

सात लाख पृथ्वीकाय, सात लाख अप्काय,

SĀTA LĀKHA TE'UKĀYA, SĀTA LĀKHA VĀUKĀYA,

सात लाख तेउकाय, सात लाख वाउकाय,

DASHA LĀKHA PRATYE'KA VANASPATI KĀYA,

दश लाख प्रत्येक वनस्पति काय,

CHAUDA LĀKHA SĀDHARANA VANASPATI KĀYA,

चौद लाख साधारण-वनस्पति काय,

BE LĀKHA BE'ĪNDRIYA, BE LĀKHA TE'ĪNDRIYA,

BE LĀKHA CHAURIĪNDRIYA,

बे लाख बेइन्द्रिय, बे लाख तेइन्द्रिय, बे लाख चउरिन्द्रिय,

CHĀRA LĀKHA DE'VATĀ, CHĀRA LĀKHA NĀRAKI,

चार लाख देवता, चार लाख नारकी,

CHĀRA LĀKHA TIRYAŅCHA PAŅCHEN'DRIYA,

चार लाख तिर्यंच पंचेन्द्रिय,

CHĀUDA LĀKHA MANUSHYA,

E'VAMKĀRE' CHORĀSHI LĀKHA

चौद लाख मनुष्य, एंवकारे चोराशी लाख,

JIVĀYONIMĀHI, MĀRE JIVE',  
 जीवायोनीमांही मारे जीवे,  
 JE' KOI JIVA HAṆYO HOYA, HAṆAVYO HOYE,  
 जे कोइ जीव हण्यो होय , हणाव्यो होय ,  
 HAṆATĀ PRATYE", ANUMODYO HOYE,  
 हणता प्रत्ये अनुमोद्यो होय ,  
 TE' SAVI HU MANA, VACHANA KĀYĀE' KARI,  
 MICHCHHĀ MI DUKKADAM.  
 ते सवि हु मन , वचन , कायाए करी , मिच्छा मि दुक्कडं .

### 33. ADHĀRA PĀPASTHĀNAKA SOOTRA

#### ३३. अढार पापस्थानक सूत्र

PAHE'LE PRĀṆĀTIPĀTA, BIJE MRUṢHĀVĀDA,  
 TRIJE' ADATTĀDĀNA, CHOTHE' MAITHUNA,  
 पहेले प्राणातिपात , बीजे मृषावाद , त्रीजे अदत्तादान , चोथे मैथुन ,  
 PĀCHAME' PARIGRAHA, CHHATTHE' KRĠODHA,  
 SĀTAME' MĀNA, ĀTHEME' MĀYĀ,  
 पांचमे परिग्रह , छठे क्रोध , सातमे मान , आठमे माया ,  
 NAVAME' LOBHA, DASHAME' RĀGA.  
 AGYĀRAME' DVE'ṢHA, BĀRAME' KALAHA,  
 नवमे लोभ , दशमे राग , अग्यारमे द्वेष , बारमे कलह ,  
 TE'RAME' ABHYĀKHYĀNA, CHAUDAME' PAISHUṆYA,  
 PAṆDARME' RATI-ARATI, SOLAME' PARA-PARIVĀDA,  
 तेरमे अभ्याख्यान , चौदमे पैशुन्य ,  
 पंदरमे रति-अरति , सोलमे पर-परिवाद ,

SATTARAM' MĀYĀ MRUSHĀVĀD,  
ADHĀRAME, MITHYĀTVASHALYA.

सत्तरमे माया-मृषावाद, अढारमे मिथ्यात्वशल्य,

E' ADHĀRA PĀPASHTHĀNAKA MĀHI,

ए अढार पापस्थानक मांही,

MĀRE JIVE, JE' KOI PĀPA,

SE'VYU HOYA, SE'VRĀVYU HOYA.

मारे जीवे जे कोई पाप सेव्यु होय, सेवराव्यु होय,

SE'VATĀ PRATYE, ANUMODYU HOYA,

सेवता प्रत्ये अनुमोद्यु होय,

TE' SAVI HU MANA VACHANA, KĀYĀE' KARI,

MICHCHHĀ MI ḌUKKAḌAM.

ते सवि हु मन, वचन, कायाए करी, मिच्छा मि दुक्कडं.

### 34. VAṆDITTU SOOTRA

#### ३४. वंदित्तु (श्राद्ध प्रतिक्रमण) सूत्र

VAṆDITTU SAVVASIḌDHE,

DHAMMĀYARIE' A SAVVASĀHŪA;

वंदित्तु सव्वसिद्धे, धम्मायरिए अ सव्वसाहू अ,

ICHCHHĀMI PADIKKAMIUM,

SĀVAGA DHAMMĀIĀRAṢṢA.

1

इच्छामि पडिक्कमिउं, सावग धम्माइआरस्स. ॥१॥

JO ME' VAYĀIĀRO,

NANĒ' TAHA DAṆASANĒ' CHARITTE' A;

जो मे वयाइआरो, नाणे तह दंसणे चरित्ते अ,

SUHUMO A BĀYARO VĀ,

TAM NIÑDE' TAM CHA GARIHĀMI.

2

सुहुमो अ बायरो वा , तं निंदे तं च गरिहामि . ॥२॥

DUVIHE' PARIGGAHAMMI,

SĀVAJJE' BAHUVIHE' A ĀRAMBHE'

दुविहे परिग्गहम्मि , सावज्जे बहुविहे अ आरंभे ,

KĀRĀVAÑE' A KARANE',

PADIKKAME' DE'SIAM SAVVAM.

3

कारावणे अ करणे , पडिक्कमे देसिअं सव्वं . ॥३॥

JAM BADDHAMINDIE'HIM,

CHAUHIM KASĀE'HIM APPASATTHE'HIM;

जं बद्धमिंदिएहिं , चउहिं कसाएहिं अप्पसत्थेहिं ;

RĀGEṆA VA DOSE'NA VA,

TAM NIÑDE' TAM CHA GARIHĀMI,.

4

रागेण व दोसेण व , तं निंदे तं च गरिहामि . ॥४॥

ĀGAMAÑE' NIGGAMAÑE',

THĀÑE' CHANKAMAÑE' ANĀBHOGE;

आगमणे निग्गमणे , ठाणे चंकमणे अणाभोगे ,

ABHIOGE' A NIOGE', PADIKKĀME' DE'SIAM SAVVAM, 5

अभिओगे अ निओगे , पडिक्कमे देसिअं सव्वं . ॥५॥

SAÑKĀ KAÑKHA VIGICHCHĀ,

PASANSA TAHA SAÑTHAVO KULIṄGISU,

संका कंख विगिच्छा , पसंस तह संथवो कुलिंगीसु ;

SAMMATASSA IĀRE', PADIKKAME' DE'SIAM SAVVAM. 6

सम्मत्तस्स-इआरे , पडिक्कमे देसिअं सव्वं . ॥६॥

CHHAKKĀY SAMĀRAMBHE',  
PAYANE' A PAYĀVANE A JE' DOSĀ  
छक्काय समारंभे , पयणे अ पयावणे अ जे दोसा ;  
AṬṬAṬṬHĀ YA PARAṬṬHĀ,  
UABHAYAṬṬHĀ CHE'VA TAMNIṆDE'. 7

अत्तद्धा य परद्धा , उभयद्धा चेव तं निंदे . ॥७॥  
PAṆCHANHAMANUVVAYĀṆAM,  
GUṆA-VVAYĀṆAMCHA TIṆHAMAIĀRE',  
पंचण्ह-मणुव्वयाणं , गुण-व्वयाणं च तिण्हमइआरे ,  
SIKKHĀṆAMCHA CHAṆHAM,  
PADIKKAME' DE'SIAM SAVVAM. 8

सिक्खाणं च चउण्हं , पडिक्कमे देसिअं सव्वं . ॥८॥  
PADHAME' ANUVVAYAMMI,  
THULAGA PĀṆĀIVĀYA VIRAIIO;  
पढमे अणुव्वयम्मि , थुलग पाणाइवाय विरइओ ;  
ĀYARIAMAPPASATTHE',  
ITTHAPAMĀYAPPASAṆGE'ṆAM. 9

आयरिअ-मप्पसत्थे , इत्थ पमायप्पसंगेणं . ॥९॥  
VAHABĀNDHACHHAVICHCHE'E'  
AIBHĀRE' BHATTA PĀ'ṆA VUCHCHHE'E',  
वह बंध छविच्छेए , अइभारे भत्त पाण वुच्छेए ,  
PADHAMAVAYASSA EĀRE',  
PADIKKAME' DE'SIAM SAVVAM. 10  
पढम-वयस्स इआरे , पडिक्कमे देसिअं सव्वं . ॥१०॥

BIE' ANUVVAYAMMI,

PARITHULAGAALIYA VAYANA VIRAI0;

बीए अणुव्वयम्मि , परिथुलगअलिय वयण विरइओ ;

ĀYARIYA MAPPASATTHE',

ITTHA PAMĀYA PPASAᅅGE'NAM.

11

आयरिय-मप्पसत्थे , इत्थ पमायप्पसंगेणं . ॥११॥

SAHAᅄSĀ RAHAᅄSA DĀRE',

MOSUVAESE' A KUDALE'HE' A;

सहस्सा रहस्स दारे , मोसुवएसे अ कुडलेहे अ ;

BIYAVAYAᅄSSA EĀRE',

PADIKKAME' DE'SIAM SAVVAM.

12

बीयवयस्स इआरे , पडिक्कमे देसिअं सव्वं ॥१२॥

TAIE' ANUVVAYAMMI,

THŪLAGA PARADAVVA HARANA VIRAI0;

तइए अणुव्वयम्मि , थूलग परदव्व हरण विरइओ ;

ĀYARIYA MAPPASATTHE',

ITTHA PAMĀYA PPASAᅅGE'NAM.

13

आयरिय मप्पसत्थे , इत्थ पमाय प्पसंगेण . ॥१३॥

TE'NĀ HADA PPAOGE',

TAPPADIRUVE' VIRUᅀDHA GAMANE' A;

तेना हड-प्पओगे , तप्पडिरुवे विरुद्ध गमणे अ ,

KUDATULA KUDAMĀNE,

PADIKKAME' DE'SIAM SAVVAM.

14

कुडतुल कुडमाणे , पडिक्कमे देसिअं सव्व . ॥१४॥

CHAUTTHE' ANUVVAYAMMI,  
NICHCHAM PARADĀRA GAMANA VIRAI0;  
चउत्थे अणुव्वयम्मि , निच्चं परदार-गमण-विरइओ ;  
ĀYRIA MAPPASTTHE',  
ITTHA PAMĀYA PPASAᅅGE'NAM. 15

आयरिअ-मप्पसत्थे , इत्थ पमाय-प्पसंगेणं , ॥१५॥  
APARIGGAHIĀ ITTARA,  
ANAᅅGA VIVĀHA TIVVAANURĀGE;  
अपरिग्गहिआ इत्तर , अणंग विवाह तिच्च-अणुरागे .  
CHAUTTHA VAYASSA EĀRE',  
PADIKKAME' DE'SIAM SAVVAM. 16

चउत्थ वयस्स इआरे , पडिक्कमे देसिअं सव्वं . ॥१६॥  
ITTO ANUVVAYE PAᅅCHAMAMMI,  
ĀYARIYA MAPPASATTHAMMI,  
इत्तो अणुव्वए पंचमम्मि , आयरिय मप्पसत्थम्मि ;  
PARIMĀᅅA PARICHCHHE'E'  
ITTHA PAMĀYA PPASAᅅGE'NAM. 17

परिमाण परिच्छेए , इत्थ पमाय - प्पसंगेणं . ॥१७॥  
DHANA DHANNA KHITTA VATTHU,  
RUPPA SUVANNE' A KUVIA PARIMĀᅅE',  
धण-धन्न-खित्त-वत्थु , रूप्प सुवन्ने अ कुविअ-परिमाणे ;  
DUPAE' CHAUPPAYAMMI YA,  
PADIKKAME' DE'SIAM SAVVAM. 18

दुपए चउप्पयम्मि य , पडिक्कमे देसिअं सव्वं . ॥१८॥



GAMAṆAṢṢA U PARIMĀṆE',

DISĀSU UDDHAM AHE' A TIRIYAṆ CHA;

गमणस्स उ परिमाणे , दिसासु उड्डं अहे अ तिरिअं च ,

VUDDHI SAI AṆTARADDHĀ,

PADHAMAMMI GUṆAVVAE' NIṆDE'.

19

बुडिढ-सइ अंतरद्धा , पढमम्मि गुणव्वए निंदे . ॥१९॥

MAJJAMMI A MANSAMMI A,

PUPFHE' A FALE' A GANDHA MAḶLE' A;

मज्जम्मि अ मंसम्मि अ , पुप्फे अ फले अ गंध मल्ले अ ,

UVABHOGA PARIBHOGE',

BIAMMI GUṆAVVAE' NINDE'.

20

उवभोग परिभोगे , बीअम्मि गुणव्वए निंदे . ॥२०॥

SACHCHITTE' PADIBADDHE',

APOLI DUPPOLIYAṆ CHA ĀHĀRE',

सच्चित्ते पडिबद्धे , अपोलि दुप्पोलियं च आहारे ;

TUCHCHHOSAHI BHAKKHANAYĀ,

PADIKKAME' DE'SIAṆ SAVVAṆ.

21

तुच्छोसहि भक्खणया , पडिक्कमे देसिअं सव्वं . ॥२१॥

IṆGĀLI VAṆA SĀDI, BHĀDI FODI SUVAJJAE' KAMMAṆ,

इंगाली वण साडी , भाडी फोडी सुवज्जए कम्मं ;

VĀṆIJJAṆ CHE'VA DAṆTA,

LAKKHA RASA KE'SA VISA VISAYAṆ.

22

वाणिज्जं चेव दंत , लक्ख-रस-केस-विस-विसयं . ॥२२॥

E'VAṀ KHU JAṆTAPILLṆA,

KAMMAṀ NILLANCHHAṆAṀ CHA DAVADĀṆAṀ;

एवं खु जंतपिल्लण, कम्मं निल्लंछणं च दवदाणं,

SARA DAHA TALĀYA SOSAṀ,

ASAIPOSAṀ CHA VAJJIJJĀ.

23

सर दह तलाय - सोसं, असइपोसं च वज्जिज्जा. ॥२३॥

SATTHAGGI MUSALA JAṆTAGA,

TANA KAṬṬHE' MAṆTA MŪLA BHE'SAJJE',

सत्थग्गि-मुसल-जंतग, तण-कट्ठे मंत-मूल-भेसज्जे,

DINNE' DAVĀVIE' VĀ,

PADIKKAME' DE'SIAṀ SAVVAṀ.

24

दिन्ने दवाविए वा, पडिक्कमे देसिअं सव्वं. ॥२४॥

NHĀṆUVVAṬṬANA VANNAGA,

VILE'VAṆE' SADDARUVA RASA GAṆDHE',

णहाणुव्वट्ठण वन्नग, विलेवणे सद्द-रुव-रस-गंधे;

VATTHĀSANA ĀBHARANE',

PADIKKAME' DE'SIAṀ SAVVAṀ.

25

वत्थासण-आभरणे, पडिक्कमे देसिअं सव्वं. ॥२५॥

KAṆDAPPE' KUKKUIE',

MOHARI AHIGARANA BHOGA-AIRITTE';

कंदप्पे कुक्कुइए, मोहरि अहिगरण भोग-अइरित्ते,

DANDAMMI ANAṬṬHĀE',

TAIAMMI GUNAVVAE' NINDE'.

26

दंडम्मि अणट्ठाए, तइअम्मि गुणव्वए निंदे, ॥२६॥

TIVIHE' DUPPANIHAᅇ',

AᅇAVAᅇTHĀᅇ' TAHĀ SAIVIHUᅇ'.

तिविहे दुप्पणिहाणे , अणवड्डाणे तहा सइविहूणे .

SĀMĀIYA VITAHAKĀE',

PADHAME' SIKKHĀVAE' NIᅇDE'. 27

सामाइय वितहकए , पढमे सिक्खावए निंदे . ॥२७॥

ĀᅇAVANE' PE'SAVANE',

SADDE' RUVE' A PUGGALAKKHE'VE'

आणवणे पेसवणे , सद्दे रुवे अ पुगगलक्खेवे ,

DE'SĀVAGĀSIAMMI, BIE' SIKKHĀVAE' NIᅇDE'. 28

देसावगासिअम्मि , बीए सिक्खावए निंदे ॥२८॥

SAᅇTHĀRUCHCHĀRAVIHI,

PAMĀYA TAHA CHE'VA BHOYANĀBHOE',

संथारुच्चारविहि , पमाय तह चेव भोयणाभोए ;

POSAHA VIHI VIVARIE' TAIE SIKKHĀVAE' NIᅇDE'. 29

पोसह विहि विवरीए , तइए सिक्खावए निंदे . ॥२९॥

SACHCHIᅇTE' NIKKHIVANE',

PIHIᅇ' VAVAE'SA MACHCHHARE' CHE'VA,

सच्चित्ते निक्खिवणे , पिहिणे ववएस मच्छरे चेव ,

KĀLĀIKKAMA DĀᅇNE',

CHAUTTHE' SIKKHĀVAE' NIᅇDE'. 30

कालाइक्कम दाणे , चउत्थे सिक्खावए निंदे . ॥३०॥

SUHI'ESU A DUHIE'SU A,

JĀ ME' AᅇSNJAESU ANUKAMPĀ;

सुहिएसु अ दुहिएसु अ , जा मे अस्संजएसु अणुकंपा ,

RĀGE'ṆA VĀ DOSE'ṆA VA,  
TAM NIṆDE' TAM CHA GARIHĀMI. 31

रागेण व दोसेण व , तं निंदे तं च गरिहामि । ॥३१॥

SĀHUSU SAMVIBHĀGO,  
NA KAO TAVA CHARAṆA KARANA JUTTE'SU,  
साहसु संविभागो , न कओ-तव चरण करण जुत्तेसु,  
SANTE' FĀSUADĀNE',  
TAM NINDE' TAM CHA GARIHĀMI. 32

संते फासुअदाणे , तं निंदे तं च गरिहामि । ॥३२॥

IHALOE' PARALOE', JĪVIA MARAṆE' A ĀSAṆSA PAOGE',  
इहलोए परलोए , जीविअ मरणे अ आसंस पओगे ,  
PANCHAVIHO AIĀRO,  
MĀ MAJZA HUJJA MARAṆANTE'. 33

पंचविहो अइआरो , मा मज्झ हुज्ज मरणंते । ॥३३॥

KĀE'ṆA KĀIASSA, PADIKKAME' VĀIASSA VĀYĀE',  
काएण काइअस्स , पडिक्कमे वाइअस्स वायाअे ;  
MAṆASĀ MĀṆASIASSA,  
SAVVAṢSA VAYĀIĀRAṢSA. 34

मणसा माणसिअस्स , सव्वस्स वयाइआरस्स । ॥३४॥

VANDAṆA VAYA SIKKHĀ GĀRAVE'SU,  
SANNĀ KASĀYA DAṆDE'SU;  
वंदण वय सिक्खा गारवेसु , सन्ना कसाय दंडेसु ;  
GUTTISU A SAMIISU A, JO AIYĀRO A TAM NIṆDE', 35  
गुत्तीसु अ समिइसु अ , जो अइयारो अ तं निंदे । ॥३५॥

SAMMADIṬṬHI JIVO,

JAI VI HU PĀVAM SAMĀYARE' KIŃCHI,

सम्मदिट्ठि जीवो , जइ वि हु पावं समायरे किंचि ;

APPO SI HOI BAŃDHO,

JE'ŃA NA NIDDHAMDHASAMKUNAI.

36

अप्पो सि होइ बंधो , जेण न निद्धंधसं कुणइ . ॥३६॥

TAM PI HU SAPADIKKAMAN AM,

SAPPARIĀVAM SAUTTARA GUNAM CHA;

तं पि हु सपडिक्कमणं , सप्परिआवं सउत्तर गुणं च ;

KHIPPAṀ UVASĀME'I, VĀHI VVA SUSIKKHIO VIJJO. 37

खिप्पं उवसामेइ , वाहिच्च सुसिक्खिओ विज्जो . ॥३७॥

JAHĀ VISAMKUṬṬHA GAYAM,

MAṆTAMULA VISĀRAYĀ,

जहा विसं कुट्ठगयं , मंत-मूल-विसारया ;

VIJĀ HAṆATI MAṆTE'HIM, TO TAM HAVAI NIVVISAM. 38

विज्जा हणति मंतेहिं , तो तं हवइ निव्विसं . ॥३८॥

E'VAMAṬṬHAVIHAM KAMMAM,

RĀGA DOSA SAMAJJIAM;

एवं अट्ठविहं कम्मं , राग दोस समज्जिअं ;

ĀLOANTO A NINDAŃTO, KHIPPAṀ HAṆAI SUSĀVAO.39

आलोअंतो अ निंदंतो , खिप्पं हणइ सुसावओ . ॥३९॥

KAYA PĀVO VI MAṆUṢSO,

ĀLOIA NIŃDIA GURUSAGĀSE;

कय पावो वि मणुस्सो , आलोइअ निंदिअ गुरुसगासे ;

HOI AIRE'GA LAHUO,

OHARIA BHARUVVA BHĀRAVAHO.

40

होइ अइरेग लहुओ , ओहरि अ भरुव्व भारवहो . ॥४०॥

ĀVAṢṢAE'NA E'E'NA, SĀVAO JAIVI BAHURAO HOI;

आवस्सएण एण , सावओ जइ वि बहुरओ होइ ;

DUKKHĀṆAMAṆTA KIRIAM,

KĀHI ACHIRIE'NA KĀLE'NA.

41

दुक्खाणमंत किरिअं , काही अचिरेण कालेण . ॥४१॥

ĀLOYA'NĀ BAHUVIHĀ,

NA YA SAṀBHARIĀ PADIKKAMA'NA KĀLE',

आलोगणा बहुविहा , न य संभरिआ पडिक्कमण काले ,

MŪLAGUṆA UTTARAGUṆE',

TAM NIṆDE' TAM CHA GARIHĀMI.

42

मूलगुण उत्तरगुणे , तं निंदे तं च गरिहामि . ॥४२॥

TAṢṢA DHAMMAṢṢA KE'VALI PANNATTAṢṢA,

तस्स धम्मस्स केवलि पन्नत्तस्स ,

ABBHUṬṬHIOMI ĀRĀHA'NĀE', VIRIOMI VIRĀHANĀE;

अब्भुट्टिओमि आराहणाए , विरिओमि विराहणाअे ,

TIVIHE'NA PADIKKAṆTO,

VAṆDĀMI JIṆE' CHAUVVISAM.

43

तिविहेण पडिक्कंतो , वंदामि जिणे चउव्वीसं . ॥४३॥

JĀVAṆTI CH'EIĀIṀ, UDDHE'A AHE' A TIRIALOE' A,

जावंति चेइआइं , उट्टे अ अहे अ तिरिअलोए अ ; '

SAVVĀIṀTĀIṀVAṆDE',

IHA SAṆTO TATTHA SAṆTĀIṀ.

44

सव्वाइं ताइं वंदे, इह संतो तत्थ संताइं. ॥४४॥

JĀVAṆTAKE'VI SĀHŪ,

BHARAHE'RAVAYA MAHĀVIDE'HE'A

जावंत के वि साहू, भरहेरवय महाविदेहे अ,

SAVVE'SIṀTE'SIṀPAṆAO,

TIVIHE'NA TIDAṆDA VIRAYĀ'ṆAM.

45

सव्वेसिं तेसिं पणओ, तिविहेण तिदंड विरयाणं. ॥४५॥

CHIRA SANCHIA PĀVA PAṆĀSA'ṆĪ,

BHAVA SAYA SAHAṢSA MAHAṆIE';

चिर संचिय पाव-पणासणीइ, भव सय सहस्स महणीअे;

CHAUVVISA JIṆA VIṆNIGGAYA KAHĀI,

VOLAṆTU ME'DIAHĀ.

46

चउव्वीस जिण विणिग्गय कहाइ, वोलंतु मे दिअहा. ॥४६॥

MAMA MANGALA MARIHAṆTĀ,

SIDḌHĀ SĀHŪ SUAṀCHA DHAMMO A;

मम मंगल मरिहंता, सिद्धा साहू सुअं च धम्मो अ;

SAMMADIṬṬHI DE'VĀ,

DIṆTU SAMĀHIṀCHA BOHIṀCHA.

47

सम्मदिट्ठि देवा, दिंतु समाहिं च बोहिं च. ॥४७॥

PADISIDḌHĀṆAM KARANE'

KICHCHANAMAKARANE A PADIKKAMAṆAM;

पडिसिद्धाणं करणे, किच्चाण-मकरणे अ पडिक्कमणं;

ASSADDHANE'A TAHĀ VIVARIA PARUVANĀE' A. 48  
असद्दहणे अ तथा , विवरीअ परुवणाए अ. ॥४८॥

KHĀME'MI SAVVAJIVE', SAVVE' JEEVĀ KHAMAN̄TU ME',  
खामेमि सव्व जीवे , सव्वे जीवा खमंतु मे ;

MITTI ME' SAVVABHUE'SU,  
VE'RAṀ MAJJHAM NA KE'ṆAI. 49

मिती मे सव्वभूएसु , वेरं मज्झं न केणइ . ॥४९॥

E'VAMAHAM ĀLOIA, NIṆDIA

GARAHIA DUGANCHHIAM SAMMAM;

एवमहं आलोइअ , निंदिअ गरहिअ दुगंछिअं सम्मं ;

TIVIHE'ṆA PADIKKAN̄TO,  
VAṆDĀMI JIṆE' CHAUVVEESAM. 50

तिविहेण पडिक्कंतो , वंदामि जिणे चउवीसं . ॥५०॥

### 35. ĀYARIAYA UVAJZĀE' SOOTRA

३५. आयरिय उवज्झाए

(आयरियाइ खामणा) सूत्र

ĀYARIYA UVAJJHĀE', SISE' SĀHAMMIE' KULA GA'ṆE' A;

आयरिय उवज्झाए , सीसे साहम्मिए कुल गणे अ ,

JE' ME' KE'I KASĀYĀ SAVVE' TIVIHE'ṆA KHĀME'MI. 1

जे मे केइ कसाया , सव्वे तिविहेण खामेमि . ॥१॥

SAVVAṢṢA SAMA'ṆASAṅGHAṢṢA,

BHAGAVAO ANJALIṀKARIA SISE';

सव्वस्स समणसंघस्स , भगवओ अंजलिं करिअ सीसे ,



SAVVAMKHAMĀVAITTĀ,

KHAMĀMI SAVVAṢṢAAHAYAMPI.

2

सर्वं खमावइत्ता , खमामि सर्वस्स अहयं पि. ॥२॥

SAVVAṢṢA JIVARĀSIṢṢA,

BHĀVAO DHAMMA NIHIA NIYACHITTO;

सर्वस्स जीवरासिस्स , भावओ धम्म निहिअ नियचित्तो ,

SAVVAMKHAMĀVATTĀ,

KHAMĀMI SAVVAṢṢAAHAYAMA PI.

3

सर्वं खमावइत्ता , खमामि सर्वस्स अहयं पि. ॥३॥

### 36. SHRUTA DE'VATĀ STUTI

#### ३६. श्रुतदेवता की स्तुति

SUA DEVAYĀE KAREMI KAUSSAGGAM ANNATTHA.

सुअ देवयाए करेमि काउस्सगं अन्नत्थ .

SUADE'VAYĀ BHAGAVAI,

NĀṆĀVARAṆIA KAMMA SANGHĀYAM,

सुअदेवया भगवइ , नाणावरणीअ कम्म संघायं ,

TE'SIMKHAVE'U SAYAYAM

JE'SIM SUA SĀYARE' BHATTI.

1

तेसिं खवेउ सययं , जेसिं सुअ सायरे भत्ती. ॥१॥

(स्त्रियाँ न पढे - NOT TO BE LEARNT BY LADIES)

### 37. KSHETRA DE'VATĀ STUTI

#### ३७. क्षेत्र देवता की स्तुति

KHITADEVAYĀE KAREMI KĀUSSAGGAM ANNATTHA.

खित्तदेवयाए करेमि काउस्सगं अन्नत्थ .

JISE' KHITTE' SĀHU,  
DAÑSANA-NĀÑE'HIM CHARANA SAHIE'HIM;  
जिसे खित्ते साहू, दंसण-नाणेहिं चरण सहिएहिं,  
SĀHAÑTI MUKKHA MAGGAM.  
SĀ DE'VI ! HARAU DURIĀIM. 1  
साहंति मुखमगं, सा देवी हरउ दुरिआइं. ॥१॥  
(स्त्रियाँ न पढे - NOT TO BE LEARNT BY LADIES)

### 38. KAMALDALA STUTI

#### ३८. कमलदल स्तुति

KAMALA DALA VIPULA NAYANĀ,  
KAMALA MUKHI KAMALAGARBHA SAMAGAURI;  
कमल दल विपुल नयना, कमल मुखी कमलगर्भ समगौरी,  
KAMALE' STHITĀ BHAGAVATI,  
DADĀTU SHRUTADE'VATĀ SIDDHIM. 1  
कमले स्थिता भगवती, ददातु श्रुतदेवता सिद्धिम्, ॥१॥  
(मात्र स्त्रियाँ बोले - TO BE SPOKEN BY LADIES)

### 39. BHAVANA-DE'VATĀ STUTI

#### ३९. भवनदेवता स्तुति

BHAVANA DEVAYĀE  
KAREMI KAUSSAGGAM ANNATTHA.  
भवण देवयाए करेमि काउस्सगं अन्नत्थ.  
GYĀNĀDI GUṆAYUTĀNĀM,  
NITYAṀṢVĀḌHYĀYA SAIYAMARATĀNĀM;  
ज्ञानादि, गुणयुतानां, नित्यं स्वाध्याय-संयमरतानां,

VIDADHĀTU BHAVANDE'VI,  
SHIVAM SADĀ SARVASĀDHUNĀM.. 1  
विदधातु भवनदेवी , शिवं सदा सर्वसाधूनाम्. ॥१॥

#### 40. KSHEKTRADE'VATĀ STUTI

##### ४०. क्षेत्रदेवता स्तुति

YASAYĀH KSHETRAM SAMĀSHRITYA,  
SĀDHUBHIH SĀDHYATE' KRIYĀ;  
यस्याः क्षेत्रं समाश्रित्य , साधुभिः साध्यते क्रिया ,  
SĀ KSHETRADE'VATĀ NIṬYAM,  
BHUYĀNNAH SUKHADĀYINĪ. 1.  
सा क्षेत्रदेवता नित्यं भूयान्नः सुखदायिनी. ॥१॥

#### 41. NAMOSTU VARADHAMĀNĀYA SOOTRA

##### ४१. नमोस्तु वर्धमानाय सूत्र

ICHCHHĀMO ANUSATTHIM  
NAMO KHAMĀSAMANĀNAM,  
इच्छामो अणुसद्धिं , नमो खमासमणाणं ,  
NAMORHAT SIDDHĀCHARYOPĀDHYĀYA  
SARVA-SĀDHUBHYAH  
नमोऽर्हत्-सिद्धाचार्योपाध्याय-सर्वसाधुभ्यः ,  
NAMOSTU VARḌHAMĀNĀYA,  
ṢPARDHAMĀNĀYA KARMAṆĀ,  
नमोऽस्तु वर्धमानाय , स्पर्धमानाय कर्मणा  
TAJJAYĀVĀPTAMOKSHĀYA,  
PAROKSHĀYAKUTIRTHINĀM. 1  
तज्जयावाप्तमोक्षाय , परोक्षाय कुतीर्थिनाम्. ॥१॥

YE'SHĀM VIKACHĀRAVINDA RĀJYĀ,  
 JYĀYAH KRĀMA KAMALĀVALINDADHAṬYĀ;  
 येषां विकचारविन्द राज्या , ज्यायः क्रम कमलावलिं दधत्या ,  
 SAḌRUSHAIRITI SAṄGATAṀ PRASHASYAM,  
 KATHITAṀ SAṆTU SHIVĀYA TE' JINE'NDRĀH. 2  
 सदृशैरिति संगतं प्रशस्यं , कथितं सन्तु शिवाय ते जिनेन्द्राः ॥२॥  
 KASHĀYATĀPĀRDITA JAṆTU NIRVRUṬIM,  
 KAROTI YO JAINA MUKHĀMBUDODGATAH;  
 कषायतापार्दित जन्तु निर्वृतिं , करोति यो जैन मुखाम्बुदोद्गतः ,  
 SA SHUKRA-MĀSODBHAVA VRUṢHTI SANNIBHO,  
 DADHĀTU TUṢHTIṀ MAYI VISTARO GIRĀM. 3  
 स शुक्र मासोद्भव वृष्टि-सन्निभो , दधातु तुष्टिं मयि विस्तरो गिराम् ॥३॥  
 (स्त्रियाँ न पढे - NOT TO BE LEARNT BY LADIES)

## 42.VISHĀLA LOCHANA DALAM SOOTRA.

### ४२. विशाल लोचन दलं सूत्र

VISHĀLA LOCHANA DALAM,  
 PRODYAD DAṆTĀNSHU KE'SARAM;  
 विशाल लोचन दलं , प्रोद्यद् दन्तांशु केसरम् ,  
 PRĀTARAVIRA JINE'NDRĀṢYA,  
 MUKHA PADMAṀ PUNĀTU VAH. 1  
 प्रातर्वीर जिनेन्द्रस्य , मुख-पद्मं पुनातु वः ॥१॥  
 YE'SHĀMABHISHE'KA KARMA KRUTVĀ,

MATTĀ HARṢHA BHARĀT SUKHAṀ SURENDRĀH,  
 येषामभिषेक कर्म कृत्वा, मत्ता हर्ष भरात् सुखं सुरेन्द्राः  
 TRUṆAMPI GAṆAYĀNTI NAIVANĀKAM.  
 PRĀTAH SAṆTU, SHIVĀYA TE' JINE'NDRĀH. 2  
 तृणमपि गणयन्ति नैव नाकं, प्रातः सन्तु शिवाय ते जिनेन्द्राः ॥२॥  
 KALANKA NIRṀUKTAMAMUKTA PURṆATAM;  
 KUTARKA RĀHU GRASANAM SADODAYAM;  
 कलंक निर्मुक्तममुक्त पूर्णतं, कुतर्क राहु ग्रसनं सदोदयम्;  
 APURVACHANDRAM JINACHANDRA BHĀSHITAM,  
 DINĀGAME' NAUMI BUDHAIR NAMASKRĪUATAM. 3  
 अपूर्वचन्द्रं जिनचन्द्र-भाषितं, दिनागमे नौमि बुधैर्नमस्कृतं. ॥३॥  
 (स्त्रियाँ न पढे - NOT TO BE LEARNT BY LADIES)

### 43. ADDHĀIJJE'SU SOOTRA.

#### ४३. अद्धाइज्जेसु (साधुवंदन)सूत्र

ADDHĀIJJE'SU DIVA SAMUḌDESU,  
 PANARASASU KAMMA-BHUMISU,  
 अद्धाइज्जेसु दीव समुद्देसु, पनरससु कम्म-भूमिसु;  
 JĀVAṆTAKE' VI SĀHU, RAYAHARANA  
 GUCHCHHA PADIGGAHA DHĀRĀ. 1  
 जावंत के वि साहू, रयहरण गुच्छ पडिग्गह धारा. ॥१॥  
 PAṆCHA MAHAVVAYA DHĀRĀ,  
 AṬṬHĀRASA SAHAṢSA SILAṄGA DHĀRĀ;  
 पंच महव्वय धारा, अट्टारस सहस्स सीलंग धारा;  
 AKKHUYĀYĀRA CHARITṬĀ, TE' SAVVE,  
 SIRASĀ MAṆASĀ, MAṬṬHAE'NA VAṆDĀMI. 2  
 अक्खुयायार चरित्ता ते सव्वे सिरसा मणसा, मत्थएण वंदामि. ॥२॥

## 44. VARA-KANAKA STUTI

### ४४. वर-कनक (सप्ततिशत जिनवंदन) स्तुति

VARA - KANAKA SHAN̄KHA VIDRUMA,  
MARAKATA GHANA SANNIBHAM VIGATA MOHAM;  
वर - कनक शंख विद्रुम मरकत घन सन्निभं विगत-मोहम्;  
SAPTATISHATAM JINĀNĀM,  
SARVĀMAR POOJITAM VAᅇDE'. 1.  
सप्ततिशतं जिनानां , सर्वामर पूजितं वन्दे. ॥१॥  
(स्त्रियाँ न पढे - NOT TO BE LEARNT BY LADIES)

## 45. LAGHU SHĀNTI STAVA.

### ४५. लघु शांति स्तव

SHĀNTIᅇ SHĀNTI-NISHĀNTAM,  
SHĀNTAM SHĀNTĀ SHIVAM NAMASKRUTYA;  
शान्तिं शांति-निशान्तं , शान्तं शांता-शिवं नमस्कृत्य ;  
ᅆTOTUH SHĀNTI NIMIᅆTAM,  
MAᅆᅆRA PADAIH SHĀNTAYE ᅆᅆAUMI. 1  
स्तोतुः शांति -निमित्तं , मंत्रपदैः शांतये स्तौमि , ॥१॥  
OMITI NIᅆHCHITAVACHASE',  
NAMO NAMO BHAGAVATE' RᅆHATE POOJĀM;  
ओमिति निश्चितवचसे नमो नमो भगवतेऽर्हते पूजाम्,  
SHĀNTI JINĀYAJAYAVATE',  
YASHAᅆVINE' SWĀMINE' DAMINAM. 2  
शांति जिनाय जयवते , यशस्विने स्वामिने दमिनाम् ॥२॥

SAKALĀ TISHESHAKAMAHĀ

SAMPAṬTI SAMANVITĀYA SHAṢYĀYA;

सकला-तिशेषक-महा, संपत्ति समन्विताय शस्याय;

ṬRAILOKYA POOJITĀYA CHA.

NAMO NAMAH SHĀNTI DE'VĀYA.

3

त्रैलोक्य पूजिताय च, नमो नमः शान्तिदेवाय ॥३॥

SARVĀMAR SUSAMUHA.

SWĀMIKA SAMPOOJITĀYA NAJITĀYA;

सर्वामर-सुसमूह, स्वामिक संपूजिताय न जिताय;

BHUVANAJANA PĀLANOḌYATA,

TAMĀYA SATATAMNAMAṢṬAṢMAI.

4

भुवनजन पालनोद्यत, तमाय सततं नमस्तस्मै. ॥४॥

SARVA DURITOUGHANĀSHANA,

KARĀYA SARVĀSHIVA PRASHAMANĀYA;

सर्व दुरितौघनाशन, कराय सर्वाशिव प्रशमनाय,

DUṢHTA GRAHA BHOOTA PISHĀCHA,

SHĀKINĪNĀMPRAMATHANĀYA.

5

दुष्ट ग्रह भूत पिशाच, शाकिनीनां प्रमथनाय ॥५॥

YAṢYE'TI NĀMAMAṆṬRA,

PRĀDHĀNA VĀKYOPAYOGA KRUTATOSHĀ;

यस्येति नाम मंत्र, प्रधान वाक्योपयोग-कृत-तोषा;

VIJAYĀ KURUTE' JANAHTA,

MITI CHA NUTĀ NAMATA TAMSHĀNTIM.

6

विजया कुरुते जनहित, मिति च नुता नमत तं शान्तिम्, ॥६॥

BHAVATU NAMAṢṬE' BHAGAVATI !

VIJAYE' SUJAYE' PARĀPARAIRAJITE !

भवतु नमस्ते भगवति ! विजये सुजये परापरैरजिते !

APARĀJITE ! JAGAṬYĀM,

JAYATEETI JAYĀVAHE' BHAVATI.

7

अपराजिते ! जगत्यां, जयतीति जयावहे ! भवति, ॥७॥

SARVASYĀPI CHA SANGHAṢYA,

BHADRA KAḶYĀNA MAṄGALA PRĀDADE !

सर्वस्यापि च संघस्य, भद्र-कल्याण मंगल प्रददे !

SĀDHOONĀM CHA SADĀ SHIVA,

SUTUṢHTI PUṢHTI PRADE' JIYĀH.

8

साधुनां च सदा शिव, सुतुष्टि पुष्टि प्रदे ! जीयाः ॥८॥

BHAVYĀNĀM KRUTA-SIDḌHE',

NIRVRUTTI NIRVĀṆA JANANI SATVĀNĀM;

भव्यानां कृतसिद्धे, निर्वृत्ति निर्वाण जननि ! सत्त्वानाम्

ABHAYA PRADĀNA NIRATE !

NAMOṢTU ṢWASTI PRADE' TUBHYAM.

9

अभय-प्रदान-निरते ! नमोऽस्तु स्वस्ति प्रदे तुभ्यम्. ॥९॥

BHAKTĀNĀM JAṆTOONĀM,

SHUBHĀVAHE, NIṬYA-MUDYATE, ! DE'VI !;

भक्तानां जंतुनां, शुभावहे नित्यमुद्यते ! देवि !

SAMYAG-ḌRUṢHTINĀM

DHRUTI RATI MATI BUDDHI PRADĀNĀYA.

10

सम्यग्दृष्टीनां, धृति रति-मति-बुद्धि-प्रदानाय, ॥१०॥



JINA SHĀSANA NIRATĀNĀM;  
SHAṆTI-NATĀNĀM CHA JAGATI JANATĀNĀM;  
जिन-शासन-निरतानां , शान्ति-नतानां च जगति जनतानाम् ;  
SHREE SAMPAṬ-KIRṬI-YASHO VARḌDHANI,  
JAYA-DE'VI VIJAYAŚVA. 11

श्री संपत्कीर्ति-यशो वर्द्धनि , जय देवि ! विजयस्व . ॥११॥

SALILĀNALA VISHA VISHADHARA,  
DUṢHTA-GRĀHA-RĀJA-ROGA RANA BHAYATAH;  
सलिलानल-विष-विषधर , दुष्ट-ग्रह-राज-रोग-रण-भयतः ,  
RĀKSHASA RĪPU GAṆA MĀRI,  
CHOURE'TI ṢHWĀPADĀDIBHYAH. 12

राक्षस-रिपु-गण-मारी , चौरेति श्वापदादिभ्यः ॥१२॥

ATHA RAKṢHA RAKṢHA SUSHIVAM,  
KURU KURU SĀṆTIM CHA KURU KURU SADE'TI;  
अथ रक्ष रक्ष सुशिवं , कुरु कुरु शान्तिं च कुरु कुरु सदेति ,  
TUSHTIṆ KURU KURU PUSHTIṆ,  
KURU KURU SWASTIṆ CHA KURU KURU ṬVAM. 13

तुष्टिं कुरु कुरु पुष्टिं , कुरु कुरु स्वस्तिं च , कुरु कुरु त्वम् . ॥१३॥

BHAGAVATI GUṆAVATI SHIVASHĀNTI,  
TUṢHTI PUṢHTI ṢWAṢTIHA KURU KURU JANĀNĀM;  
भगवती ! गुणवती ! शिवशान्ति , तुष्टि पुष्टि स्वस्तीह कुरु कुरु जनानाम् ;  
OMITI NAMO NAMO HRAṆ HREEM HRUṆ HRAHA.  
YAHA KSHAHA HREEM FUT FUT SWĀHĀ. 14

ओमिति नमो नमो ह्रँ ह्रीँ ह्रूँ ह्रः यः क्षः ह्रीँ फुट् फुट् स्वाहा . ॥१४॥

E'VAṂYANĀMĀKSHARA,  
PURASARAM SAṂSTUTĀ JAYĀDE'VI;  
एवं यत्रामाक्षरः , पुरस्सरं संस्तुता जयादेवी ;  
KURUTE' SHĀNTIṂNAMATĀM,  
NAMO NAMAHA SHĀNTYE TAṢMAI. 15

कुरुते शान्तिं नमतां , नमो नमः शान्तये तस्मै . ॥१५॥  
ITI POORVA SOORIDARSHITA,  
MAṆTRA PADAVIDARBHITAH ṢTAVAH SHĀNTE'H;  
इति पूर्व सूरिदर्शित , मंत्र पदविदर्भितः स्तवः शान्तेः ,  
SALILĀDIBHAYA VINĀSHI,  
SHĀNTYĀDI KARASḤCHA BHAKTIMATĀM. 16

सलिलादिभय-विनाशी , शान्त्यादि-करश्च भक्तिमताम् . ॥१६॥  
YASḤCHAINAṂPATHATI SADĀ,  
ṢRUNOTI BHĀVAYATI VĀ YATHĀYOGAM;  
यश्चैनं पठति सदा , शृणोति भावयति वा यथायोगम् ;  
SA HI SHĀNTI PADAM YĀ-YĀṬ,  
SOORIH SHREE MĀNADE'VAṢḤCHA. 17

स हि शान्ति पदं यायात् , सूरिः श्रीमानदेवश्च ॥१७॥  
UPASARGĀH KSHAYAM YĀNTI,  
CHHIDYANTE VIGHNA VALLAYAH;  
उपसर्गाः क्षयं यांति , छिद्यंते विघ्न-वल्लयः ,  
MANAH PRASANNA-TĀME'TI,  
POOJYA MĀNE' JINE'SHWARE'. 18

मनः प्रसन्नतामेति , पूज्यमाने जिनेश्वरे . ॥१८॥

SARVAMAṄGALAMĀṄGAḶYAM,

SARVAKAḶYĀNAKARANAM;

सर्व मंगल मांगल्यं , सर्व कल्याण-कारणं ,

PRADHĀNAM SARVA DHARMĀNĀM,

JAINAM JAYATI SHĀSANAM.

19

प्रधानं सर्व - धर्माणां , जैनं जयति शासनम्. ॥१९॥

## 46. CHAUKKASĀYASOOTRA

४६. चउक्कसाय सूत्र— (पार्श्वनाथ जिन स्तुति)

CHAUKKASĀYAPADIMALḶLUḶḶURANU,

चउक्कसाय पडिमल्लुल्लूरणु ,

DUJJAYAMAYANABĀṆAMUSUMURANU;

दुज्जय मयण बाण मुसुमूरणु ,

SARASAPIYAṆGUVAṆNUGAYAGĀMIU,

JAYAU PĀSUBHUVANAṬṬAYASĀMIU.

1

सरस पियंगु वन्नुगय गामिउ , जयउ पासु भुवणत्तय सामिउ. ॥१॥

JASUTANUKAṆṬIKADAPPAṆIḶḶDHANU,

जसु तणु कंति कडप्प सिणिद्धउ ,

SOHAIFANIMANIKIRANĀḶḶDHANU;

सोहइ फणि मणि किरणा लिद्धउ ;

NAMNAVA-JALAHARATADILḶLAYALANḶCHIU.

नं नव जलहर तडिल्लय लंछिउ ,

SOJINUPĀSUPAYACHCHHANUVAṆCHHIIU.

2

सो जिणु पासु पयच्छउ वंछिउ. ॥२॥

## 47. BHARAHE' SARA SAJZĀYA

### ४७. भरहेसर सज्जाय

BHARAHE'SARA BĀHUBALI,  
ABHAYA-KUMĀRO ADHAÑDHAÑAKUMĀRO A;  
भरहेसर बाहुबली, अभय कुमारो अ ढंढणकुमारो अ;  
SIRIO AÑIĀUṬṬO, AIMUṬṬO NĀGADAṬṬO A. 1

सिरिओ अणिआउत्तो, अइमुत्तो नागदत्तो अ. ॥१॥

ME'AJJA THOOLI-BHADDO,  
VAYARARISI NĀNDISE'NA SIÑHAGIRI;  
मेअज्ज थूलि भद्दो, वयररिसी नंदिसेण सिंहगिरी,  
KAYA-VAÑNO A SUKOSAL,  
PUÑDARIO KE'SI KARAKAÑDOO. 2

कय - वन्नो अ सुकोसल, पुंडरिओ केसि करकंडू. ॥२॥

HAḶLA VIHAḶLA SUDAÑSANA,  
SĀLA MAHĀSĀLA SĀLIBHADDO A;  
हल्ल विहल्ल सुदंसण, साल महासाल सालिभद्दो अ,  
BHADDO DASAÑNA BHADDO,  
PASAÑNA CHANDO A JASA BHADDO. 3

भद्दो दसन्नभद्दो, पसन्नचंदो अ जस-भद्दो. ॥३॥

JAMBU-PAHU VAÑKA CHULO,  
GAYA-SUKUMĀLO AVAÑTI SUKUMALO;  
जंबु पहु वंकचूलो, गयसुकुमालो अवंतिसुकुमालो,  
DHAÑNO ILĀIPUṬṬO, CHILĀIPUTO A BĀHUMUNEE. 4  
धन्नो इलाइपुत्तो, चिलाइपुत्तो अ बाहुमुणी. ॥४॥

AJJAGIRIAJJARAKKHIA,  
AJJA-SUHAṬṬHI UDĀYAGO MANAGO;  
अज्जगिरि अज्जरक्खिअ , अज्ज सुहत्थी उदायगो मणगो ,  
KĀLAYA-SOORI SAMBO, PAJJUNNO MOOLA DE'VO A, .5  
कालयसूरि संबो , पज्जुन्नो मूलदेवो अ . ॥५॥

PABHAVO VIṆHUKUMĀRO,  
AḌḌA-KUMĀRO ḌAḌḌHAPPAHĀRI A;  
पभवो विण्हुकुमारो , अद्धकुमारो दढप्पहारी अ ,  
SIJJAṆSA KURAGAḌU A,  
SIJJAṆ-BHAVA ME'HAKUMĀRO A. 6

सिज्जंस कूरगडू अ , सिज्जंभव मेहकुमारो अ . ॥६॥

E'MĀI MAHĀSAṬṬA,  
DIṆTU SUHAṆ GUNA-GANE'HIM SAṆJUṬṬĀ;  
एमाइ महासत्ता , दिंतु सुहं गुणगणेहिं संजुत्ता ,  
JE'SIṆNĀMAGGAHANE',  
PĀVAPPA-BANḌHĀ VILAYAM JAṆTI. 7

जेसिं नामग्गहणे , पावप्प बंधा विलयं जंति . ॥७॥

SULASĀ CHĀNDANABĀLĀ,  
MAṆORAMĀ MAYANARE'HĀ DAMAYAṆTI;  
सुलसा चंदनबाला , मणोरमा मयणरेहा दमयंती ,  
NAMAYĀSUṆDARI SIYĀ,  
NAṆDĀ BHADḌĀ SUBHADḌĀYA.. 8

नमयासुंदरी सीया , नंदा भद्दा सुभद्दा य . ॥८॥

RĀIMAI RISIDAṬṬĀ, PAUMĀVAI AṆJAṆĀ SIRIDE'VEE;  
राइमइ रिसिदत्ता , पउमावइ अंजणा सिरिदेवी ,

JITTHA SUJITTHA MIGĀVAI,

PABHĀVAI CHIḶLANĀDE'VEE.

9

जिड्ड सुजिड्ड मिगावड्ड, पभावड्ड चिल्लणादेवी. ॥९॥

BAM̐BHI SUṆDARI RUPPINEE,

RE'VAI KUṆTI SIVĀ JAYAṆTI YA;

बंभी सुंदरी रुपिणी, रेवड्ड कुंति सिवा जयंती य,

DE'VAI DOVAI DHĀRIṆEE,

KALĀVAI PUPFHACHULĀ YA.

10

देवड्ड दोवड्ड धारिणी, कलावड्ड पुप्फचुला य ॥९०॥

PAUMĀVAI YA GORI,

GAṆDHĀRI LAKKHAMAṆĀ SUSIMĀ YA;

पउमावड्ड य गोरी, गंधारी लक्खमणा सुसीमा य,

JAM̐BUVAI SACHCHABHĀMĀ,

RUPPIṆEE KAṆAAHAṬṬHA MAHISSIO.

11

जंबुवड्ड सच्चभामा, रुपिणी कण्हड्ड महिसीओ. ॥९१॥

JAKKHĀYAJAKKHADINNĀ,

BHUĀ TAHA CHE'VA BHUADINNĀYA;

जक्खा य जक्खदिन्ना, भूआ तह चेव भूअदिन्ना य

SE'NĀ VE'NĀ RE'NĀ, BHAYANIO THULIBHADDAṢṢA. 12

सेणा वेणा रेणा, भयणीओ थुलिभद्दस्स. ॥९२॥

ICHCHĀI MAHĀSAIO,

JAYAṆTI AKALAṆKA SEELA KALIĀO;

इच्चाइ महासइओ, जयंति अकलंक सील कलिआओ,

AJJAVI VAJJAI JĀSIM,

JASAPADAHO TIHUANE' SAYALE'.

13

अज्जवि वज्जइ जासिं, जसपडहो तिहुअणे सयले. ॥१३॥

## 48. MAÑHAJINĀNAM SAJZĀYA.

४८. मन्नहजिणाणं (श्रावक कृत्य) सज्झाय

MAÑHA JINĀNAMĀNĀM,

MICHCHHAMPARIHARAH DHARAHA SAMMATAM;

मन्नह जिणाणमाणं, मिच्छं परिहरह धरह सम्मतं,

CHHAVVIHA ĀVAṢṢAYAMMI,

UJJUṬTO HOI PAIDIVASAM.

1

छव्विह आवस्सयंमि, उज्जुत्तो होइ पइदिवसं. ॥१॥

PAVVE'SU POSAHAVAYAM,

DANAM SILAM TAVO ABHĀVO A;

पव्वेसु पोसहवयं, दाणं सीलं तवो अ भावो अ,

SAJJHĀYA NAMUKKĀRO, PAROVAYĀRO A JAYANĀ A. 2

सज्झाय नमुक्कारो, परोवयारो अ जयणा अ. ॥२॥

JINAPUĀ JINATHUṆAṆAM,

GURUTHUA SĀHAMMIĀṆA VACHCHHAḬAM;

जिणपूआ जिणथुणणं, गुरुथुअ साहम्मिआण वच्छल्लं,

VAVAHĀRAṢṢA YA SUDDHI,

RAHAJAṬTA TITHAJAṬTĀ YA

3

ववहारस्स य सुद्धि, रहजत्ता तित्थजत्ता य. ॥३॥

UVASAMA VIVE'GA SAMVARA.

BHĀSĀ SAMIEE CHHAJJIVA KARUNĀ YA

उवसम विवेग संवर, भासा समिइ छज्जीव करुणा य

DHMMIA JAᅇA SAᅇSAGGO,  
KARAᅇADAMO CHARAᅇA PARIᅇĀMO. 4

धम्मिअ जण संसग्गो , करणदमो चरण परिणामो . ॥४॥

SAᅇGHOVARI BAHUMĀᅇO  
PUᅇTHAYA LIHAᅇAᅇAᅇ PABHĀVAᅇA TIᅇTHE',  
संघोवरि बहुमाणो , पुत्थय लिहणं पभावणा तित्थे ,  
SADᅇHĀᅇA KICHCHAME'AM,  
NICHCHAM SUGURUVAE'SE'NAM. 5

सङ्घाण किच्चमेअं , निच्चं सुगुरुवएसेणं . ॥५॥

### 49. SAKAL-TEERTHA SOOTRA.

#### ४९ . सकलतीर्थ सूत्र

SAKAL TEERTHA VAᅇDU KARAᅇOD,  
JINAVARA NĀME' MANGALAKOD;  
सकल तीर्थ वंदु करजोड , जिनवर नामे मंगलकोड ,  
PAHE'LE' ᅇVARᅇGE' LĀKHA BAᅇRISHA,  
JINAVARA CHAIᅇYANAMU NISHADISHA. 1

पहेले स्वर्गे लाख बत्रीश , जिनवर चैत्य नमु निशदिश . ॥१॥

BIJE' LĀKHA AᅇTHĀVISHA KAHYĀ,  
TRIJE' BĀR LĀKHA SADᅇDHYA;  
बीजे लाख अड्ढावीश कह्या , त्रीजे बार लाख सदद्दह्या ,  
CHOTHE' ᅇWARᅇGE' ADALAKHA DHĀRA,  
PAᅇCHAME' VAᅇDU LĀᅇHA JA CHĀRA. 2

चोथे स्वर्गे अडलख धार , पांचमे वंदु लाख ज चार . ॥२॥



CHHATṬHE' SWARGE SAHASA PACHĀSA;  
SĀTEME' CHĀLISA SAHASA PRĀSĀDA;  
छट्टे स्वर्गे सहस पचास , सातमे चालीस सहस प्रासाद ,  
ĀATHAME' ṢWARGE; CHHAHAJĀRA,  
NAVA DASHAME' VAṆDU SHATA CHĀRA. 3

आठमे स्वर्गे छ हजार , नव दशमे वंदु शत चार . ॥३॥  
AGYĀRA BĀRAME' TRANASHE' SĀRA,  
NAVA GRIVE'YEKE' TRANASHE' ADHĀRA,  
अग्यार बारमे त्रणसे सार , नव ग्रैवेयके त्रणसे अढार ,  
PĀNCHA ANUṬṬAR SARVE' MALI,  
LĀKHA CHORĀSI ADHIKĀ VALI. 4

पांच अनुत्तर सर्वे मली , लाख चोरासी अधिकावली . ॥४॥  
SAHASA SAṬṬĀṆU TRE'VISA SĀRA,  
JIVANARA BHAVANA TANO ADHIKĀRA,  
सहस सत्ताणुं त्रेवीश सार , जिनवर भवनतणो अधिकार ,  
LĀMBĀ SO JOJANA VIṢṬĀRA,  
PACHĀSA UṆACHĀ BOHONTE'RA DHĀRA. 5

लांबा सो जोजन विस्तार , पचास ऊंचा बहोंतेर धार , ॥५॥  
E'KASO E'NSHI BIṆBA PRĀMĀNA,  
SABHĀ SAHITA E' KA CHAIṬYAE' JĀNA,  
एकसो ऐंसी बिंब प्रमाण , सभा सहित एक चैत्ये जाण ,  
SO KRODA BĀVANA KRODA SAMBHĀLA,  
LĀKHA CHORĀNU SAHASA CHAUĀLA. 6

सो क्रोड बावन क्रोड संभाल , लाख चोरणुं सहस चौआल . ॥६॥

SĀTASEN' UPARA SĀTTHA VISHĀLA,  
SAVI BIṂBA PRANAMU TRAṆA KĀLA;  
सातसे उपर साट विशाल , सवि बिंब प्रणमु त्रण काल ,  
SĀTA KRODA NE' BAHOTE'RA LĀKHA,  
BHAVANPATIMĀ DE'VALA BHĀKHA. 7

सात क्रोड ने बहोतेर लाख , भवनपतिमा देवल भाख . ॥७॥

E'KSO E'NSHI BIṂBA PRAMĀNA,  
E'KA E'KA CHAIṬYE SAṆKHYĀ JĀNA;  
एकसो ऐंसी बिंब प्रमाण , एक एक चैत्ये संख्या जाण ,  
TE'RASE, KRODA NE'VYĀSI KRODA,  
SĀTHA LĀKHA VAṆDU KARAJODA. 8

तेरसें क्रोड नेव्यासी क्रोड , साट लाख वंदु करजोड . ॥८॥

BAṬRISHE 'NE' OGANSĀTHA,  
TIRCHCHHĀ LOKAMĀ CHAIṬYANO PĀTH,  
बत्रीसे ने ओगणसाट , तिच्छालोकमा चैत्यनो पाठ ,  
TRAN LĀKHA E'KAṆU HAJĀRA,  
TRANASE' VISHA TE'BIṂBA JUHĀRA. 9

त्रण लाख एकाणु हजार , त्रणसे वीस ते बिंब जुहार . ॥९॥

VYANTARA JYOTISHIMĀ VALI JE'HA,  
SHĀSHVATĀ JINA VAṆDU TE'HA;  
व्यंतर ज्योतिषीमा वेली जेह , शाश्वता जिन वंदु तेह ,  
RUSHABHA CHAṆDRĀNANA VĀRISHE'ṆA,  
VARDHAMĀNA NĀME' GUṆASE'ṆA. 10

ऋषभ चंद्रानन वारिषेण , वर्धमान नामे गुणसेण . ॥१०॥

SAME'TSHIKHARA VAÑDU JINA VISHA,  
 AŞHTHĀPADA VAÑDU CHOVIŞA,  
 समेतशिखर वंदु जिन वीश , अष्टापद वंदु चोवीश ,  
 VIMALĀCHALA NE' GADHA GIRANĀRA,  
 ĀBU UPARA JINAVARA JUHĀRA. 11  
 विमलाचल ने गढ गिरनार , आबु उपर जिनवर जुहार . ॥११॥  
 SAÑKHEŞHWARA KE'SARIYO SĀRA,  
 TĀRAÑGE SHREE AJITA JUHĀRA;  
 शंखेश्वर केसरियो सार , तारंगे श्री अजित जुहार ,  
 ANTARAKKHA VARAKĀÑO PĀSA,  
 JIRĀVALO NE' THAMBHANA PĀSA. 12  
 अंतरिक्ख वरकाणो पास , जीरावलो ने थंभण पास . ॥१२॥  
 GĀMA NAGARA PURA PĀTANA JE'HA,  
 JINAVARA CHAIṬYANAMU GUNG'EHA;  
 गाम नगर पुर पाटण जेह , जिनवर चैत्य नमु गुणगेह  
 VIHARAMĀNA VAÑDU JINA VISHA,  
 SIDDHAANAÑTA NAMU NISHADISHA. 13  
 विहरमान वंदु जिन वीश , सिद्ध अनंत नमु निशदिश . ॥१३॥  
 ADHIDVEEPAMĀ JE' ANGĀRA,  
 ADHĀRA SAHASA SHILAÑGANĀ DHARA;  
 अढीढीपमां जे अणगार , अढार सहस शीलांगना धार ,  
 PAÑCHA MAHĀVRATA SAMITI SĀRA,  
 PĀLE' PAĻĀVE' PAÑCHĀCHĀRA. 14  
 पंच महाव्रत समिति सार , पाले पलावे पंचाचार . ॥१४॥

BĀḤYAABHYAÑTARA TAPA UJAMĀLA,  
TE' MUNI VAÑDU GUNAMAÑI MĀLA;

बाह्य अभ्यंतर तप उजमाल , ते मुनि वंदु गुणमणि माल ,  
NITANITA UTHI KĪṚTI KARU,

JIVA KAHE' BHAVASĀYARA TARU. 15

नितनित उठी कीर्ति करु , जीव कहे भव सायर तरु. ॥१५॥

## 50. SAKĀLARHAT STŌTRA.

### ५०. सकलार्हत् स्तोत्र

SAKALĀRHAT-PRATIṢṬHĀNA-  
MADHIṢṬHĀNAṢIVAŚHRIYAḤ.

सकलार्हत् - प्रतिष्ठान - मधिष्ठानं शिवश्रियः ।

BHURBHŪVAḤ SVASTRAYĪJSHĀNA-  
MĀRHANTYAM PRANĪDADHAMAHE

1

भुर्भुवः स्वस्त्रयीशान-मार्हन्त्यं प्रणिदध्महे ॥१॥

NĀMĀKRŪTI DRAVYABHĀVAIḤ,  
PUNATASTRI-JAGA-JJANAM,

नामाकृति द्रव्य भावैः , पुनतस्त्रि-जग-ज्जनम् ,

KṢĒTRĒ KĀLĒ CHA SARVASMIN-  
NARHATAḤ SAMUPĀSMAHE

2

क्षेत्रे काले च सर्वस्मिन्नर्हतः समुपास्महे ॥२॥

ĀDIMAMPRUTHIVĪNĀTH-

MĀDIMAMNIṢHPARIGRAHAM.

आदिमं पृथिविनाथ-मादिमं निष्परिग्रहम् ।

ĀDIMAM TĪRTHANĀTHAM CHA,  
RUSHABHASWĀMINAM STUMAH. 3

आदिमं तीर्थनाथं च , ऋषभस्वामिनं स्तुमः ॥३॥

ARHANTAMAJITAM VIŚHVA  
KAMALĀKARA BHĀSKARAM.

अर्हन्त-मजितं विश्व कमलाकर भास्करम् ।

AMLĀNA-KĒVALADARŚHA  
SAṆKRĀNTA JAGATAM STUVĒ. 4

अम्लान-केवलादर्श संक्रान्त जगतं स्तुवे ॥४॥

VIŚHVA BHAVYA-JANĀRĀMA-  
KULYĀ-TULYĀ JAYANTI TĀH.

विश्व भव्य जनाराम-कुल्या-तुल्या जयन्ति ताः ।

DĒŚANĀ SAMAYĒ VACHAḤ  
ŚRĪ SAMBHAVA-JAGATPATĒH. 5

देशना समये वाचः श्री संभव-जगत्पतेः ॥५॥

ANĒKĀNTA MATĀMBHŌDHI  
SAMULLASANA CHANDRAMĀH.

अनेकान्त मताम्भोधि समुल्लासन चन्द्रमाः ।

DADYĀDAMANDA MĀNANDA  
BHAGAVĀ NABHINANDANAḤ. 6

दद्यादमन्दमानन्द भगवानभिनन्दनः ॥६॥

DYUSATKIRĪTA ŚĀṆĀGRŌ TĒJITĀNGHRI NAKHĀVALI.

द्युसत्किरीट श्वाणाग्रो तेजिताङ्घ्रि नखावलि ।

BHAGAVĀN SUMATISWĀMĪ,  
TANŌTVABHI-MATĀNI VAH. 7

भगवान् सुमतिस्वामि , तनोत्वभि-मतानि वः ॥७॥

PADMAPRABHA-PRABHŌRDĒHA-  
BHĀSAḤ, PUṢṢANTU VAḤ ŚRIYAM.

पद्मप्रभ-प्रभोर्देह-भासः , पुष्णंतु वः श्रियम् ।

ANTARAṄGĀRI MATHANĒ KŌPĀṬŌPĀDI VARUṄĀḤ. 8

अन्तरङ्गारि-मथने कोपाटोपादि वारुणाः ॥८॥

ŚRĪ SUPĀRŚHVA-JINĒNDRĀYA,

MAHĒNDRA MAHITĀṄGHARAYĒ.

श्री सुपार्श्व - जिनेन्द्राय , महेन्द्र महिताङ्घ्रये ।

NAMAŚCHATURVARṆA SAṄGHA

GAGANĀBHŌGA BHASVĀTĒ.

9

नमश्चतुर्वर्ण सङ्घ गगनाभोग-भास्वते ॥९॥

CHANDRAPRABHA PRABHŌŚCHANDRA

MARĪCHI NICHAYŌJJWALĀ.

चन्द्रप्रभ प्रभोश्चन्द्र मरीचि निचयोज्ज्वला ।

MŪRTIRMŪRTTA-SITADHYĀNA

NIRMITĒVA ŚHRIYĒSTU VAḤ.

10

मूर्तिर्मूर्त-सितध्यान निर्मितेव श्रियेऽस्तु वः ॥१०॥

KARĀMALAKA-VADVIŚHVAM

KALAYAN KĒVALA-ŚHRIYĀ.

करामलक-वद्विश्वं , कलयन् केवल-श्रिया ।

ACHINTYA-MĀHĀTMYA-NIDHIḤ

SUVIDHIRBŌDHAYĒSTU VAḤ.

11

अचिन्त्य-माहात्म्य-निधिः सुविधिर्बोधयेस्तु वः ॥११॥

SATTVANĀM PARAMĀNANDA-  
KANDŌDBHĒDA-NAVĀMBUDAḤ.

सत्त्वानां परमानन्द-कन्दोद्भेद-नवाम्बुदः ।

SYĀDVĀDAMṚUTA-NISYANDĪ,  
SHĪTALAḤ PĀTU VŌ JINAḤ.

12

स्याद्वादामृत-निस्यन्दी , शीतलः पातु वो जिनः ॥१२॥

BHAVA-RŌGĀRTA JANTŪNĀ  
MAGADANKĀRA DARŚANAḤ.

भव-रोगार्त जन्तुना मगदङ्कार दर्शनः ।

NIḤŚRĒYASA-ŚRĪRAMANAḤ  
ŚRĒYĀNSA ŚRĒYASĒSTU VAḤ.

13

निःश्रेयस-श्रीरमणः , श्रेयांस श्रेयसेस्तु वः ॥१३॥

VIŚVŌPAKĀRAKĪ-BHŪTA-  
TĪRTHAKṚUTKARMA-NIRMITIḤ.

विश्वोपकारकी-भूत-तीर्थकृत्कर्म-निर्मितिः ।

SURĀSURANARAIḤ PŪJYŌ,  
VĀSUPŪJYAḤ PUNĀTU VĀḤ.

14

सुरासुरनरैः पूज्यो , वासुपूज्यः पुनातु वः ॥१४॥

VIMALA SWĀMINŌ VĀCHAḤ  
KATAKAKSHŌDA-SŌDARAḤ.

विमल स्वामिनो वाचः कतकक्षोद-सोदराः ।

JAYANTI TRIJAGACCHĒTŌ-JALA-  
NAIRMALYAHĒTAVAḤ.

15

जयन्ति त्रिजगच्चेतो-जल-नैर्मल्यहेतवः ॥१५॥

SVAYAMBHŪ-RAMAṆA-SPARDDHI-  
KARUṆĀRASA VĀRIṆĀ.

स्वयम्भू-रमण-स्पर्द्धि-करुणारस वारिणा ।

ANANTA-JIDANANTĀM VAḤ,  
PRAYACCHATU SUKHA-ŚRIYAM.

16

अनन्त-जिदनन्तां वः, प्रयच्छतु सुखश्रियम् ॥१६॥

KALPADRUMA-SADHARMĀṆA-  
MIṢṬAPRĀPTAU ŚARĪRIṆĀM.

कल्पद्रुम-सधर्माण-मिष्टप्राप्तौ शरीरिणाम् ।

CHATURDHĀ DHARMA-DĒṢṬARAM  
DHARMANĀTHA-MUPĀSMAHĒ.

17

चतुर्धा धर्म-देष्टारं धर्मनाथ-मुपास्महे ॥१७॥

SUDHĀSŌDARA - VAGJYŌTSNĀ-  
NIRMALĪKṚUTA DIṆMUKHAḤ.

सुधासोदर-वाग्ज्योत्स्ना-निर्मलीकृत-दिङ्मुखः ।

MRUGALAKṢMA TAMAH ŚĀNTYAI,  
SĀNTINĀTHA-JINŌSTUVAḤ.

18

मृगलक्ष्मा तमः शान्त्यै, शान्तिनाथ-जिनोस्तु वः ॥१८॥

ŚRĪ KUNTHUNĀTHŌ BHAGVĀN,  
SANĀTHŌ TIŚAYARDDHIBHIḤ.

श्री कुन्थुनाथो भगवान्, सनाथोऽतिशयर्द्धिभिः,

SURĀSURA-NṚUNĀTHĀNĀ  
MĒKĀNATHŌSTU VAḤ ŚRIYĒ.

19

सुरासुरनृनाथाना-मेकनाथोऽस्तु वः श्रिये ॥१९॥

ARANĀTHASTU BHAGAVĀN  
ŚCHATURTHĀRA NABHŌRAVIḤ.

अरनाथस्तु भगवांश्चतुर्थार नभोरविः ।



CHATURTHA-PURUṢĀRTHAŚRĪ-  
VILĀSAM VITANŌTUVAH. 20

चतुर्थ-पुरुषार्थश्री - विलासं वितनोतु वः ॥२०॥

SURĀSURA-NARĀDHĪŚA-  
MAYŪRA-NAVAVĀRIDAM.

सुरासुर-नराधीश-मयूर-नववारिदम् ।

KARMADRŪNMŪLANĒ HASTI-  
MALLAM MALLI MABHIṢṬUMAH. 21

कर्मद्रून्मूलने हस्ति-मल्लं मल्लि-मभिष्टुमः ॥२१॥

JAGANMAHĀ-MŌHANIDRĀ-  
PRATYŪṢASAMAYŌPAMAM.

जगन्महा-मोहनिद्रा-प्रत्यूष समयोपमम् ।

MUNISUVRATA-NĀTHASYA  
DĒŚANĀ VACHANAM STUMAH. 22

मुनिसुव्रत-नाथस्य देशना वचनं स्तुमः ॥२२॥

LUṬHANTŌ NAMATĀM MŪRDHNI,  
NIRMALĪKARĀ-KĀRAṆAM.

लुठन्तो नमतां मूर्ध्नि, निर्मलीकार - कारणम् ।

VĀRIPLĀVĀ IVANAMĒH,  
PĀNTU PĀDA-NAKHĀMŚAVAH. 23

वारिप्लवा इव नमेः, पान्तु पादनखांशवः ॥२३॥

YADUVANSHA-SAMUDRĒNDUḤ  
KARMAKAKṢA-HUTĀŚANAḤ.

यदुवंश-समुद्रेन्दुः कर्मकक्ष-हुताशनः ।

ARIṢṬANĒMIRBHAGAVĀN  
BHŪYĀDVŌ RIṢṬA-NĀŚANAḤ. 24

अरिष्टनेमिर्भगवान्, भूयाद्वो रिष्टनाशनः ॥२४॥

KAMAṬHĒ DHARAṆĒNDRE CHA,  
SVŌCHITAṆKARMA KURVATI.

कमठे धरणेन्द्रे च , स्वोचितं कर्म कुर्वति ।

PRABHUSTULYA MANŌVRUTTIḤ  
PĀRŚVANĀTHAḤ ŚRIYĒSTU VAH.

25

प्रभुस्तुल्यमनोवृत्तिः पार्श्वनाथः श्रियेस्तु वः ॥२५॥

ŚRĪMATĒ VIRANĀTHĀYA, SANĀTHĀYĀD BHUTAŚRIYĀ.

श्रीमते वीरनाथाय , सनाथायाद्-भूतश्रिया ।

MAHANANDA-SARŌRĀJA-  
MARĀLĀYĀRHATĒ NAMAḤ.

26

महानन्द-सरोराज-मरालायाहते नमः ॥२६॥

KṚUTĀPARADHĒPI JANĒ,  
KṚUPĀMANTHARA-TĀRAYŌḤ.

कृतापराधेऽपि जने , कृपामन्थरतारयोः ।

ĪṢADBĀŚPĀRDRAḬYŌRBHADRAM,  
ŚRĪVĪRAJINA-NĒTRAYŌḤ.

27

ईषद्बाष्पार्द्रयोर्भद्रं , श्रीवीरजिन-नेत्रयोः ॥२७॥

JAYATI-VIJITĀNYA-TĒJĀḤ,  
SURĀSURĀDHĪŚA-SĒVITAḤ ŚRĪMĀN.

जयति-विजितान्य-तेजाः , सुरासुराधीश-सेवितः श्रीमान् ।

VIMALASTRĀSA-VIRAHITAS

TRIBHUVANA-CHŪḬĀMANIRBHAGAVĀN.

28

विमलस्त्रास-विरहितस्-त्रिभुवन-चूडामणिर्भगवान् ॥२८॥

VĪRAḤ SARVA-SURĀSURĒNDRA-MAHITŌ,

VĪRAM BUDHĀḤ SANSRITĀḤ,

वीरः सर्व-सुरासुरेन्द्र-महितो , वीरं बुधाः संश्रिताः ,

VĪRĒṆĀBHIHATAḤ SVAKARMA-NICHAYŌ,  
VĪRĀYA NITYAṀNAMAḤ.

वीरेणाभिहतः स्वकर्म-निचयो , वीराय नित्यं नमः ।

VĪRĀTTĪRTHAMIDAM PRAVRUTTAMATULAM,  
VĪRASYA GHŌRAM TAPŌ.

वीरात्तीर्थमिदं प्रवृत्तमतुलं , वीरस्य घोरं तपो , .

VĪRĒ ŚHRĪ DHRUTI-KĪRTI-KĀNTI-NICHAYAḤ,  
ŚRĪ VĪRA ! BHADRAM DĪSHA.

29

वीरे श्री धृति-कीर्ति-कान्ति-निचयः , श्री वीर ! भद्रं दिश ॥२९॥

AVANITALA-GATĀNĀM KRUTRIMĀ-KRUTRIMANAM,  
AVANITATLA - GATĀNĀM KṛTRIMĀ- KṛTRIMĀNAM,

VARABHAVANA-GATĀNĀM DIVYA-VAIMĀNIKĀNĀM.

वरभवन-गतानां दिव्य-वैमानिकानाम् ।

IHA MANUJA-KRUTĀNĀM DĒVARĀJĀRCHITĀNĀM.

इह मनुज-कृतानां , देवराजार्चितानां ,

JINAVARA BHAVANĀNĀM

BHĀVATŌHAMNAMĀMI.

30

जिनवर-भवनानां भावतोऽहं नमामि ॥३०॥

SARVĒṢĀM VĒDHĀSĀMADYA-  
MĀDIMAM PARAMĒṢṬHINĀM.

सर्वेषां वेधसामाद्य-मादिमं परमेष्ठिनाम् ।

DĒVĀDHIDĒVAM SARVAGYAM,

ŚRĪVIRAM, PRAṆIDADHMAHĒ.

31

देवाधिदेवं सर्वज्ञं , श्रीवीरं प्रणिदध्महे ॥३१॥

DĒVŌNĒKA-BHAVĀRJITŌRJITA-

MAHĀ-PĀPA-PRADĪPĀNALŌ,

देवोनेक-भवार्जितोर्जित-महा-पाप-प्रदीपानलो ,

DĒVAḤ SIDDHI-VADHŪVIŚALA-

HRADAYĀ-LAŅKĀRA-HARŌPAMAḤ.

देवः सिद्धि-वधूविशाल-हृदया-लङ्कार-हारोपमः ।

DĒVŌṢṬĀDAŚA-DŌṢA-SINDHURA-

GHAṬĀ-NIRBHĒDA-PAŅCĀNANŌ,

देवोष्टादश-दोष-सिन्धुर-घटा-निर्भेद-पञ्चाननो ,

BHAVYĀNĀM VIDADHĀTU VĀŅCHITA-

PHALAṀ ŚRĪ VĪTARĀGŌ JINAḤ.

32

भव्यानां विदधातु वाञ्छित-फलं श्री वीतरागो जिनः ॥३२॥

KHYĀTŌṢṬĀPADA-PARVATŌ

GAJAPADAḤ SAMMĒTA ŚAILĀBHIDHAḤ,

ख्यातोष्टापद-पर्वतो गजपदः सम्मेत शैलाभिधः ,

ŚRĪMĀN RAIVATAKAḤ PRASIDDHĀ-

MAHIMA ŚATRUŅJAYŌ MANḌAPAḤ.

श्रीमान् रैवतकः प्रसिद्ध महिमा शत्रुञ्जयो मण्डपः ।

VAIBHĀRAḤ KANKACHĀLŌRBŪDAGIRI

ŚRĪ CHITRAKŪṬĀDAYA.

वैभारः कनकाचलोर्बुद-गिरि श्रीचित्रकूटादय-

STATRA ŚRĪRUṢHABHĀDAYŌ JINAVARĀḤ

KURVANTU VŌ MAŅGALAM.

33

स्तत्र श्रीऋषभादयो जिनवराः कुर्वन्तु वो मङ्गलम् ॥३३॥

(चौबीस तीर्थंकर परमात्माओं की स्तुति रूप यह स्तोत्र पाक्षिकादि प्रतिक्रमण में चैत्यवंदन के रूप में बोला जाता है ।)

## 51. SNĀTASYĀ STUTI

### ५१. स्नातस्या स्तुति

SNĀTASYĀ-PRATIMASYA-MĒRUŚIKHARĒ  
ŚACHYĀ VIBHŌH ŚAIŚAVĒ,

स्नातस्या-प्रतिमस्य-मेरुशिखरे शच्या विभोः शैशवे,  
RUPĀLŌKANA-VISMAYĀ-HRĪUTARASA-  
BHRĀNTYĀ BHRAMACCHAKṢUṢĀ.

रुपालोकन-विस्मया-हृतरस-भ्रान्त्या भ्रमच्चक्षुषा ।

UNMRUṢṬAM NAYANAPRABHĀ-  
DHAVALITAM KṢĪRŌDAKA ŚAṆKAYĀ.

उन्मृष्टं नयनप्रभा-धवलितं क्षीरोदका-शंकया ,

VAKTRAM YASYA PUNAḤ PUNAḤ  
SA JAYATI ŚRĪ VARDDHAMĀNŌ JINAH. 1

वक्त्रं यस्य पुनः पुनः स जयति श्री वर्द्धमानो जिनः ॥१॥

HANSĀMSĀHATA-PADMARĒṆU-  
KAPIŚA-KṢĪRĀRṆA-VĀMBHŌ-BHRĪUTAIḤ.

हंसांसाहत-पद्मरेणु-कपिश-क्षीरार्णवाम्भो-भृतैः ,

KUMBHAI-RAPSARASĀMPAYŌDHARA.

BHARAPRASPARDHIBHIḤ KĀÑCHANAIḤ,

कुम्भै-रप्सरसां पयोधर-भरप्रस्पर्धिभिः काञ्चनैः ,

YĒṢĀM MANDARA RATNAŚAILA-

ŚIKHARĒ JANMĀBHIṢĒKA KRĪUTAḤ.

येषां मन्दर रत्नशैल-शिखरे जन्माभिषेक कृतः

SARVAIḤ SARVA-SURĀSUREŚVARA-

GAṆAISTĒṢĀM NATŌHAM KRAMĀN. 2

सर्वैः सर्व-सुरासुरेश्वर-गणैस्तेषां नतोहं क्रमान् ॥२॥

ARHADVAKTRA PRASŪTAM GANADHARA  
 RACHITAM DVĀDASĀNGAM VIŚHĀLAM,  
 अर्हद्वक्त्र प्रसूतं गणधर रचितं द्वादशाङ्गं विशालं,  
 CHITRA BAHVARTHA-YUKTAM MUNIGANA-  
 VRUṢABHAIR-DHĀRITAM BUDDHIMADBHIḤ.  
 चित्रं बह्वर्थ-युक्तं मुनिगण-वृषभैर्धारितं बुद्धिमद्भिः ।  
 MŌKṢĀGRA-DVĀRABHŪTAM VRATACHARANA-  
 PHALAM GÑĒYABHĀVA-PRADĪPAM,  
 मोक्षाग्र-द्वारभूतं व्रतचरण-फलं ज्ञेयभाव-प्रदीपं,  
 BHAKTYĀ NITYAM PRAPADYĒ  
 ŚRUTAMAHAMAKHILAM SARVA-LŌKAIKA-SĀRAM. 3  
 भक्त्या नित्यं प्रपद्ये-श्रुतमहमखिलं सर्व-लोकैक-सारम् ॥३॥  
 NIṢPAṆKA-VYŌMA-NĪLA-DYUTIMALA-  
 SADDRAŚAM BĀLACHANDRĀBHA-DANṢṢTRAM.  
 निष्पङ्क-व्योम-नील-द्युतिमल-सदृशं बालचन्द्राभ-दंष्ट्रं,  
 MATTAM GHANṢ ṀRAVĒNA PRASRUTA-  
 MADAJALAM PŪRAYANTAM SAMANTĀT.  
 मत्तं घण्टारवेण प्रसृत-मदजलं पूरयन्तं समन्तात् ।  
 ĀRUḢHŌ DIVYANĀGAM VICHARATI  
 GAGANĒ KĀMADAḢ KĀMARUPĪ,  
 आरुढो दिव्यनागं विचरति गगने कामदः कामरूपी,  
 YAKṢAḢ SARVĀNUBHŪTIRDĪŚATU MAMA  
 SADĀ SARVA-KĀRYĒṢU SIDDHIM. 4

यक्षः सर्वानुभूतिर्दिशतु मम सदा सर्व-कार्येषु सिद्धिम् ॥४॥

(कलिकाल सर्वज्ञ श्री हेमचंद्राचार्य के शिष्य, मुनि बालचन्द्र द्वारा रचित महावीर स्वामी की यह स्तुति पाक्षिकादि प्रतिक्रमण में बोली जाती है ।)

## 52. ŚRĪ AJITA ŚHĀNTI STAVANA.

### ५२. श्री अजित-शान्ति स्तवन

AJIYAṀJIA-SAVVA-BHAYAM

SANTIṀCHA PASANTA-SAVVA-GAYA-PĀVAM.

अजियं जिअ-सव्व-भयं संतिं च पसंत-सव्व-गय-पावं ।

JAYA-GURU-SANTI-GUṆAKARĒ,

DŌ VI JIṆA-VARĒ PANIVAYĀMI .. GĀHĀ ... 1 ..

जय-गुरु-संति-गुण करे, दो वि जिणवरे पणिवयामि ॥ गाहा ॥ ॥१॥

VAVAGAYA-MAṆGULA-BHĀVĒ,

TĒ HAṀVIULA-TAVANIMMALA-SAHĀVĒ.

ववगय-मंगुल-भावे, ते हं विउल-तव-निम्मल-सहावे ।

NIRUVAMA-MAHA-PPABHĀVĒ,

THŌSĀMI SU-DIṬṬHA-SABBHĀVĒ, GĀHĀ ... 2 ..

निरुवम-मह-प्पभावे, थोसामि सु-दिट्ठ-सब्भावे । गाहा । ॥२॥

SAVVA-DUKKHA-PPASANTĪṆAM.

SAVVA-PĀVAPPASANTĪṆAM.

सव्व-दुक्ख-प्पसंतीणं । सव्व-पाव-प्पसंतीणं ।

SAYĀAJIA-SANTĪṆAM.

NAMŌAJIA-SANTĪṆAM .. SILŌGŌ .. 3 ..

सया अजिअ-संतीणं, नमो अजिअ-संतीणं ॥ सिलोगो ॥ ॥३॥

AJIYA-JIṆA! SUHA-PPAVATTANAM,

TAVA PURISUTTAMA NĀMA KITTANAM.

अजिय-जिण ! सुह-प्पवत्तणं, तव पुरिसुत्तम नाम कित्तणं ।

TAHA YADHIE-MAI-PPAVATTANAM,

तह य धिइ-मइ-प्पवत्तणं ,

TAVA YA JIṆUTTAMA ! SANTI ! KITTANAM .. MĀGAHIĀ ..4

तव य जिणुत्तम ! संति ! कित्तणं ॥ मागहिआ ॥ ॥४॥

KIRIĀ-VIHI-SANĀCHIA-KAMMA-

KILĒSA-VIMUKKHAYARAM,

किरिआ-विहि-संचिअ-कम्म-किलेस-विमुक्खयरं ,

AJIAṆ-NICHIAṆCHA GUNĒHIM

MAHĀMUNĪ SIDHIGAYAM.

अजिअं-निचिअं च गुणेहिं महामुणी सिद्धिगयं ,

AJIASSA YA SANTI MAHAMUNI NO VI A SANTIKARAM.

अजिअस्स य संति महामुणीणो वि अ संतिकरं

SAYAYAMMAMA NIVVUI-KĀRAṆAYAM

CHANAMAMSANAYAM .. ĀLIṆGANAYAM .. 5 ..

सययं मम निव्वुइ-कारणयं च नमंसणयं ॥ आलिंणयं ॥५॥

PURISĀ ! JAI DUKKHA-VĀRAṆAM,

JAI A VIMAGGAHA SUKKHA-KĀRAṆAM.

पुरिसा ! जइ दुक्ख-वारणं , जइ अ विमग्गह सुक्ख-कारणं ।

AJIAṆ SANTIṆCHA BHĀVAŌ , ABHAYAKARĒ

SARAṆAM PAVAJJAHĀ .. MĀGAHIĀ .. 6 ..

अजिअं संतिं च भावओ , अभयकरे सरणं पवज्जहा । मागहिआ ॥६॥

ARAI-RAI-TIMIRA-VIRAHIA-

MUVARAYA-JARA-MARAṆAM,

अरइ-रइ-तिमिर-विरहिअ-मुवरय-जर-मरणं ,



SURA-ASURA-GARULA-BHUYAGA-  
VAI-PAYAYA PANIVAIAI,

सुर-असुर-गरुल-भुयग-वइ-पयय-पणिवइअं ।

AJIAHAMAVI A SUNAYA-NAYA-  
NIUNAMA BHAYAKARAM,

अजिअमहमवि अ सुनय-नय-निउणमभयकरं ,

SARANAMUVASARIA BHUVIDIJA-

MAHIAM SAYAYAMUVANAMĒ, SANGAYAYAM.. 7 ..

सरणमुवसरिअ भुविदिविज-महिअं सययमुवणमे । संगययं ॥७॥

TAMCHA JINUTTAMAMUTTAMA-

NITTAMA-SATTA-DHARAM,

तं च जिणुत्तममुत्तम-नित्तम-सत्त-धरं ,

AJJAVA-MADDAVA-KHANTI-VIMUTTI-SAMĀHI-NIHIM.

अज्जव-मद्दव-खंति-विमुत्ति-समाहि-निहिं ।

SANTIKARAMPANMĀMI

DAMUTTAMA-TITTHAYARAM,

संतिकरं पणमामि दमुत्तम-तित्थयरं ,

SANTI-MUNĪ MAMA-SANTI-SAMĀHI-

VARAM-DISAU ..SŌVĀNAYAM.. 8 ..

संति-मुणी मम-संति-समाहि-वरं दिसउ । सोवाणयं । ॥८॥

SĀVATTHI-PUVVA-PATHIVAM CHA VARAHATTHI-

सावत्थि-पुव्व-पत्थिवं च वरहत्थि

MATTHAYA-PASATTHA-VICHHINA-SANTHIAM,

मत्थय-पसत्थ-विच्छिन्न-संथिअं ,

THIRA-SARICCHA-VACCHAM,

MAYA-GALA-LĪLĀYAMĀNA-

थिर-सरिच्छ-वच्छं , मय-गल-लीलायमाण- ,

VAR-GANDHA-HATHI-PATTHĀṆA-  
PATTHIAM, SANTHAVĀRIHAM.

वर-गंध-हत्थि-पत्थाण-पत्थिअं-संथवारिहं,  
HATTHI-HATTHA-BĀHUM, DHANTA-

KANAGARUAGANIRUVAHAYA-PIÑJARAM,

हत्थि-हत्थ-बाहुं, धंत-कणग-रुअगनिरुवहय-पिंजरं,

PAVARA-LAKKHAṆŌ-VACHIYA-

SŌMA-CHĀRU-RUVAM,

पवर-लक्खणो-वचिय-सोम-चारु-रुवं,

SUI-SUHA-MANĀ-BHIRĀMA-PARAMA-RAMAÑIJJJA-

सुइ-सुह-मणा-भिराम-परम-रमणिज्ज-

VARA-DĒVA-DUNDUHI-NINĀYA-

MAHURA-YARA-SUHA-GIRAM, .. VĒDDAHŌ .. 9 ..

वर-देव-दुंदुहि-निनाय-महुर-यर-सुह-गिरं । वेड्ढओ । ॥९॥

AJIAMJIĀRIGANAMJIA-SAVVA-

BHAYAMBHAVŌHA-RIUM,

अजिअं जिआरिगणं, जिअ-सव्व-भयं भवोह-रिउं,

PAṆAMĀMI AHAMPAYAŌ, PĀVAM

PASAMĒU MĒ BHAYAVAM .. RĀSĀLUDDHAŌ .. 10 ..

पणमामि अहं पयओ, पावं पसमेउ मे भयवं । रासालुद्धओ । १०।

KURU-JAṆA-VAYA-HATTHINĀ-

URA-NARĪSARO PADHAMAM,

कुरु-जण-वय-हत्थिणा-उर-नरीसरो पढमं,

TAŌ MAHĀ-CHAKKA-VATṬI-BHŌĒ MAHA-PPABHĀVO.

तओ महा-चक्क-वट्टि-भोए मह-प्पभावो,

JŌ BĀVATTARI-PURA-VARA-SAHASSA-  
 VARA-NAGARA NIGAMA-JANA-VAYA-VAĪ,  
 जो बावत्तरि-पुर-वर-सहस्स-वर-नगर-निगम-जण-वय-वई ,  
 BATTĪSĀ-RAYA-VARA-SAHASSĀ-NUYĀYA-MAGGO,  
 बत्तीसा-राय-वर-सहस्सा-णुयाय-मगो ,  
 CHAU-DASA-VARA-RAYANA-NAVA-MAHĀ-NIHI-  
 चउ-दस-वर-रयण-नव-महा-निहि- ,  
 CHAU-SATṬHI-SAHASSA-  
 PAVARA-JUVAĪNA SUNDARA-VAĪ,  
 चउ-सट्ठि-सहस्स-पवर-जुवईण सुंदर-वई ,  
 CHULASĪ-HAYA-GAYA-RAHA-SAYA-SAHASSA-SĀMĪ,  
 चुलसी-हय-गय-रह-सय-सहस्स-सामी ,  
 CHANNAVAI-GĀMA-KŌḌĪ-SĀMĪ, ĀSĪ  
 JŌ BHĀRAHAMMI BHAYAVAM.. VĒDHAŌ ..11..  
 छन्नवइ-गाम-कोडी-सामी ,  
 आसी जो भारहम्मि भयवं ॥ वेड्ढओ ॥११॥  
 TAṀ SANTIM SANTI KARAM,  
 SANTIṆNAM SAVVA-BHAYĀ,  
 तं संतिं संति करं , संतिण्णं सब्ब भया ,  
 SANTIM THUṆĀMI JIṆAM,  
 SANTIM VIHĒU MĒ .. RĀSĀ-NANDIAYAM.. 12 ..  
 संतिं थुणामि जिणं , संतिं विहेउ मे ॥ रासा-नंदिअयं ॥ १२ ॥  
 IKKHĀGA ! VIDĒHA-NARĪSARA !  
 NARA-VASAHĀ ! MUṆI-VASAHĀ !  
 इक्खाग ! विदेह-नरिसर ! नर-वसहा ! मुणि-वसहा !

NAVA SĀRAYA-SASI SAKALĀṆAṆA !

VIGAYA-TAMĀ ! VIHUA-RAYĀ !

नव-सारय-ससि सकलाणण ! विगय-तमा ! विहुअ-रया !

AJIUTTAMA-TĒA-GUṆĒHIṆ MAHĀ-

MUṆI-A-MIA-BALĀ ! VIULA-KULĀ.

अजिउत्तम-तेअ-गुणेहिं महा-मुणि-अमिअ-बला ! विउल-कुला !

PAṆAMĀMI TĒ BHAVA BHAYAMŪRAṆA ! JAGA-SARAṆĀ !

MAMA SARAṆAṆ ! CHITTALĒHĀ .. 13..

पणमामि ते भव भय मूरण ! जग-सरणा !

मम सरणं ! चित्तलेहा ॥१३॥

DĒVA-DĀṆA-VINDA-CHANDA-SŪRA-VANDA !

HAṬṬHA-TUṬṬHA-JITṬHA-PARAMA-

देव-दाण-विंद-चंद-सूर-वंद ! हट्ट-तुट्ट-जिट्ट-परम-

LAṬṬHA-RUVA ! DHANTA-RUPPA-PATṬA-

SĒA-SUDDHA-NIDDHA-DHAVALA-

लट्ट-रुव ! धंत-रुप्प-पट्ट-सेअ-सुद्ध-निद्ध-धवल-

DANDTA-PANTI SANTI ! SATTI-KITTI-MUTTI-

JUTTI-GUTTI-PAVARA !

दंत-पंति संति ! सत्ति-कित्ति-मुत्ति-जुत्ति-गुत्ति-पवर !

DITTA-TĒA ! VANDA ! DHĒYA !

SAVVA-LŌA-BHĀVIAPPABHĀVA ! ṆĒA !

PAISA MĒ SAMĀHIṆ .. NĀRĀYAŌ .. 14 ..

दित्त-तेअ ! वंद ! धेय ! सब्व-लोअ-भाविअप्पभाव !

णेअ ! पईस मे समाहिं । नारायओ ॥१४॥

VIMALA-SASI-KALĀIRĒA-SŌMAM,  
VITIMIRA-SŪRA-KARĀI-RĒA-TĒAM,  
विमल-ससि-कलाइरेअ सोमं-वितिमिर-सूर-कराइ-रेअ-तेअं,  
TIASA-VAI-GAÑĀIRĒA-RUVAM, DHARAÑI-DHARA  
PPAVA-RĀIRĒA-SĀRAM..KUSUMA-LAYĀ .. 15 ..

तिअस-वइ-गणाइरेअ-रुवं, धरणि-धर-प्पव-राइरेअ-सारं  
॥ कुसुमलया ॥१५॥

SATTĒ A SAYĀ AJIAM, SĀRĪRĒ A BALĒ AJIAM,  
सत्ते अ सया अजिअं, सारीरे अ बले अजिअं,  
TAVA-SAÑJAMĒ A AJIAM, ĒSA THUÑĀMI  
JINAM AJIAM..BHUAG-PARI-RINGIAM.. 16..

तव-संजमे अ अजिअं, एस थुणामि जिणं अजिअं  
॥ भुअग-परि-रिंगिअं ॥१६॥

SŌMA-GUÑĒHIM PAVĀI  
NA TAM NAVA SARAYA SASI,  
सोम-गुणेहिं पावइ न तं, नव-सरय-ससी,  
TĒA-GUÑĒHIM PĀVAI NA TAM NAVA SARAYA-RAVĪ,  
तेअ-गुणेहिं पावइ न तं नव सरय-रवी,  
RUVA-GUÑĒHIM PAVAI NA TAM TIASA-GAÑA-VAĪ,  
रुव-गुणेहिं पावइ न तं तिअस-गण-वई,  
SĀRA-GUÑĒHIM PĀVAI NA TAM  
DHARAÑI-DHARA-VAĪ.. KHIJJIAYAM..17..

सार-गुणेहिं पावइ न तं धरणि-धर-वई । खिज्जिअयं । १७ ।  
TITTHA-VARA-PAVATTAYAM, TAMA-RAYA-RAHIAM.  
तित्थ-वर-पवत्तयं, तम-रय-रहिअं,

DHĪRA-JAṆA-THUACCHIAM CHUA-KALI-KALUSAM,  
 धीर-जण-थुअच्चिअं चुअ-कलि-कलुसं,  
 SANTI-SUHA-PPAVATTAYAM, TI-GARAṆA-PAYAŌ,  
 संति-सुह-प्पवत्तयं, ति-गरण-पयओ,  
 SANTIMAHAM MAHĀ-MUṆIṆI  
 SARAṆA-MUVAṆAMĒ .. LALIAYAM.. 18 ..  
 संतिमहं महा-मुणिं सरण-मुवणमे ॥ ललियं ॥१८॥  
 VIṆAŌṆAYA-SIRA-RAIANJALI-RISI-  
 GAṆA-SANTHUAM THIMIAM,  
 विणओणय-सिर-रईअंजलि-रिसि-गण-संथुअं थिमिअं,  
 VIBUHĀHIVA-DHAṆA-VAI-NARA-VAI  
 THUA-MAHI-ACHCHIAM BAHUSŌ.  
 विबुहाहिव-धणवइ-नर-वइ-थुअ-महि-अच्चिअं बहुसो,  
 AIRUGGAYA-SARAYA-DIVĀ-YARA-  
 SAMAHIA-SAPPABHAM TAVASĀ,  
 अइरुगय-सरय-दिवा-यर-समहिअ-सप्पभं तवसा,  
 GAYANAM-GAṆA-VIYARAṆA-SAMUIA-CHĀRAṆA-  
 VANDIAM SIRSĀ .. KISALAYAMĀLĀ .. 19 ..  
 गयणं-गण-वियरण-समुइअ-चारण-वंदिअं सिरसा  
 ॥ किसलयमाला ॥१९॥  
 ASURA-GARULA-PARIVANDIAM,  
 KINNARŌRAGA-NAMAMSIAM,  
 असुर-गरुल-परिवंदिअं, किन्नरोरग-नमंसिअं,

DĒVA-KŌḌI-SAYA-SANTHUAM, SAMANA-SANĠH-  
PARIVANDIAM. ..SUMUHAM. . 20 ..

देव-कोडि-सय-संथुअं , समण-संघ-परिवंदिअं । सुमुहं । २० ।

ABHAYAM ANAHAM, ARAYAM ARUYAM,  
अभयं अणहं , अरयं अरुयं ,

AJIAM AJIAMPAYAŌ PAṆAMĒ .. VIJJUVILASIAM. . 21

अजिअं अजिअं पयओ पणमे ॥ विज्जुविलसिअं ॥ २१ ॥

ĀGAYĀ-VARA-VIMĀNA-DIVYA-KAṆAGA-  
आगया-वर-विमाण-दिव्व-कणग-

RAHA-TURAYA-PAHAKARA-SAĒHIM HULIAM,

रह-तुरय-पहकर-सएहिं हुलिअं ,

SA-SAMBHAMŌ-ARAṆA-KHUBHIA-LULIA-CHAL-

स-संभमो-अरण-खुभिअ-लुलिअ-चल-

KUNḌALAṆGAYA-TIRĪḌA-SŌHANTA-

MAULI-MĀLĀ .. VĒḌḌHAŌ .. 22

कुंडलंगय-तिरीड-सोहंत-मउलि-माला ॥ वेड्ढओ ॥ २२ ॥

JAM SURA-SANĠHĀ, SĀSURA-SANĠHĀ,

VĒRA-VIUTTĀ, BHATTI SUJUTTĀ,

जं सुर-संघा , सासुर-संघा , वेर-विउत्ता , भत्ति-सुजुत्ता ,

ĀYARA-BHŪSIA-SAMBHAM-PINḌIA-

SUṬṬHU-SUVIMHIA-SAVVA-BALŌGHĀ,

आयर-भूसिअ-संभम-पिंडिअ-सुट्टु-सुविम्हिअ-सव्व-बलोघा ,

UTTAMA-KAṆCHANA-RAYANA-PARŪVIA-

BHĀSURA-BHŪSANA-BHASURIANĠĀ,

उत्तम-कंचण-रयण-परुविअ-भासुर-भूसण-भासुरिअंगा ,

GĀYA-SAMŌṆAYA-BHATTI-VASĀGAYA-  
PAÑJALIPĒSIA-SĪSA-PAṆĀMA .. RAYANAMĀLĀ .. 23 ..  
गाय-समोणय-भत्ति-वसागय-पंजलिपेसिअ-सीस-पणामा  
॥ रयणमाला ॥२३॥

VANDIŪṆA THŌŪṆA TŌ JIṆAM,  
TI-GUṆAMĒVA YA PUNŌ PAYĀHINAM,  
वंदिऊण थोऊण तो जिणं , ति-गुणमेव य पुणो पयाहिणं ,  
PAṆAMIŪṆA YA JIṆAM SURĀSURĀ, PAMUIĀ,  
SA-BHAVANĀIṆTŌ GAYĀ.. KHITTAYAM .. 24 ..  
पणमिऊण य जिणं सुरासुरा , पमुइआ स-भवणाइं तो गया  
॥ खित्तयं ॥२४॥

TAM-MAHĀ-MUṆIMAHAMPI PAÑJALĪ,  
RĀGA-DŌṢA-BHAYA-MŌHA-VAJJIAM,  
तं-महा-मुणिमहंपि पंजली , राग-दोष-भय-मोह-वज्जिअं ,  
DĒV-DĀṆAVA-NARINDA-VANDIAM-SANTI  
MUTTAMAM MAHĀ-TAVAM-NAMĒ ..KHITTAYAM.. 25 ..  
देव-दाणव-नरिंद-वंदिअं , संति-मुत्तमं महा-तवं नमे ॥खित्तयं ॥२५॥

AMBARANTARA-VIĀRAṆIĀHIṆ,  
LALIA-HANSA-BAHU GĀMIṆIĀHIṆ,  
अंबरंतर-विआरणिआहिं , ललिअ-हंस-बहु गामिणिआहिं ,  
PIṆA-SŌṆI-THAṆA-SĀLIṆIĀHIṆ, SAKALA-  
KAMALA-DALA-LŌAṆIĀHIṆ .. DĪVAYAM .. 26 ..  
पीण-सोणि-थण-सालिणिआहिं , सकल-कमल-दल-लोअणिआहिं  
॥ दीवयं ॥२६॥



PĪṆA-NIRANTARA-THAṆA-BHARA-  
VINAMIYA-GĀYA-LAYĀHIM,

पीण-निरंतर-थण-भर-विणमिय-गाय-लयाहिं ,

MAṆI-KAṆCHAṆA-PASIDHILA

MĒHALA-SŌHIA-SŌNI-TAḌĀHIM.

मणि-कंचण-पसिदिल-मेहल-सोहिअ-सोणि-तडाहिं ।

VARA-KHIṆKHIṆI-NĒURA-SA-

TILAYA-VALAYA-VIBHŪSANIĀHIM,

वर-खिंखिणि-नेउर-स-तिलय-वलय-विभूसणिआहिं ,

RAI-KARA-CHAURA-MANŌHARA-

SUNDARA DANSANIĀHIM .. CHITTAKKHARĀ .. 27 ..

रइ-कर-चउर-मणोहर-सुंदर-दंसणिआहिं ॥ चित्तक्खरा ॥२७॥

DĒVA-SUNDARĪHIM PĀYA-VANDIĀHIM,

VANDIĀ YA JASSA TĒ SUVIKKAMĀ KAMĀ.

देव-सुंदरीहिं पाय वंदिआहिं , वंदिआ य जस्स ते सुविक्कमा कमा ,

APPANŌ NIḌĀLAĒHIM MANḌANŌ-

ḌḌANAPPA-GĀRĒHIM KĒHIM KĒHIM VI.

अप्पणो निडालएहिं मंडणोड्डणप्प-गारएहिं केहिं केहिं वि ।

AVANĠA-TILAYA-PATTALĒHA-NĀMAĒHIM

CHILAĒHIM SAṄGAYAM-GAYĀHIM,

अवंग-तिलय-पत्तलेह-नामएहिं चिल्लएहिं संगयं-गयाहिं ,

BHATTI-SANNIVIṬṬHA-VANDAṆĀGAYĀHIM

HUNTI TĒ VANDIĀ PUṆŌ PUṆŌ .. NĀRĀYAŌ .. 28 ..

भत्ति-सन्निविट्ट-वंदणागयाहिं हुंति ते वंदिआ पुणो पुणो

॥ नारायओ ॥२८॥

TAMAHAM JIṆACHANDAM , AJIAM JIA-MŌHAM,

तमहं जिणचंदं , अजिअं जिअ-मोहं ,

DHUA-SAVVAKILĒSAM, PAYAŌ

PAṆĀMAMI .. NANDIAYAM .. 29 ..

धुअ-सव्वकिलेसं , पयओ पणमामि ॥ नंदिअयं ॥२९॥

THUA-VANDIAYASSĀ RISI-GAṆA-DĒVA-GAṆĒHIM,

थुअ-वंदिअयस्सा रिसि-गण-देव-गणेहिं ,

TŌ DĒVA-VAHŪHIM PAYAŌ PAṆAMIASSĀ,

तो देव-वहूहिं पयओ पणमिअस्सा ,

JASSA-JAGUTTAMA SĀSANAASSĀ,

BHATTI VASĀGAYA-PINḌIĀYAHIM,

जस्स-जगुत्तम सासणअस्सा , भत्ति-वसागय-पिंडिअयाहिं ,

DĒVA-VARACHCCHARASĀ-BAHUĀHIM, SURA-VARA-

RAI-GUṆA-PANḌAAYĀHIM.. BHĀSURAYAM .. 30 ..

देव-वरच्छरसा-बहुआहिं ,

सुर-वर-रइ-गुण-पंडिअयाहिं ॥ भासुरयं ॥३०॥

VANSA-SADDA-TANTI-TĀLA-MĒLIĒ,

TIUKKHA-RĀBHIRĀMA-SADDA-MĪSAĒ KAĒ A,

वंस-सद्द-तंति-ताल-मेलिए , तिउक्ख-रभिराम-सद्द-मीसए कए अ ,

SUI-SAMĀṆA-NĒ A SUDDHA-SAJJA-

GĪYA-PĀYA-JĀLA-GHAṆṬIĀHIM,

सुइ-समाण-णे अ सुद्ध-सज्ज-गीय-पाय-जाल-घंटिआहिं ,

VALAYA-MĒHĀLA-KALĀVA-NĒURĀBHI-  
RĀMA-SADDA MĪSAĒ KAĒ A,

वलय-मेहला-कलाव-नेउराभि-राम-सद्-मीसए कए अ ,

DĒVA-NAṬṬĪĀHIM, HĀVA-BHĀVA-  
VIBBHĀMA-PPAGĀRAĒHIM,

देव-नट्टिआहिं , हाव-भाव-विब्भम-प्पगारएहिं ,

NACHIŪṆAANGA-HĀRAĒHIM, VANDIĀ YA  
JASSA TĒ SU-VIKKAMĀ KAMĀ,

नच्चिऊण अंग-हारएहिं , वंदिआ य जस्स ते सु-विककमा कमा ,

TAYAM TI-LŌYA-SAVVA-SATTA-SANTI-KĀRAYAM,

तयं ति-लोय-सव्व-सत्त-संति-कारयं ,

PASANTA-SAVVA-PĀVA-DŌSAMĒSAHAMNAMĀMI  
SANTIMUTTAMAM JINAM .. NĀRĀYAŌ .. 31 ..

पसंत-सव्व-पाव-दोसमेसहं नमामि संतिमुत्तमं जिणं । नारायओ।३१।

CHATTA-CHĀMARA-PADĀGA-JŪA-JAVA-MANḌĪĀ,

छत्त-चामर-पडाग-जूअ-जव-मंडिआ ,

JHAYA-VARAMAGARA-TURAYA-  
SIRIVACCHA-SU-LANCHANĀ.

झय-वर-मगर-तुरय-सिरिवच्छ-सु-लंछणा ,

DĪVA-SAMUDDA-MANDARA-DISĀGAYA-SŌHIĀ,

दीव-समुद्द-मंदर-दिसागय-सोहिआ ,

SATTHIA-VASAHA-SĪHA-RAHA-

CHAKKA-VARAM KİYĀ-LALIYAM .. 32 ..

सात्थिअ-वसह-सीह-रह-चक्क-वरं-किया ॥ ललिअयं ॥३२॥

SAHĀVA-LATṬHĀ SAMA-PPAIṬṬHĀ,  
A-DŌSA-DUṬṬHA GUṆEHIMJITṬHĀ,  
सहाव-लट्टा सम-प्पइट्टा , अ-दोस-दुट्टा गुणेहिं जिट्टा ,  
PASĀYA-SIṬṬHA TAVĒṆA PUṬṬHĀ, SIRĪHIM  
IṬṬHĀ RISĪHIMJUṬṬHĀ .. VĀṆA-VĀSIĀ .. 33 ..  
पसाय-सिट्टा तवेण पुट्टा , सिरीहिं इट्टा रिसीहिं जुट्टा ।  
वाण-वासिआ ॥३३॥

TĒ TAVĒṆA DHUA-SAVVA-PĀVAYĀ,  
SAVVA-LŌA-HIA-MŪLA-PĀVAYĀ,  
ते तवेण धुअ-सव्व-पावया , सव्व-लोअ-हिअ-मूल-पावया ,  
SANTHUĀ-AJIYA-SANTI-PĀYAYĀ, HUNTU  
MĒ SIVA-SAHUĀṆA DĀYAYĀ .. APARĀNTIKĀ .. 34 ..  
संथुआ-अजिय-संति-पायया , हुंतु मे सिव-सुहाण दायया  
॥ अपरांतिका ॥३४॥

ĒVAMTAVA-BALA-VIULAM,  
THUAMMAĒ AJIA-SANTI-JIṆA-JUALAM,  
एवं तव-बल-विउलं , थुअं मए अजिअ-संति-जिण-जुअलं ,  
VAVAGAYA-KAMMA-RAYA-MALAM,  
GAIṆGAYAM SĀSAYAM VIULAM .. GĀHĀ .. 35 ..  
ववगय-कम्म-रयमलं , गइं गयं सासयं विउलं ॥ गाहा ॥३५॥

TAMBAHU-GUṆA-PPASĀYAM, MUKKHA  
SUHĒṆA PARAMĒNAAVISĀYAM,  
तं बहु-गुण-प्पसायं , मुक्ख सुहेण परमेण अविसायं ,  
NĀSĒU MĒ VISAYAM, KUṆAU A  
PARISĀ VI APPASĀYAM .. GĀHĀ .. 36 ..  
नासेउ मे विसायं , कुणउ अ परिसा वि अप्पसायं ॥ गाहा ॥३६॥

TAM MŌĒU A NANDIṀ, PĀVĒU A  
NANDI-SĒṆA-MABHINANDIṀ,

तं मोएउ अ नंदिं, पावेउ अ नंदि-सेण-मभिंदिं,  
PARISĀ VIA SUHA-NANDIṀ, MAMA YA  
DISAU SANJAMĒ NANDIṀ .. GĀHĀ .. 37 ..

परिसा विअ सुह-नंदिं, मम य दिसउ संजमे नंदिं ॥ गाहा ॥३७॥  
PAKKHIA-CHĀUMMĀSIA-SAMVACCHARIĒ  
AVASSABHAṆIAVVŌ,

पक्खिअ-चाउम्मासिअ-संवच्छरिए-अवस्स भणिअव्वो,  
SŌAVVŌ SAVVĒHIṀ UVASAGGA NIVĀRANŌ ĒSŌ .. 38 ..

सोअव्वो सव्वेहिं, उवसग्ग-निवारणो एसो ॥३८॥  
JŌ PADHAI JŌ A NISUṆAI, UBHAŌ

KĀLAMPIAJIA-SANTI-THAYAM,  
जो पढइ जो अ निसुणइ, उभओ कालं पि अजिअ-संतिथयं,  
NA HU HUNTI TASSA RŌGĀ,  
PUVVUPPANNĀ VIṆĀSANTI .. 39 ..

न हुं हुंति तस्स रोगा, पुव्वुप्पन्ना विणासंति ॥३९॥  
JAI ICHCHAHA PARAMA-PAYAM,

AHAVĀ KITIṀ SU-VITTHADAM BHUVANĒ,  
जइ इच्छह परम-पयं, अहवा कितिं सु-वित्थडं भुवणे,  
TĀ TĒLUKKU-DDHARANĒ,  
JIṆA-VAYANĒ ĀYARAM KUNAH .. 40 ..

ता तेलुक्कु-द्धरणे, जिण-वयणे आयरं कुणह ॥४०॥

(इस स्तवन में आचार्य श्री नंदिषेण महाराज ने श्री  
अजितनाथ एवं श्री शांतिनाथ प्रभु की प्राकृत भाषा में काव्यमय  
स्तुति विविध छंदों में की है ।)

### 53. ŚRĪ BRUHACHCHĀNTIḤ.

#### ५३. श्री बृहच्छान्तिः

BHŌ ! BHŌ ! BHAVYĀḤ ! ŚRĪNUTA

VACHANAṀ PRASTUTAṀ SARVA-MĒTAD.

भो ! भो ! भव्याः ! शृणुत वचनं प्रस्तुतं सर्व-मेतद्,

YĒ YĀTRĀYĀṀ TRIBHUVANA-

GURŌ-RĀRHATĀ ! BHAKTIBHĀJAH

ये यात्रायां त्रिभुवन-गुरो-रार्हता ! भक्तिभाजः

TĒṢHĀṀ ŚĀNTIRBHAVATU

BHAVATĀ-MARHADĀDI-PRABHĀVĀ.

तेषां शान्तिर्भवतु भवता-मर्हदादि-प्रभावा-

DĀRŌGYA-ŚHRĪ-DHRŪTI-MATI-

KARĪ-KLĒŚHA-VIDHVANSA-HĒTUH .. 1 ..

दारोग्य-श्री-धृति-मति-करी क्लेश-विध्वंस-हेतुः ॥१॥

BHŌ BHŌ BHAVYA-LŌKĀ-IHA HI BHARATAI RĀVATA-

VIDĒHA-SAMBHAVĀNĀṀ SAMASTA-TĪRTHAKṚUTĀṀ.

भो भो भव्य-लोका इह हि भरतै-

रावत-विदेह-संभवानां समस्त-तीर्थकृतां

JANMANYĀSANA PRAKAMPĀ NANTARA MAVADHINĀ

VIGNĀYA SAUDHARMĀ-DHIPATIḤ SU-GHŌṢĀ-

जन्मन्यासन-प्रकम्पा-नन्तर-मवधिना

विज्ञाय सौधर्माधिपतिः सु-घोषा-

GHANṬĀ-CHĀLNĀ-NANTARAM, SAKALA-  
 SURĀ-SURĒNDRAIḤ SAHA SAMĀGATYA,  
 घण्टा-चालना-नन्तरं, सकल-सुरा-सुरेन्द्रैः सह समागत्य,  
 SAVINAYA MARHADBHAṬṬĀRAKAM  
 GRUHĪTVĀ, GATVĀ KANAKĀDRI-ŚRŪṄĒ,  
 सविनय-मर्हद्भट्टारकं गृहीत्वा, गत्वा कनकाद्रि-शृङ्गे,  
 VIHITA-JANMĀBHIṢEKAḤ  
 ŚANTIMUDGHŌṢAYATI  
 विहित-जन्माभिषेकः शान्तिमुद्घोषयति,  
 YATHĀ- TATŌHAM-KṚUTĀNUKĀRAMITI KṚUTVĀ,  
 यथा-ततोहं-कृतानुकारमिति कृत्वा,  
 MAHĀJANŌ YĒNA GATAḤ SA PANTHĀ  
 ITI BHAVYA JANAIḤ SAHA SAMETYA,  
 महाजनो येन गतः स पन्था इति भव्य जनैः सह समेत्य,  
 SNĀTRA-PĪṬHĒ SNĀTRAM  
 VIDHĀYA ŚĀNTI-MUDGHŌṢAYĀMI,  
 स्नात्र-पीठे स्नात्रं विधाय शान्ति-मुद्घोषयामि,  
 TAT PŪJA-YĀTRĀ-SNĀTRĀDI-  
 MAHŌTSAVĀ-NANTARAMITI KṚUTVĀ  
 तत् पूजा-यात्रा-स्नात्रादि-महोत्सवा-नन्तरमिति कृत्वा  
 KARṆAMDATVĀ NĪSAMAYATĀM NĪSAMAYATĀM SVĀHĀ.2  
 कर्णं दत्त्वा निश्चम्यतां निश्चम्यतां स्वाहा ॥२॥  
 ŌM PUṆYĀHAM PUṆYĀHAM  
 PRĪYANTĀM PRĪYANTĀM  
 ॐ पुण्याहं पुण्याहं प्रीयन्तां प्रीयन्ताम्,

BHAGVANTO-RHANTAḤ SARVAGŅĀḤ SARV-DARŚINAS  
TRILŌKA-NĀTHĀS TRILŌKA-MAHITĀS

भगवन्तो-र्हन्तः सर्वज्ञाः सर्व-दर्शिनस्-  
त्रिलोक नाथास्-त्रिलोक-महितास्- ,

TRILŌKA PŪJYĀS TRILŌKĒŚVARĀS  
TRILŌKŌ-DYŌTAKARĀḤ .. 3 ..

त्रिलोक पूज्यास्-त्रिलोकेश्वरास्-त्रिलोको-द्योतकराः ॥३॥

ŌMRUṢABHA-AJITA-SAMBHAVA-

ABHINANDANA-SUMATI-PADMAPRABHA-

ॐ ऋषभ-अजित-संभव-अभिनन्दन-सुमतिपद्मप्रभ-

SUPĀRŚVA-CHANDRAPRABHA-SUVIDHI-ŚHĪTALA-

ŚRĒYĀNSA-VĀSŪPUJYA-VIMALA-ANANTA-

सुपार्श्व-चन्द्रप्रभ-सुविधि-शीतल-श्रेयांस-वासुपूज्य-विमल-अनन्त-

DHARMA-ŚHĀNTI-KUNTHU-ARA-MALLI-MUNISUVRATA

NAMI-NĒMI-PĀRŚHVA-VARDHAMĀNĀNTĀ.

धर्म-शान्ति-कुन्थु-अर-मल्लि-मुनिसुव्रत-नमि-नेमि-पार्श्व-वर्धमानान्ता

JINĀḤ ŚĀNTĀḤ ŚĀNTIKARĀ BHAVANTU SVĀHĀ ..4..

जिनाः शान्ताः शान्तिकरा भवन्तु स्वाहा ॥४॥

ŌM MUNAYŌ MUNI-PRAVARĀ

RIPU-VIJAYA-DURBHIKṢA.

ॐ मुनयो मुनि-प्रवरा रिपु-विजय-दुर्भिक्ष-

KĀNTĀRĒṢU DURGA-MĀRGĒṢU

RAKṢHANTU VŌ NITYAM SVĀHĀ .. 5 ..

कान्तारेषु दुर्ग-मार्गेषु रक्षन्तु वो नित्यं स्वाहा ॥५॥



ॐ HRĪM ŚRĪM DHRUTI-MATI-KĪRTI-KĀNTI-BUDDHI-  
 ॐ ह्रीं श्रीं धृति-मति-कीर्ति-कान्ति-बुद्धि-  
 LAKṢMĪ-MĒDHĀ-VIDYĀ-SĀDHANA-  
 PRAVĒṢA-NIVĒṢANĒṢU  
 लक्ष्मी-मेधा-विद्या-साधन-प्रवेश-निवेशनेषु  
 SU-GRHĪTA-NĀMĀNŌ JAYANTU TĒ JINĒNDRĀḤ ..6..  
 सु-गृहीत-नामानो जयन्तु ते जिनेन्द्राः ॥६॥  
 ॐ RŌHIṆĪ-PRAGŅAPTĪ-  
 VAJRA-SHRUṆKHALĀ-VAJRĀṆKUŚĪ  
 ॐ रोहिणी-प्रज्ञप्ति-वज्र-शृङ्खला-वज्रांकुशी  
 APRAITICHAKRĀ-PURUṢADATTĀ-  
 KĀLĪ-MAHĀKĀLĪ-GAURĪ-  
 अप्रतिचक्रा-पुरुषदत्ता-काली-महाकाली-गौरी-  
 GĀNDHĀRĪ-SARVĀSTRA-  
 MAHĀJVĀLĀ-MĀNAVĪ-VAIRŌṬYĀ-  
 गान्धारी-सर्वास्त्रा-महाज्वाला-मानवी-वैरोट्या-  
 ACHCHUPTĀ-MĀNASĪ-MAHĀMĀNASĪ-  
 ṢŌDAŚĀ-VIDYĀ-DĒVYŌ  
 अच्छुप्ता-मानसी-महामानसी-षोडश-विद्या-देव्यो  
 RAKṢANTU VŌ NITYAM SVĀHĀ .. 7 ..  
 रक्षन्तु वो नित्यं स्वाहा ॥७॥  
 ॐ ĀCHĀRYŌPĀDHYĀYA-  
 PRABHRUTI-CHĀTURVARṆASYA.  
 ॐ आचार्योपाध्याय-प्रभृति-चातुर्वर्णस्य

ŚHRĪ ŚRAMAṆA SAṄGHASYA ŚĀNTIRBHAVATU  
TUṢṬIRBHAVATU PUṢṬIRBHAVATU .. 8 ..

श्री श्रमण सङ्घस्य शान्तिर्भवतु तुष्टिर्भवतु पुष्टिर्भवतु ॥८॥

ŌM GRAHAŚCHANDRA-SŪRYĀṄGĀRAKA-BUDHA-  
BRUHASPATI-ŚUKRA-ŚANAISCHARA-RĀHU-KĒTU-  
SAHITĀ.

ॐ ग्रहाश्चन्द्र-सूर्याङ्गारक-बुध-बृहस्पति-शुक्र-शनैश्चर-राहु-केतु-  
सहिता

SA-LŌKAPĀLĀḤ SŌMA-YAMA-VARUṆA-KUBĒRA-  
VĀSAVĀDITYA-SKANDA-VINĀYAKŌPĒTĀ

स लोकपालाः सोम-यम-वरुण-कुबेर-वासवादित्य-स्कन्द-विनायकोपेता  
YĒ CHĀNYĒPI GRĀMA-NAGARA-KṢĒTRA-DĒVATĀ-  
DAYASTĒ SARVĒ PRIYANTĀM PRIYANTĀM,

ये चान्येपि ग्राम-नगर-क्षेत्र-देवतादयस्ते-सर्वे प्रीयन्तां प्रीयन्तां

AKṢĪṆA- KŌŚAKŌṢṬHĀGĀRĀ NARA-  
PATAYAŚCHA BHAVANTU SVĀHĀ .. 9 ..

अक्षीण-कोशकोष्ठागारा नर-पतयश्च भवन्तु स्वाहा ॥९॥

ŌM PUTRA-MITRA-BHRĀTRU-  
KALATRA-SUHRUT-SVAJANA.

ॐ पुत्र-मित्र-भ्रातृ-कलत्र-सुहृत्-स्वजन-

SAMBANDHI-BANDHU-VARGA-  
SAHITĀ NITYAṀ CHĀMŌDA-

संबन्धि-बन्धु-वर्ग-सहिता-नित्यं चामोद-

PRAMŌDA-KĀRINAḤ, ASMINŚCHA  
BHŪMANDALĀYATANA.

प्रमोद-कारिणः , अस्मिंश्च भूमण्डल आयतन

NIVĀSI-SĀDHU-SĀDHVĪ-ŚRĀVAKA-ŚRĀVIKĀṆĀM,  
RŌGŌPASARGA-VYĀDHI-DUḤKHA DURBHIKṢHA.

निवासी-साधु-साध्वी-श्रावक-श्राविकाणां ,  
रोगोपसर्ग-व्याधि-दुःख-दुर्भिक्ष-

DAURMANASYŌPA-ŚHAMANĀYA  
ŚHĀNTIRBHAVATU ..10..

दौर्मनस्योप-शमनाय शान्तिर्भवतु ॥१०॥

ŌM TUṢṬĪ-PUṢṬĪ-RUDDHI-  
VRUDDHI-MĀṆGALYŌTSAVĀḤ,

ॐ तुष्टि-पुष्टि-ऋद्धि-वृद्धि-मांगल्योत्सवाः ,

SADĀ PRĀDURBHŪTĀNI

PĀPĀNI ŚĀMYANTU DURITĀNI,

सदा प्रादुर्भूतानि पापानि शाम्यन्तु दुरितानि ,

ŚATRAVAḤ PARĀṆMUKHĀ BHAVANTU SVĀHĀ .. 11 ..

शत्रवः पराङ्मुखा भवन्तु स्वाहा ॥११॥

ŚRĪMATĒ ŚHĀNTI-NĀTHĀYA,

NAMAḤ ŚHĀNTI-VIDHĀYINĒ.

श्रीमते शान्ति-नाथाय , नमः शान्ति-विधायिने ।

TRAILŌKYĀSYĀMARADHĪŚA-

MUKUṬĀBHYARCHITĀṆ-GHRAYĒ .. 12 ..

त्रैलोक्यस्यामराधीश-मुकुटाभ्यर्चिताङ्घ्रये ॥१२॥

ŚHĀNTIḤ ŚĀNTIKARAH ŚHRĪMĀN,  
ŚHĀNTIḤ DIŚTU MĒ GURUḤ.

शान्तिः शान्तिकरः श्रीमान्, शान्तिं दिशतु मे गुरुः ।

ŚHĀNTIRĒVA SADĀ TĒṢĀM,  
YĒṢĀM ŚHĀNTIRGRUḤĒ GRUḤĒ .. 13 ..

शान्तिरेव सदा तेषां, येषां शान्तिर्गृहे गृहे ॥१३॥

UNMRUṢṬA-RIṢṬA-DUṢṬA-GRAHA-  
GATI-DUḤSVAPNA-DURNIMITTĀDI.

उन्मृष्ट-रिष्ट-दुष्ट-ग्रह-गति-दुःस्वप्न-दुर्निमित्तादि ।

SAMPĀDITA-HITA-SAMPANNĀMA-  
GRAHANAM-JAYATI ŚĀNTĒḤ .. 14 ..

संपादित-हित-संपन्नम-ग्रहणं-जयति शान्तेः ॥१४॥

ŚHRĪ SAṄGHA JAGAJJANA PADA  
RĀJĀDHIPARĀJA SANNIVĒŚĀNĀM.

श्री संघ जगज्जन पद राजाधिप राज सन्निवेशानाम् ।

GŌṢṬHIKAPURA-MUKHYĀNĀM

VYĀHARANĀIR VYĀHARĒCH CHĀNTIM .. 15 ..

गोष्ठिकपुर-मुख्याणां व्याहरणै-व्याहरेच्छान्तिम् ॥१५॥

ŚHRĪ ŚRAMAṆA SAṄGHASYA ŚĀNTIRBHAVATU.

श्री श्रमण संघस्य शान्तिर्भवतु ।

ŚHRĪ JANAPĀDĀNAM ŚĀNTIRBHAVATU.

श्री जनपदानां शान्तिर्भवतु ।

ŚHRĪ RĀJĀDHIPANĀM ŚĀNTIRBHAVATU.

श्री राजाधिपानां शान्तिर्भवतु ।

ŚHRĪ RĀJĀSANNIVĒSANĀM ŚĀNTIRBHAVATU.

श्री राजसन्निवेशानां शान्तिर्भवतु ।

ŚHRĪ GŌṢṬHIKĀNĀM ŚĀNTIRBHAVATU.

श्री गोष्ठिकानां शान्तिर्भवतु ।

ŚHRĪ PAURAMUKHYĀṆĀM ŚĀNTIRBHAVATU.

श्री पौरमुख्याणां शान्तिर्भवतु ।

ŚHRĪ PAUR JANASYA ŚĀNTIRBHAVATU.

श्री पौर जनस्य शान्तिर्भवतु ।

ŚHRĪ BRAHMA-LŌKASYA ŚĀNTIRBHAVATU.

श्री ब्रह्म-लोकस्य शान्तिर्भवतु ।

ŌM SVĀHĀ ŌM SVĀHĀ ŌM

ŚRĪ PĀRŚVANĀTHĀYA SVĀHĀ .. 16 ..

ॐ स्वाहा ॐ स्वाहा ॐ श्री पार्श्वनाथाय स्वाहा ॥१६॥

ĒṢĀ ŚHĀNTIḤ PRATIṢṬHĀ

YĀTRĀ SNĀTRĀDYAVASĀNĒṢU.

एषा शान्तिः प्रतिष्ठा यात्रा स्नात्राद्यवसानेषु ।

ŚHĀNTI KALĀŚAMGRUHĪTVĀ KUṆKUMA-CHANDANA-

KARPŪRĀ-GARU-DHŪPAVĀSA-KUSUMĀÑJALI

SAMĒTAḤ.

शान्ति कलशं गृहित्वा कुङ्कुम-चन्दन-

कर्पूरा-गरु-धूपवास-कुसुमाञ्जलि समेतः

SNĀTRA-CHATUṢKIKĀYĀM ŚHRĪ SAṄGHA-

SAMĒTAḤ ŚUCHI-SUCHI-VAPUḤ PUṢPA-VAŚTRA

स्नात्र-चतुष्किकायां श्री संघ-समेतः शुचि शुचि-वपुः पुष्प-वस्त्र

CHANDANĀ-BHARAṆĀ-LAṆKRUTAḤ PUṢPAMĀLĀM  
KAṆṬHĒ KṚUTVĀ, ŚHĀNTI MUDGHŌSAYITVĀ,

चन्दना-भरणा-लङ्कृतः पुष्पमालां  
कण्ठे कृत्वा, शान्ति मुद्घोषयित्वा

ŚHĀNTI-PĀNĪYAM MASTAKĒ DĀTAVYAMITI .. 17 ..

शान्ति-पानीयं मस्तके दातव्यमिति ॥१७॥

NRṬTYANTI NURṬTYAM MAṆI PUṢPAVARṢAM,  
SRUJANTI GĀYANTI CHA MAṆGALĀNI,

नृत्यन्ति नृत्यं मणि पुष्प-वर्ष, सृजन्ति गायन्ति च मङ्गलानि ।

STŌTRĀṆI GŌTRĀṆI PAṬHANTI MANTRĀN,

स्तोत्राणि गोत्राणि पठन्ति मन्त्रान्,

KALYĀṆA-BHĀJŌ HI JINĀBHIṢĒKĒ .. 18 ..

कल्याण-भाजो हि जिनाभिषेके ॥१८॥

ŚIVAMASTU SARVA JAGATAḤ,

PARAHITA NIRATĀ BHAVANTŪ BHUTAGANĀḤ.

शिवमऽस्तु सर्व जगतः, परहित निरता भवन्तु भूतगणाः ।

DŌṢĀḤ PRAYĀNTU NĀŚAM

SARVATRA SUKHĪ-BHAVATU LŌKAḤ .. 19 ..

दोषाः प्रयान्तु नाशं-सर्वत्र सुखी-भवतु लोकः ॥१९॥

AHAṆ TITTHAYARA-MĀYĀ

SIVĀDĒVĪ TUMHA NAYARA-NIVASINĪ.

अहं तित्थयर-माया सिवादेवी तुम्ह नयर-निवासिनी ।

AMHA SIVAM TUMHA SIVAM, ASIVŌVASAMAM

SIVAM BHAVANTU SVĀHĀ .. 20 ..

अम्ह सिवं तुम्ह सिवं, असिवोवसमं सिवं भवन्तु स्वाहा ॥२०॥

UPASARGĀḤ KṢAYAM YĀNTI  
CHIDHYANTĒ VIGHNA-VALLAYAḤ.

उपसर्गाः क्षयं यान्ति , छिद्यन्ते विघ्न-वल्लयः ।

MANAḤ PRĀSANNATĀMĒTI,  
PŪJYAMĀNĒ JINĒŚVARĒ .. 21 ..

मनः प्रसन्नतामेति , पूज्यमाने जिनेश्वरे ॥२१॥

SARVA-MĀṄGALAMĀṄGALAYAM,  
SARVA KALYĀṆAKĀRAṆAM.

सर्व-मंगल मांगल्यं , सर्व कल्याण कारणम् ।

PRADHĀNAṆ SARVA DHARMĀṆĀM,  
JAINAṆ JAYATI ŚĀSANAM ..22..

प्रधानं सर्व धर्माणां , जैनं जयति शासनम् ॥२२॥

(श्री संघ में तथा सर्व शांति , तुष्टि , पुष्टि बनाये रखने के लिए जैसे श्री जिनेश्वर परमात्मा के जन्माभिषेक के समय इन्द्रादि देव शांति की उद्घोषणा करते हैं , वैसे ही प्रतिष्ठा , स्नात्रादि के समय शांति की उद्घोषणा करने के लिये यह मंगलमय स्तोत्र है ।)

## 54. ŚRĪ SANTIKARAṆ STŌTRA

### ५४. श्री संतिकरं स्तोत्र

SANTIKARAṆ SANTIJAṆAM,  
JAGASARAṆAM JAYASIRĪĒ DĀYĀRAM.

संतिकरं संतिजिणं , जगसरणं जयसिरीइ दायारं ।

SAMARĀMI BHATTAPĀLAGA-  
NIVVĀNĪ-GARUḌA-KAYASĒVAM .. 1 ..

समरामि भत्तपालग-निव्वाणी-गरुड-कयसेवं ॥१॥

OM SANAMO VIPPOSAHI-

PATTANAM SANTISAMI PANYANAM.

ॐ सनमो विष्णोसहि-पत्ताणं-संतिसामि पायाणं ।

JHRAUM SVAHĀ-MANTĒNAM,

SAVVĀSIVA-DURIA-HARANĀNAM .. 2 ..

इत्रौ स्वाहा-मंतेणं , सव्वासिव-दुरिअ-हरणाणं ॥२॥

OM SANTI NAMUKKĀRO,

KHĒLĒSAHI-MĀI-LADDHI-PATTANAM.

ॐ संति नमुक्कारो , खेलोसहि-माइ-लद्धि-पत्ताणं ।

SOUM HRĪMNAMO SAVVĒ-

SAHIPATTANAM CHA DĒI SIRIM .. 3 ..

सौँ ह्रीँ नमो सब्बो-सहिपत्ताणं च देइ सिरिं ॥३॥

VĀNĪ TIHUANA-SĀMIṆI, SIRIDĒVĪ

JAKKHARĀYA GANIPIDAGĀ.

वाणी तिहुअण-सामिणी , सिरिदेवी जक्खराय गणिपिडगा ।

GAHA-DISIPĀLA-SURINDĀ, SAYĀ

VI RAKKHANTU JINA-BHATTĒ .. 4 ..

गह-दिसिपाल-सुरिंदा , सया वि रक्खंतु जिण-भत्ते ॥४॥

RAKHANTU MAMA RĒHINĪ,

PANNATTĪ VAJJA-SĪNKHALĀ YA SAYĀ.

रक्खंतु मम रोहिणी , पन्नत्ती वज्ज-सिंखला य सया ।

VAJJANKUSĪ CHAKKĒSARĪ,

NARADATTĀ KĀLĪ MAHĀKĀLĪ .. 5 ..

वज्जंकुसी चक्केसरी , नरदत्ता काली महाकाली ॥५॥



GŌRĪ TAHA GANDHĀRĪ,

MAHAJĀLĀ-MĀṆAVĪ A VAIRUṬṬĀ.

गोरी तह गंधारी , महजाला-माणवी अ वइरुट्टा ।

ACHCHUTTĀ MĀṆASIĀ, MAHĀ-MANASIĀU DĒVĪŌ ..6..

अच्छुत्ता माणसिआ , महा-माणसिआउ देवीओ ॥६॥

JAKKHĀ GŌMUHA-MAHAJAKKHA,

TIMUHA-JAKKHĒSA TUMBARŪ KUSUMŌ.

जक्खा गोमुह-महजक्ख , तिमुह-जक्खेस तुंबरु कुसुमो ।

MĀYAṄGA-VIJAYA-AJIYĀ,

BAMBHŌ MANUŌ SURAKUMĀRŌ .. 7 ..

मायंग-विजय-अजिया , बंभो मणुओ सुरकुमारो ॥७॥

CHAMMUHA PAYĀLA KINNARA,

GARULŌ GANDHAVVA TAHA YA JAKKHINDŌ.

छम्मुह पयाल किन्नर , गरुलो गंधव्व तह य जक्खिंदो ।

KŪBERA VARUṆŌ BHIUDĪ,

GŌMĒHŌ PĀSA-MĀYAṄGA .. 8 ..

कूबेर वरुणो भिउडी , गोमेहो पास-मायंगा ॥८॥

DĒVĪŌ CHAKKĒSARĪ, AJIĀ DURIĀRI KĀLĪ MAHĀKĀLĪ.

देवीओ चक्केसरी , अजिआ दुरिआरि काली महाकाली ।

ACHCHUA SANTĀ JĀLĀ,

SUTĀRAYĀ-SŌA SIRIVACHCHĀ..9..

अच्चुअ संता जाला , सुतारया-सोअ सिरिवच्छा ॥९॥

CHANDĀ VIJAYAṆKUSĪ, PANNAITTI

NIVVĀṆĪACHUĀ DHARAṆĪ.

चंडा विजयंकुसी , पन्नइत्ति निव्वाणी अच्चुआ धरणी ।

VAIRUṬṬA-CHUTTA GANDHĀRĪ,

AMBA PAUMĀVAĪ SIDDHĀ .. 10 ..

वइरुट्ट-छुत्त गंधारी , अंब पउमावई सिद्धा ॥१०॥

IA TITTHA-RAKKHANA-RAYĀ,  
ANNĒVI SURĀSURĪ YA CHAUHĀ VI,  
इअ तित्थ-रक्खण-रया , अन्नेवि सुरासुरी य चउहा वि ।  
VANTARA-JŌINĪ-PAMUHĀ,  
KUNANTU RAKKHAM SAYĀ AMHAM .. 11 ..

वंतर-जोइणी-पमुहा , कुणंतु रक्खं सया अम्हं ॥११॥

ĒVAM SUDIṬṬHI-SURAGANA,  
SAHIŌ SAṄGHASSA SANTI JINACHANDŌ.

एवं सुदिट्ठि-सुरगण , सहिओ संघस्स संति जिणचंदो ।

MAJJHA VI KARĒU RAKKHAM,  
MUNISUNDARA-SŪRI-THUA MAHIMĀ .. 12 ..

मज्झ वि करेउ रक्खं , मुणिसुंदर-सूरि-थुअ महिमा ॥१२॥

EIA SANTINĀHA-SAMMA-DIṬṬHI-  
RAKKHAM SARAI TIKĀLAMJŌ.

इअ संतिनाह-सम्म-दिट्ठि-रक्खं सरइ तिकालं जो ।

SAVVŌVADDAVA-RAHIŌ,  
SA LAHAI SUHA SAMPAYAM PARAMAM .. 13 ..

सव्वोवद्दव-रहिओ , स लहइ सुह संपयं परमं ॥१३॥

TAVAGACHCHA GAYANA-DINAYARA-  
JUGAVARA-SIRI-SŌMASUNDARA-GURUṄAM.

तवगच्छ गयण-दिणयर-जुगवर-सिरि-सोमसुंदर-गुरुणं ।

SUPASĀYA-LADDHA-GAṄAHARA-VIJJĀ-SIDDHĪ  
BHANAĪ SĪSŌ .. 14 ..

सुपसाय-लद्ध-गणहर-विज्जा-सिद्धि भणइ सीसो ॥१४॥

(श्री शांतिनाथ प्रभुका यह स्तोत्र सर्व विघ्न से रक्षण  
करनेवाला है । व्यवहार में अंतिम गाथा नहीं बोली जाती है ।)

## 55. श्री पाक्षिकादि अतिचार

नाणंमि दंसणम्मि अ, चरणम्मि तवम्मि तह य वीरियम्मि ।  
आयरणं आयारो, इअ एसो पंचहा भणिओ ॥1॥

ज्ञानाचार दर्शनाचार चारित्राचार तपाचार वीर्याचार ए  
पंचविध आचारमांहि अनेरो जे कोइ अतिचार पक्ष दिवस मांहि  
सूक्ष्म बादर जाणतां अजाणतां हुओ होय, ते सविं हूँ मन वचन  
कायाए करी मिच्छा मि दुक्कडं ॥1॥

NĀṆAMMI DAṆSAṆAMMI A, CHARAṆAMMI  
TAVAMMI TAHA YA VEERIYAMMI,  
ĀYARAṆAṆ ĀYĀRO, IA ESO PAṆCHAHĀ  
BHANI. (1)

GYĀNĀCHĀRA, DARSHANĀCHĀRA,  
CHĀRITRĀCHĀRA, TAPĀCHĀRA, VEERYĀCHĀRA E  
PAṆCHAVIDHA ĀCHĀRAMĀHI ANERO JE KOI  
ATICHĀRA PAXA DIVASA MĀHI SUXMA, BĀDAR,  
JĀṆATĀ, AJĀṆATĀ HUO HOYA TE SAVI HU MANA  
VACHANA KĀYĀE KAREE MICHCHHĀMI DUKKADAM.1  
तत्र ज्ञानाचारे आठ अतिचार -

काले विणए बहुमाणे, उवहाणे तह अनिण्हवणे ।

वंजण अत्थ तदुभये, अड्ढविहो नाणमायारो ॥2॥

ज्ञान काळवेळाए भण्यो-गण्यो नहीं, अकाळे भण्यो  
विनयहीन, बहुमानहीन, योग-उपधानहीन, अनेरा कन्हे भणी  
अनेरो गुरु कह्यो । देव-गुरु वांदणे, पडिक्कमणे, सज्झाय करतां,  
भणतां गणतां, कूडो अक्षर काने मात्राए अधिको-ओछो भण्यो ।

सूत्र कूडुं कह्युं, अर्थ कूडो कह्यो, तदुभय कूडां कहां, भणीने विसर्या । साधुतणे धर्मे काजो अणउद्धर्ये, दांडो अणपडिलेहे, वसति अणशोधे अणपवेसे, असज्झाय अणोज्झायमांहे श्री दशवैकालिक प्रमुख सिद्धांत भण्यो-गण्यो । श्रावकतणे धर्मे स्थविरावली, पडिक्कमणां, उपदेशमाळा, प्रमुख सिद्धांत भण्यो-गण्यो । काळवेळाए काजो अणउद्धर्ये पढ्यो, ज्ञानोपगरण-पाटी, पोथी, ठवणी, कवळी, नवकारवाळी, सापडा, सापडी, दस्तरी, वही, कागळिया ओलिया प्रमुख प्रत्ये पग लाग्यो, थूंक लाग्युं, थूंके करी अक्षर भांज्यो, ओशीसे धर्यो, कने छतां आहार निहार कीधो ।

ज्ञानद्रव्य भक्षतां उपेक्षा कीधी, प्रज्ञापराधे विणाश्यो विणसतां उवेख्यो, छती शक्तिए सार-संभाळ न कीधी, ज्ञानवंत प्रत्ये द्वेष मत्सर चिंतव्यो । अवज्ञा आशातना कीधी, कोइ प्रत्ये भणतां-गणतां अंतराय कीधो । आपणा जाणपणातणो गर्व चिंतव्यो मतिज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान, मनःपर्यवज्ञान, केवलज्ञान ए पंचविध ज्ञानतणी असद्दहणा कीधी । कोइ तोतडो बोबडो देखी हस्यो, वितर्क्यो । अन्यथा प्ररुपणा कीधी ।

ज्ञानाचार विषड्ओ अनेरो जे कोइ अतिचार पक्ष दिवसमांहि सूक्ष्म, बादर जाणतां, अजाणतां हुओ होय, ते सवि हु मन, वचन कायाए करी मिच्छा मि दुक्कडं ॥2॥

TATRA GYĀNĀCHĀRE ĀTHA ATICHARA : -  
KĀLE VIṆAE BAHUMĀÑE, UVAHĀÑE TAHA  
ANINHAVĀÑE;

VAÑJAṆA ATTHA TADUBHAYE, ATTHAVIHO  
NĀṆAMĀYĀRO. (1)



ĀPANĀ JĀṆAPANĀ-TANO GARVA CHIṆTAVYO.  
MATIGYĀNA, SHRUTAGYĀNA, AVADHIGHYĀNA,  
MANAH-PARYAVAGYĀNA, KEVALAGYĀNA E  
PAṆCHAVIDHA GYĀNA TANĒE ASADDAHANĀ  
KEEDHEE, KOI TOTAḌO BOBAḌO DEKHEE HASYO,  
VITARKYO, ANYATHĀ PRARUPANĀ KEEDHEE.

GYĀNĀCHĀRA VIṢAIO ANERO JE KOI  
ATICHĀRA... PAXA. (2)

**दर्शनाचारे आठ अतिचार-**

**निस्संकिय निक्कंखिय, निव्वित्तिगिच्छा अमूढदिट्ठी अ ।  
उववूह थिरीकरणे, वच्छल्लपभावणे अड्ड ॥३॥**

देव गुरु धर्म तणे विषे निःशंकपणुं न कीधुं तथा एकांत निश्चय न कीधो । धर्म-संबंधीया फळतणे विषे निःसंदेह बुद्धि धरी नहीं । साधु-साध्वीनां मल-मलिन गात्र देखी दुगंच्छा निपजावी, कुचारित्रीया देखी चारित्रीया उपर अभाव हुआ. मिथ्यात्वीतणी पूजा प्रभावना देखी मूढदृष्टिपणुं कीधुं । तथा संघमांहे गुणवंततणी अनुपबृंहणा कीधी, अस्थिरीकरण, अवात्सल्य, अप्रीति, अभक्ति निपजावी, अबहुमान कीधुं । तथा देवद्रव्य, गुरुद्रव्य, साधारण द्रव्य, भक्षित उपेक्षित प्रज्ञापराधे विणास्या, विणसतां उवेख्या, छती शक्तिए सारसंभाळ न कीधी ।

तथा साधर्मिक साथे कलह कर्मबंध कीधो । अधोती अष्टपड-मुखकोश पाखे देवपूजा कीधी । बिंब प्रत्ये वासकुंपी धूपधानुं कलश तणो टबको लाग्यो । बिंब हाथथकी पाड्यु उसाँस-

निसास लाग्यो । देहरे उपाश्रये मलश्लेष्मादिक लोह्यु, देहरा मांहे हास्य, खेल, केलि, कुतुहल आहार निहार कीधां । पान, सोपारी, निवेदिआं खांधां । ठवणायरिय हाथथकी पाड्या, पडिलेहवा विसर्या । जिनभवने चोराशी आशातना, गुरु-गुरूणी प्रत्ये तेत्रीस आशातना कीधी होय । गुरुवचन तहत्ति करी पडिवज्युं नहीं ।

दर्शनाचार विषइओ अनेरो जे कोइ अतिचार पक्ष दिवसमांहि सूक्ष्म बादर जाणतां अजाणतां हुओ होय, ते सवि हुं मन, वचन, कायाए करी मिच्छामि दुक्कडं ॥३॥

DARSHANĀCHĀRE ĀṬṬĀATICHĀRA :-  
NISSANĀKIYA NIKKANĀKHIA, NIVVITTIGICHCHĀ  
AMOODHADIṬṬĪĀ,  
UVAVOOHA THIRIKARANE, VACHCHHALLA-  
PPABHĀVANE AṬṬĀ.

DEVA-GURU-DHARMA TAṆE VIṢE NIḤ-  
SHANĀKAPAṆU NA KEEDHU TATHĀ EKĀNTANISCHAYA  
NE KEEDHO. DHARAMA SAMBANDHEEYĀ FALATAṆE  
VIṢE NIḤ-SANDEHA BUDDHI DHAREE NAHEEN  
SĀDHUSĀDHVINĀ MALA-MALINA GĀTRE DEKHEE  
DUGANĀCHĀ NIPAJĀVEE, KUCHĀRITREEYĀ  
DEKHEE CHĀRITREEYĀ UPAR ABHĀVA HUO.  
MITHYĀTVEE TAṆEE POOJA PAHAVANĀ DEKHEE  
MOODHĀ-DRUṢṬIPANU KEEDHU, TATHĀ SAṄGH-  
MĀHE GUṄAVANĀ-TAṆEE ANUPA BRUṆHANĀ

KEEDHEE. ASTHIREEKARAᅇA, AVĀTSALYA, APREETEE, ABHAKTI NIPAJĀVEE. ABAHUMĀNA KEEDHU TATHĀ DEVDRAVYA, GURUDRAVYA, GYĀNADRAVYA, SĀDHĀRANA DRAYA, BHAKSHIT UPEXITA PRAGYĀPARĀDHE VIᅇĀSHYĀ, VIᅇASATĀ UVEKHYĀ, CHHATEE SHAKTIE SĀRA-SAMBHĀLA NA KEEDHEE.

TATHĀ SĀDHARMIKA SĀTHE KALAHAKARMA-BANDHA KEEDHO ADHOTEE, AᅇTAPAᅇA, MUKHAKOSHA, PĀKHE DEVAPOOJĀ KEEDHEE BIMBA PRATYE VĀSAKUMᅇEE, DHOOPADHĀᅇU, KALASHA TAᅇO ᅇHABAKO LAGYO. DEHARE UPĀSHRAYE MALA-SHILEᅇMĀDIKALOHYU. DEHARĀ MĀHE HĀSYA, KHELA, KELEE, KUTUHALA, ĀHĀRA, NIHĀRA KEEDHĀ. PĀNA, SOPĀRI, NIVEDIYĀ KHĀDHĀ, ᅇHAVANĀYARIYA HĀTH THAKEE PĀᅇYĀ, PAᅇILEHAVĀ VISĀRYĀ, JINABHAVANE CHORĀSHEE ĀSHĀTANĀ, GURU GURUᅇI PRATYE TETREESHA ĀSHĀTANĀ KEEDHEE HOYA, GURU-VACHANA 'TAHATTI' KARI PAᅇIVAᅇYU NAHEEN.

DARSHANĀCHĀRA VIᅇA'IO ANERO JE KOI ATTICHĀRA...PAKSHA...(3)

**चारित्राचारे आठ अतिचार –**

**पणिहाणजोगजुत्तो , पंचहिं समिइहिं तीहिं गुत्तीहिं ।**

**एस चरित्तायारो , अड्ढाविहो होइ नायव्वो ।।।**



**ईर्या समिति** ते अणजोए हिंड्या । **भाषा समिति** ते सावद्य वचन बोल्या । **एषणा समिति** ते तृण , डगल , अन्न , पाणी असू-झतुं लीधुं । **आदानभंडनमत्तनिक्खेवणा समिति** ते आसन , शयन , उपकरण , मातरुं प्रमुख अणपूंजी जीवाकुल भूमिकाए मूक्युं लीधुं । **पारिष्ठापनिका समिति** ते मल-मूत्र , श्लेष्मादि अणपूंजी जीवाकुल भूमिकाए परठव्युं । **मनोगुप्ति** मनमां आर्त्त-रौद्र ध्यान ध्यायां । **वचनगुप्ति** सावद्य वचन बोल्या । **कायगुप्ति** शरीर अणपडिलेह्युं हलाव्युं , अणपूंजे बेठा ।

ए अष्ट प्रवचन माता साधुतणे धर्मे सदैव अने श्रावकतणे धर्मे सामायिक पोसह लीधे रुडी पेरे पाल्यां नहीं , खंडणा विराधना हुइ ।

चारित्राचार विषइओ अनेरो जे कोइ अतिचार पक्ष दिवसमांहि सूक्ष्म बादर जाणतां अजाणतांहुओ होय ते सवि हु मन , वचन , कायाए करी , तस्स मिच्छा मि दुक्कडं ॥३॥

CHĀRITRĀCHARE ĀṬḤĀTICHĀRA :-

PAṆIHĀṆA JOGAJUTTO, PAṆCHAHIM SAMI' EEḤIMṬIHIMGUTTEEHIM,

ESA CHARITTĀYĀRO, AṬṬḤAVIHO HOI NĀYAVVO. (3)

IRIYĀ SAMITI-TE ANJOYE HINḌYĀ...BHĀṢĀ SAMITI-TE SĀVADYA VACHANA BOLYĀ...ESANĀ SAMITITE TRUĀĀ, ḌAGALA, ANNA, PĀṆEE, ASUZATU LEEDHU. ĀDĀNA BHANḌAMATTA NIKSHEPANĀ SAMITI- TE ĀSANA, SHAYAN, UPAKARNA MĀTARU, PRAMUKHA AṆAPUṆJEE JEEVĀKULA BHOOMIKĀE

MUKYU LEEDHU. PĀRIṢṬHĀPANIKĀ SAMITI-TE MALA-  
MOOTRA SHLEṢMĀDIKA AṆAPUṆJEE JEEVĀKULA  
BHOOMIKĀE PARATHAVYU, MANO GUPTI MANA MĀ  
ĀRTTA-RAUDRA DHYĀNA DHYĀYĀ, VACHANA GUPTI  
SĀVDYA VACHANA BOLYĀ. KĀYA GUPTI-SHAREERA  
AṆAPADILEHYU HALĀVYU, ANAPOONJE BEETHĀ.

E AṢṬA-PRAVACHANA MĀTĀ SĀDHU TAṆE  
DHARME SADAIVA NE SHRĀVAKA-TAṆE DHARME  
SĀMĀYIKA POSAHA LIDHE, RUḌI PERE PĀLYĀ NAHI  
KHAṆḌAṆĀ VIRĀDHANĀ HUI.

CHĀRITRĀCHĀRA VIṢAIO ANERO JE KOI  
ATICHĀRA... (3)

**विशेषतः श्रावकतणे धर्मे श्री सम्यक्त्वमूल बार व्रत  
सम्यक्त्वतणा पांच अतिचार. संका कंख विगिच्छा०**

**शंका** - श्री अरिहंततणां बल, अतिशय, ज्ञानलक्ष्मी,  
गांभीर्यादिक गुण शाश्वती प्रतिमा, चारित्रीयानां चारित्र, श्री  
जिनवचनतणो संदेह कीधो । **आकांक्षा** ब्रह्मा, विष्णु, महेश्वर,  
क्षेत्रपाल, गोगो, आसपाल, पादर-देवता, गोत्र-देवता, ग्रहपूजा,  
विनायक, हनुमंत, सुग्रीव, वालीनाह इत्येवमादि, देश, नगर,  
गाम, गोत्र, नगरी, जूजूआ देव-देहराना प्रभाव देखी, रोग आतंक  
कष्ट आव्ये इहलोक परलोकार्थे पूज्या-मान्या । सिद्ध विनायक  
जीराउलाने मान्युं-इच्छयुं ।

बौद्ध-सांख्यादि, संन्यासी, भरडा, भगत, लिंगीया,

जोगीया, जोगी, दरवेश अनेरा दर्शनीयातणो कष्ट, मन्त्र, चमत्कार देखी परमार्थ जाण्या विना भूलाव्या मोह्या । कुशाख शीख्यां, सांभळ्यां । श्राद्ध, संवच्छरी, होळी, बळेव, मांहीपूनम, अजापडवो, प्रेतबीज, गौरी त्रीज, विनायक चोथ, नागपंचमी, झीलणा-छट्टी, शील-सातमी, ध्रुव-आठमी, नौली-नवमी, अहवा दशमी, व्रत-अग्यारशी, वत्सबारशी, धन-तेरशी, अनन्त-चउदशी, अमावस्या, आदित्यवार, उत्तरायण, नैवेद्य कीधां । नवोदक, याग, भोग, उतारणां कीधां, कराव्यां अनुमोद्यां । पींपले पाणी घाल्या, घलाव्यां । घर, बाहिर, क्षेत्र, खळे, कूवे, तलावे, नदीए, द्रहे, वावीए समुद्रे, कुंडे पुण्यहेतु स्नान कीधां, कराव्यां, अनुमोद्यां । दान दीधां, ग्रहण, शनैश्वर, महामासे, नवरात्रिए न्हाया । अजाणना थाप्यां अनेरा व्रतव्रतोलां कीधां, कराव्यां ।

**वित्तिगिच्छा** - धर्म संबंधीया फलतणे विषे संदेह कीधो । जिन अरिहंत धर्मना आगार, विश्वोपकारसागर, मोक्षमार्गना दातार इस्या गुण भणी न मान्या-न पूज्या । महासती-महात्माना इहलोक-परलोक संबंधी भोग-वंछित पूजा कीधी । रोग आतंक कष्ट आव्ये खीण वचन भोग मान्या । महात्माना भात-पाणी, मल, शोभातणी निंदा कीधी । कुचारित्रीया देखी चारित्रीया उपर कुभाव हुओ । मिथ्यात्वीतणी पूजा-प्रभावना देखी प्रशंसा कीधी, प्रीति मांडी, दाक्षिण्यलगे तेहनो धर्म मान्यो, कीधो ।

श्री सम्यक्त्व विषइओ अनेरो जे कोइ अतिचार पक्षदिवसमांही सूक्ष्म बादर जाणतां अजाणतां हुओ होय, ते सवि हु मन, वचन, कायाए करी, मिच्छा मि दुक्कडं ॥४॥

VISHEṢATAḤ-SHRĀVAKA TANE DHARME SHRI  
SAMYAKTVA MOOLA BĀRAVRATA, SAMYAKTVA-TANĀ  
PĀNCHATICHĀRA. SANKĀ KAN̄KHA VIGICHHĀ.

SHAṆKĀ-SHRI ARIHANTA-TANĀ BALA  
ATISHAYA, GYĀNALAXMEE, GĀMBHEERYĀDIKA  
GUṆA, SHĀSHVATEE PRATIMĀ, CHĀRITREEYĀ NĀ  
CHĀRITRA, SHREE JINAVACHANA TANO SANDEHA  
KEEDHO, ĀKĀN̄XĀ-BRAHMĀ, VISṆU, MAHESHWAR,  
KSHETRAPĀLA, GOGO, ĀSAPĀLA, PĀDARADEVATĀ,  
GOTRA DEVATĀ, GRAHA-POOJĀ VINĀYAKA,  
HANUMAN̄TA SUGRIVA, VĀLEE NĀHAITYEVAMĀDIKA  
DESHA, NAGARA, GĀMA, GOTRA, NAGEREEI, JUJUĀ,  
DEVE DEHARĀ NĀ PRABHĀVA DEKHEE, ROGA  
ĀTAN̄KA KAṢṬA, ĀVYE IHALOKA PARALOKĀRTHE  
POOJYĀ MANYĀ, SIDDHA VINĀYAK JEERĀULĀNE  
MĀNYU IICHYU.

BAUDDHA SĀNKHYĀDIKA SANYĀSEE,  
BHARAḌĀ, BHAGATA, LINGEEYĀ, JOGEEYA, JOGEE,  
DARVESHĀ, ANERĀ DARSHANEEYĀ TANO KASHTA,  
MAN̄TRA, CHAMATKĀRA DEKHEE, PARAMĀRTHA  
JĀṆYĀ VINĀ BHULĀVYĀ, MOHYĀ, KUSHĀSTRA  
SHIKHYĀ-SAMBHĀLYĀ. SHRĀDDHA, SAṀVATSARI,  
HOLEE, BALEVA, MĀHEE PUNAMA, AJĀPADAVO,  
PRETABEEJA, GAUREE TREEJA, VINĀYAKA CHOTHA,  
NĀGA PANCHAMEE, ZEELANĀ CHHATṬHEE, SHEELA

SĀTAMEE, DHRUVA ĀTHAMEE, NAULEE NAVAMEE, AHAVĀ DASHAMEE, VRATAAGYĀRASHEE, VACHCHHA BĀRASHEE, DHANA TERASHEE, ANANTA CHAUDASHEE, AMĀVĀSYĀ, ĀDITYAVĀRA, UTTARĀYANA, NAIVEDYA KEEDHĀ, NAVODAKA YĀGA, BHOGA, UTĀRAᅇĀ KEEDHĀ KARĀVYĀ, ANUMODHYĀ, PEEMPALE PĀᅇEE GHĀLYĀGHALĀYĀ, GHARA BĀHIRA, KSHETRE, KHALE, KUVE, TALĀVE. NADEE, DRAHE, VĀVEE, SAMUDRE, KUᅇDE, PUNYA HETU SNĀNA KEEDHĀKARĀVYA, ANUM-ODYĀ, DĀNA DEEDHĀ, GRAHAᅇ, SHANAISHCHARA, MAHĀ MĀSE NAVARĀTRIE NHĀYĀ. AJĀNĀNĀ THAPYĀ, ANERĀ VRAT VRATOLĀ KIDHĀ KARĀVYĀ.

'VITIGICHCHĀ-DHARMA SAMBANDHEEYĀ FALA-TANE VIᅇE SAᅇDEHA KEEDHO. JINA, ARIHANTA DHARMA NĀ ĀGĀRA, VISHVOPAKĀRA SĀGARA, MOKSHA-MĀRGA NĀ DĀTĀRA ISYĀ, GUᅇA BHANE, NAMĀNYĀ NA POOJYĀ. MAHĀSATEE, MAHĀTMĀ NEE IHALOKA PARLOKA SAMBANDHEEYĀ BHOGAVĀᅇCHITA POOJĀ KEEDHEE, ROGA, ĀTAᅇKA, KAᅇᅇA ĀVYE KHEᅇA VACHANA BHOGA MĀNYĀ, MAHĀTMĀ NĀ BHĀTA, PĀᅇEE, MALA, SHOBHĀ TAᅇEE NIᅇDĀ KEEDHEE. KUCHĀRITREEYĀ DEKHEE CHĀRITREEYĀ UPARA KUBHĀVA HUO. MITHYĀTVEE TAᅇEE POOJA PRABHĀVANĀ DEKHEE PRASHAᅇSĀ KEEDHEE, PREETEE MĀᅇDE, DĀKSHIᅇYA LAGE TEHANO DHARMA MĀNYO, KEEDHO.

SHREE SAMYAKTVA VIŞAIO ANERO J KOI  
ATICHĀRA...(4)

**पहेले स्थूल प्राणातिपात विरमण व्रते पांच अतिचार-  
वह-बंध-छविच्छेए० ॥**

द्विपद, चतुष्पद प्रत्ये रीसवशे गाढो घाव घाल्यो, गाढे बंधने बांध्यो, अधिक भार घाल्यो । निर्लाछन कर्म कीधां । चारा-पाणीतणी वेळाए सार-संभाळ न कीधी । लेहणे-देहणे किणही प्रत्ये लंघाव्यो तेणे भूख्ये आपणे जम्या, कन्हे रही मराव्यो, बंदीखाने घलाव्यो, सड्या धान्य तावडे नाख्यां, दळाव्यां, भरडाव्यां, शोधी न वावर्या । इंधण, छाणां अणशोध्यां बाळ्यां, तेमांही साप, विंछी, खजुरा, सरवला, मांकड, जुआ, गिंगोडा, साहता मूआ, दुहव्या, रुडे स्थानके न मूक्या । कीडी-मंकोडीना इंडा विछोह्या । लीख फोडी । उदेही, कीडी, मंकोडी, घीमेल, कातरा, चूडेल, पतंगियां, देडकां, अलसियां, इयळ, कुंता, डांस, मसा, बगतरा, माखी, तीड प्रमुख जीव विणट्टा । माळा हलावतां-चलावतां पंखी, चकला, कागतणा इंडा फोड्या । अनेरा एकेंद्रियादिक जीव विणास्या, चांप्या, दुहव्या । कांइ हलावता-चलावता पाणी छांटता, अनेरा कांइ काम-काज करता निर्ध्वसपणु कीधु । जीवरक्षा रुडी न कीधी । संखारो सुकव्यो । रूंडु गळणु न कीधुं, अणगळ पाणी वावर्युं, रुडी जयणा न कीधी, अणगळ पाणीए झील्य्या, लुगडा धोया । खाटला तावडे नाख्या, झाटक्या । जीवाकुलभूमि लींपी । वाशी गार राखी । दळणे, खांडणे, लींपणे रुडी जयणा न कीधी । आठम चउदशना नियम भांग्या । धूणी करावी ।

पहेले स्थूल-प्राणातिपात-विरमण व्रत-विषड्ओ अनेरो जे कोड् अतिचार पक्षदिवसमांहि सूक्ष्म बादर जाणता, अजाणता हुओ होय ते सवि हु मन, वचन, कायाए करी मिच्छामि दुक्कडं ॥1॥

PAHALE STHOOLA PRĀNĀTIPĀTA VIRAMAṆ-  
AVRATE PĀNCHAATICHRA:

VAHA BANDHA CHHAVICH-CHHEE-

DVIPADA CHATUṢPADA PRATYE RISAVASHE  
GĀḌHO GHĀVA GHĀLYO, GĀḌHE BANDHANE  
BĀṆDHYO, ADHIKA BHĀRA GHĀLYO, NIRLĀNCHHANA  
KARMA KEEDHĀ, CHĀRĀ PĀṆEE TANEE VELĀE SĀR  
SAMBHĀLA NA KEEDHEE, LEHANE DEHANE KIṆAHEE  
PRATYE LANGHĀVYO, TEHANE BHOOKHYE ĀPANE  
JAMYA, KANHE RAHI MARĀVYO, BANDIKHĀNE  
GHALĀVYO, SALYĀ DHĀNYA TĀVAḌE NĀKHYĀ,  
DALĀVYĀ, BHARḌĀVYĀ, SHODHEE NA VĀVARYĀ,  
INḌHANA, CHHĀNĀ ANASHODHYĀ, BALLYĀ, TEMAHI  
SĀP, VICCHEE, KHAJURA, SARAVALĀ, MĀṆKADĀ,  
JUĀ, GIṆGOḌĀ SĀHATĀ MOOĀ, DUHAVYĀ, RUḌE  
STHĀNAKE NA MUKYĀ, KEEḌEE, MAṆKOḌEE NĀ  
INḌĀ VICHHOHYĀ, LIKHA PHOḌEE, UDEHEE,  
KEEḌEE, MAṆKOḌEE GHEEMELA, KĀTARĀ,  
CHOOḌELA, PATANĠEEYĀ, DEḌAKĀ, ALASEEYĀ,  
EYALA, KUNTĀ, ḌĀNSA, MASĀ, BAGATARĀ, MĀKHEE,  
TEEḌA PRAMUKHA JEEVA VIṆAṬṬHĀ, MĀLĀ,

HALĀVATĀ CHALĀVATĀ PAṆKHEE, CAHKALĀ, KĀGA  
 TANĀ INḌĀ PHOḌYĀ, ANERĀ EKINDRIYĀDIK JEEV  
 VIṆĀSYĀ, CHĀMPYĀ, DHUHAVYĀ. KĀI HALĀVTĀ -  
 CHALĀVTĀ PĀNI CHĀNTA ANERĀ KĀI KĀMA KĀJA  
 KARATĀ NIRDVAṆSPANU KEEDHU, JEEVARAKSHĀ  
 RUḌI NA KEEDHEE, SAṆKHĀRO SUKAVYO, RUḌU  
 GALAṆU NA KEEDHU, ALAGAṆA PĀNEE VĀPARYU,  
 RUḌEE JAYAṆĀ NA KEEDHEE, ALAGAṆA PĀNEE'E  
 ZILYĀ, LUGAḌĀ DHOYĀ. KHĀṬALĀ TĀVAḌE,  
 NĀKHYĀ, ZĀṬAKYĀ, JEEVĀKULA BHOOMI LIMPI,  
 VĀSHEE GĀRA RĀKHEE, DALAṆE KHANDANE,  
 LEEMPANE RUḌI JAYANĀ, NA KEEDHEE. ĀṬḤAMA  
 CHAUDASHA NĀ NIYAMA BHĀṆGYĀ, DHOONI  
 KARĀVEE. PAHELE STHoola PRĀṆĀTIPĀTA  
 VIRAMAṆAVRATA VIṢAIO ANERO JE KOI ATICHĀRA (1)

**बीजे स्थूल मृषावाद विरमण व्रते पांच अतिचार—  
 सहसा रहस्स दारे० ॥**

सहसात्कारे कुणहिप्रत्ये अजुगतु आळ अभ्याख्यान दीधु ।  
 स्वदारा मंत्रभेद कीधो । अनेरा कुणहिनो मंत्र आलोच, मर्म  
 प्रकाश्यो । कुणहीने अनर्थ पाडवा कूडी बुद्धि दीधी, कूडो लेख  
 लख्यो, कूडी साख भरी । थापणमोसो कीधो । कन्या, गौ, ढोर,  
 भूमि संबंधी लेहणे देहणे व्यवसाय वाद-वढवाड करता मोटकु  
 जूटुं बोल्या । हाथ-पगतणी गाळ दीधी । कडकडा मोड्या । मर्म  
 वचन बोल्या ।



बीजे स्थूल-मृषावाद-विरमण-व्रत-विषड्ओ अनेरो जे कोइ अतिचार पक्ष दिवसमाहि सूक्ष्म बादर जाणता, अजाणता हुओ होय ते सवि हु मन, वचन कायाए करी मिच्छा मि दुक्कडं ॥2॥

BIJE STHULA MRUṢĀVĀDA VIRAMAṆAVRATE  
PĀNCHAATICHĀRA:

SAHASĀ RAHASSADĀRE –

SAHASĀTKĀRE KUNAHEE PRATYE AJUGATU  
ĀLA-ABHYĀKHYĀNA DEEDHU, SVADĀRĀ  
MAṆTRABHEDA KEEDHO, ANERĀ KUṆAHI NO  
MAṆTRA ĀLOCHA MARMA PRAKĀSHYO, KUṆAHI NE  
ANARTHA PĀḌAVĀ KUḌEE BUDDHI DEEDHEE, KUḌO  
LEKHA LAKHYO, KUḌEE SĀKH BHAREE, THĀPAṆA  
MOSO KEEDHO, KANYĀ, GAU DḐORA BHOOMI  
SAḐBANDHEE LEHAṆE DEHAṆE VYAVASĀYE VĀDA  
VADḐAVĀḌA KARATĀ MOṬAKU JUṬḐU BOLYĀ,  
HĀTHA-PAGA TANE GĀLA DEEDHEE. KAḌAKAḌĀ  
MODYĀ, MARMA VACHANA BOLYĀ.

BEEJE STHoola MRUṢĀVĀDA VIRAMAṆA  
VRAT VIṢAIO ANERO JE KOI ATICHĀRA...(2)

**त्रीजे स्थूल अदत्तादान विरमणव्रते पांच अतिचार—  
तेनाहडप्पओगे ॥**

घर, बाहिर, क्षेत्र, खळे, पराइ वस्तु अणमोकली लीधी,  
वावरी, चोराइ वस्तु वहोरी । चोर, धाड प्रत्ये संकेत कीधो, तेहने  
संबल दीधुं, तेहनी वस्तु लीधी । विरुद्ध राज्यातिक्रम कीधो ।

नवा-पुराणा , सरस-विरस , सजीव-निर्जीव वस्तुना भेळसंभेळ कीधा । कूडे , काटले , तोले , माने , मापे वहोर्या । दाणचोरी कीधी । कुणहिने लेखे वरास्यो । साटे लांच लीधी । कुडो करहो काढ्यो । विश्वासघात कीधो । परवंचना कीधी । पासंग कूडा कीधा । दांडी चढावी । लहके-त्रहके कूडा कांटला , मान मापा कीधा ।

माता , पिता , पुत्र , मित्र , कलत्र वंची कुणहिने दीधु । जुदी गांठ कीधी । थापण ओळवी । कुणहिने लेखे-पलेखे भुलब्यु । पडी वस्तु ओळवी लीधी ।

त्रीजे स्थूल अदत्तादान विरमणव्रत विषइओ अनेरो जे कोइ अतिचार पक्ष दिवसमांहि सूक्ष्म बादर जाणतां , अजाणता हुओ होय ते सवि हु मन , वचन कायाए करी मिच्छ मि दुक्कडं ॥३॥

TREEJE STHOOLA ADATTĀDĀNA VIRAMAṆA-  
VRATE PĀṆCHAATICHĀRA: TENĀ-HAḌAPPAOGE-

GHARA, BĀHIR, KSHETRE, KHALE PARĀ'EE  
VASTU AṆAMOKHALEE LEEDHEE, VĀVAREE,  
CHORĀ'EE VASTU VAHOREE, CHORA DHĀḌA  
PRATYE SAṆKETA KEEDHO, TEHANE SAMBALA  
DEEDHU, TEHANE VASTU LEEDHEE, VIRUDDHA  
RĀJYĀTIKRAMA KEEDHO, NAVĀ PURĀṆĀ, SARASA,  
VIRASA, SAJIVA, NIRJEEVA VASTU NĀ BHELA-  
SAMBHELA KEEDHĀ, KUḌE KĀTALE, TOLE, MĀNE,  
MĀPE VAHORYĀ, DĀṆCHOREE KEEDHEE. KUṆAHEE  
NE LEKHE VARĀṆSYO, SĀTE LĀṆCHA LEEDHEE,

KUḌO KARAHO KĀḌHYO, VISHVĀSAGHĀTAKEDHO,  
PARAṆCHANĀ KEEDHEE, PĀSANGA KUḌĀ  
KEEDHA, DANḌEE CHAḌHĀVI, LAHAKE, TRAHAKI,  
KUḌĀ KĀTALĀ, MĀNAMĀPĀ KEEDHĀ,

MĀTĀ, PITĀ, PUTRA, MITRA, KALATRA  
VAṆCHEE KUNĀHEE NE DEEDHU, JUDEE GĀNṬHA  
KEEDHEE, THĀPAṆA OLAVEE, KUNĀHEE NE LEKHE  
PALEKHE BHULĀVYU, PAḌEE VASTU OLAVEE  
LEEDHEE.

TREEJE STHOOLA ADATTĀDĀNA VIRAMAṆA  
VRATA VIṢAIO ANERO JE KOI ATICHĀRA...(3)

**चोथे स्वदारा-संतोष-परस्त्रीगमन विरमण-व्रते पांच  
अतिचार—अपरिगृहीतागमन**

अपरिगृहीतागमन, इत्वर परिगृहीतागमन कीधु, विधवा,  
वेश्या, परस्त्री, कुलांगना, स्वदारा-शोक-तणे विषे दृष्टिविपर्यास  
कीधो । सराग वचन बोल्या । आठम, चउदश, अनेरी पर्वतिथिना  
नियम लइ भांग्या । घरघरणां कीधां-कराव्यां । वर-वहु वखाण्या ।  
कुविकल्प चिंतव्यो । अनंगक्रीडा कीधी । स्त्रीना अंगोपांग नीरख्या ।  
पराया विवाह जोड्या । ढींगला-ढींगली परणाव्या । काम-भोगतणे  
विषे तीव्र अभिलाष कीधो ।

अतिक्रम, व्यतिक्रम, अतिचार, अनाचार सुहणे स्वप्नान्तरे  
हुआ । कुस्वप्न लाध्यां । नट, विट, स्त्रीशु हांसु कीधुं ।

चोथे स्वदारा संतोष-परस्त्रीगमन विरमण व्रत विषइओ  
अनेरो जे कोइ अतिचार पक्ष दिवसमांहि सूक्ष्म बादर जाणतां,

अजाणतां हुआओ होय ते सवि हु मन , वचन कायाए करी मिच्छा मि  
दुक्कडं ॥4॥

CHOTHE SVADĀRĀ SANTOṢA,  
PARASTREEGAMANA VIRAMAṆAVRATE  
PĀṄCHAATICHĀRA:

APARIGGAHIYĀ-ITTARA:

APARI GRUHITĀ GAMANA, ITVARA  
PARIGRUHITĀ GAMANA KEEDHU, VIDHAVĀ, VESHYĀ,  
PARASTRI, KULĀṄGANĀ, SVADĀRĀ SHOKA-TANE  
VIṢE DRUṢṬI-VIPARYĀSA KEEDHO, SARĀGA  
VACHANA BOLYĀ. ĀTHAMA CHAUDASHA ANERI  
PARVATITHI NĀ NIYAMA LAI BHĀṄGYĀ,  
GHARAGHARĀṄ KEEDHĀ, KARĀVYĀ, VARA-VAHU  
VAKHĀNYĀ, KUVIKALPA CHINTAVYO, ANAṄGA-  
KREEDĀ KEEDHEE, STREENĀ ANGOPĀṄGA  
NEERAKHYĀ, PĀRĀYĀ VIVĀHA JODYĀ, DḤEṄGALĀ  
DḤEṄGALEE PAEAṆĀVYĀ, KĀMABHOGA TANE VIṢE  
TEEVRA ABHILĀṢA KEEDHO,

ATIKRAMA, VYATIKRAMA, ATICHĀRA,  
ANĀCHĀRA, SUHAṆE SVAPANĀṆTARE HUĀ,  
KUSVAPNALĀDHYĀ, NAṬA, VIṬA, STREESHU HĀṆSU  
KEEDHU.

CHOTHE SVADĀRĀ SANTOṢA, PARASTRI-  
GAMANA VIRAMAṆA VRATA VIṢAIO, ANERO JE KOI  
ATICHĀRA...(4)

## पांचमे परिग्रह परिमाण व्रते पांच अतिचार— धणधन्न-खित्त-वत्थु०

धन, धान्य, क्षेत्र, वास्तु, रुप्य, सुवर्ण, कुप्य, द्विपद, चतुष्पद, ए नवविध परिग्रहतणा नियम उपरांत वृद्धि देखी मूर्च्छा लगे संक्षेप न कीधो । माता, पिता, पुत्र, स्त्रीतणे लेखे कीधो । परिग्रह-परिमाण लीधुं नहीं, लइने पढ्युं नहि, पढवुं विसार्युं, अलीधुं, मेल्युं, नियम विसार्या ।

पांचमे परिग्रह परिमाणव्रत विषइओ अनेरो जे कोइ अतिचार पक्ष दिवसमांहि सूक्ष्म बादर जाणतां, अजाणतां हुओ होय ते सवि हु मन, वचन, कायाए करी तस्स मिच्छा मि दुक्कडं ॥5॥

PĀÑCHAME PARIGRAHA PARIMĀNAVRATE  
PĀÑCHAATICHĀRA: DHANA-DHANNA-KHITTA VATTHU-  
DHANA, DHĀNYA, KSHETRA, VĀSTU, RUPYA,  
SUVARṆA, KUPYA, DVIPADA, CHATUṢPADA E  
NAVAVIDHA PARIGRAHA TAṆĀ NIYAMA UPARĀṆṬA  
VṚUDDHEE DEKHEE, MURCHHĀ LAGE SAṆKSHEPA  
NA KEEDHO. MĀTĀ, PITĀ, PUTRA, STREE TAṆE  
LEKHE KEEDHO, PARIGRAHA PARIMĀṆA LEEDHU  
NAHEE, LAINE PADHYU NAHI, PADHAVU VISĀRYU,  
ALEEDHU MELYU, NIYAMA VISĀRYĀ.

PĀÑCHAME PARIGRAHA PARIMĀṆA VRATA  
VISAIO ANERO JE KOI ATICHĀRA... (5)

## छट्टे दिक्परिमाणव्रते पांच अतिचार—

गमण्णस्स उ परिमाणे० ॥

उर्ध्वदिशि, अधोदिशि, तिर्यग्-दिशि ए जावा आववा-तणा नियम लइ भांग्या । अनाभोगे विस्मृति लगे अधिक भूमि गया । पाठवणी आधी-पाछी मोकली । वहाण व्यवसाय कीधो । वर्षाकाळे गामतरु कीधु । भूमिका एक गमा संक्षेपी, बीजी गमा वधारी ।

छट्टे दिक्-परिमाणव्रत विषइओ अनेरो जे कोइ अतिचार पक्ष दिवसमाहि सूक्ष्म बादर जाणतां, अजाणतां हुओ होय ते सवि हु मन, वचन कायाए करी तस्स मिच्छा मि दुक्कडं ॥6॥

CHHAṬṬHE DIGPARIMĀṆA VRATE PĀNCHA  
ATICHĀRA:

GAMAṆASSA U PARIMĀṆE –

URDHVADISHI, ADHODISHI, TIRYAGDISHIE  
JĀVĀ-ĀVAVĀ TANĀ NIYAMA LA'EE BHĀṆGYĀ,  
ANĀBHOGĒ VISMURTI LAGE ADHIK BHOOMI GAYĀ  
PĀṬHAVANĒE ĀGHEE PĀCHHEE MOKALEE, VAHĀṆA  
VYAVASĀYA KEEDHO, VARṢĀKĀLE GĀMĀṆTARU  
KEEDHU. BHOOMIKĀ EKA GAMĀ SANXEPEE, BEEJEE  
GAMĀ VADHĀREE. CHHAṬṬHE DIKPARIMĀṆA VRATA  
VIṢAIO ANERO JE KOI ATICHĀRA... (6)

सातमे भोगोपभोग विरमणव्रते भोजन आश्रयी पांच अतिचार  
अने कर्महुंती पंदर अतिचार, एवं वीश अतिचार—

## सचित्ते पडिबद्धे०

सचित्त नियम लीधे अधिक सचित्त लीधुं । अपक्वाहार  
दुष्पक्वाहार, तुच्छौषधितणु भक्षण कीधु । ओळा, उंबी, पोंक,  
पापडी, खांधा ।

**सचित्त-दव्व-विगइ-वाणह तंबोल-वत्थ-कुसुमेसु,  
वाहण-सयण-विलेवण, बंभ-दिसि-ण्हाण-भत्तेसु ॥१॥**

ए चौद नियम दिनगत रात्रिगत लीधा नही, लइने भांग्या ।  
बावीश अभक्ष्य, बत्रीश अनंतकायमांहि आदु, मूळा, गाजर,  
पिंड, पिंडालुं, कचूरो, सूरण, कुणी-आंबली, गलो, वाघरडा  
खांधा । वाशी कठोळ, पोली रोटली, त्रण दिवसनु ओदन लीधुं ।  
मधु महंडा, माखण, माटी, वेंगण, पीलु, पीचु, पंपोटा, विष,  
हिम, करहा, घोलवडा, अजाण्यां फळ, टींबरु, गुंदा, महोर,  
बोळ अथाणु, आम्बलबोर, काचुं मीटुं, तिल खसखस कोटिंबडा  
खांधा । रात्रिभोजन कीधां । लगभग वेळाए वाळुं कीधु । दिवस  
विण उगे शिराव्या तथा कर्मतः पंदर कर्मादान । इंगाल-कम्मे,  
वणकम्मे साडी-कम्मे, भाडी कम्मे, फोडी कम्मे-ए पांच कर्म ।  
दंतवाणिज्य, लक्ख-वाणिज्य, रस-वाणिज्य, केस-वाणिज्य,  
विस-वाणिज्य-ए पांच वाणिज्य । जंतपिल्लण-कम्मे, निल्लंछण-  
कम्मे, दवग्गि-दावणया, सर-दह-तलाय-सोसणया, असइ-  
पोसणया-ए पांच सामान्य । ए पांच कर्म, पांच वाणिज्य, पांच  
सामान्य एवं पंदर कर्मादान बहुसावद्य, महारंभ, रांगण, लीहाला  
कराव्या । ईंट निभाडा पकाव्या । धाणी, चणा, पक्वान्न करी  
वेच्या । वाशी माखण तवाव्या । तिल व्होर्या, फागणमास उपरांत

राख्या । दलीदो कीधो, अंगीठा कराव्या । श्वान, बिलाडा, सूडा, सालहि पोष्या । अनेरा जे कांड बहु सावद्य खरकर्मादिक समाचर्या । वाशी गार राखी । लींपणे गुंपणे महारंभ कीधो । अणशोध्या चूला संधुक्या । घी, तेल, गोळ, छाश तणां भाजन उघाडा मूक्यां । तेमांहि माखी, कुंती, उंदर, गीरोली पडी, कीडी चडी, तेनी जयणा न कीधी ।

सातमे भोगोपभोग विरमणव्रत विषड्ओ अनेरो जे कोड् अतिचार पक्ष दिवसमांहि सूक्ष्म बादर जाणतां, अजाणतां हुओ होय ते सवि हु मन, वचन कायाए करी मिच्छ मि दुक्कडं ॥७॥

SĀTAME BHOGOPABHOGA VIRAMAṆAVRATE  
BHOJANA ĀSHRAYEE PĀNCHA ATICHĀRA ANE  
KARMA HUNTI PAṆDARA ATICHĀRA EVM VEESHA  
ATICHĀRA: SACHITTE PAḌIBADDHE –

SACHITTA NIYAMA LEEDHE ADHIKA SACHITTA  
LEEDHU. APAKVĀHĀRA, DUPAKVĀHĀRA,  
TUCHCHHAUSADHI TAṆU BHAKSHAṆA KEEDHU, OLĀ,  
UMBI, PONKA PĀPADEE KHĀDHĀ.

SACHITTA-DAVA-VIGAI, VĀṆAHA-TAMBOLA-  
VATTHA-KUSUMESU, VĀHAṆA-SAYANA-VILEVANA,  
BAMBHA-DISI NHĀṆA BHATTESU (1)

E CHAUSA NIYAMA DINAGATA, RĀTRIGATA  
LEEDHĀ NAHI, LA'INE BHĀṆGYĀ. BĀVEESHA  
ABHAXYA, BETREESHA ANAṆTAKĀYA MĀHEE ĀDU,  
MOOLĀ, GĀJARA, PIṆḌA, PIṆḌĀLU, KACHURO,



SURANA, KUNEE AMBALEE, GALO, VAGHARADĀ  
KHĀDHĀ, VĀSHEE KATHOLA, POLEE ROTALEE,  
TRANA DEVASA NU ODANA LEEDHU. MADHU,  
MADHUḌĀ, MĀKHANA, MĀṬEE, VENĠANA, PEELU,  
PECHU, PAMPOṬĀ, VIṢA, HIMA, KARAHĀ,  
GHOLAVADĀ, AJĀNYĀ FALA, ṬIMBARU, GUNḌĀ,  
MAHORA, BOLA-THĀNU, AMBALABORA, KĀCHU  
MEETHU, TILA, KHASAKHASA, KOṬHIMBADĀ,  
KHĀDHĀ, RĀTREEBHJANA KEEDHĀ, LAGABHAGA  
VELĀE VĀLU KEEDHU, DIVASA VIṆA UGE SHIRĀVYĀ  
TATHĀ KARMATAḤ PANNARA KARMĀDĀNA-

INĠĀLA-KAMME, VAṆA-KAMME, SĀDEE-  
KAMME, BHĀḌEE-KAMME, PHOḌEE-KAMME E  
PĀNCHA KARMA.

DANṬA-VĀṆIJYA, LAKKHA-VĀṆIJYA, RASA  
VĀṆIJYA, KESHA VĀṆIJYA, VISA VĀṆIJYA E PĀNCHA  
PĀNCHA VĀṆIJYA.

JANṬAPILLAĀN-KAMME, NILLANCHAṆA-  
KAMME, DAVVAGGI DĀVAṆYĀ SARADAHATALĀYA,  
SOSANAYĀ, ASA'I POSANAYĀ, E PĀNCHA SĀMĀNYA.

E' PĀNCHA KARMA, PĀNCHA VĀṆIJYA,  
PĀNCHA SĀMĀNYA EVAM PANNARA KARMĀDĀNA  
BAHUSĀVDYA MAHĀRAMBHA, RĀṆĠANA, LEEHĀLĀ  
KARĀVYĀ, INṬA NIBHĀḌĀ PAKĀVYĀ. DHĀṆEE,  
CHAṆ, PAKVĀNNA KAREE VECHYĀ, VĀSHEE

MĀKHAṆA TAVĀVYĀ, TILA VAHORYĀ, FĀGAṆA MĀSA  
 UPARĀṆTA RĀKHYĀ, DALEEDO KEEDHO.  
 AṄGEETHĀ KARĀVYĀ, SHVĀNA, BILĀDĀ, SUḌĀ,  
 SĀLAHI POṢYĀ. ANERĀ JE KĀI BAHU SĀVADYA  
 KHARA-KARMĀDIKA SAMĀCHARYĀ, VĀSHEE GĀRA  
 RĀKHEE. LIMṖANE, GUMṖANE MĀHĀRAMBHA  
 KEEDHO. ANASHODHYĀ CHOOLĀ SANDHROOKYĀ.  
 GHEE, TELA, GOLA, CHHĀSHA TAṆĀ BHĀJANA  
 UGHĀḌĀ MOOKHYĀ, TE MĀHEE MĀKHEE, KUNṬEE,  
 UNḌARA, GIROLEE PAḌEE, KEEḌEE CHAḌEE, TENEE  
 JAYANĀ NA KEEDHEE.

SĀTAME BHOGOPABHOGA VERAMAṆA VRATA  
 VIṢAIO ANERO JE KOI ATTICHĀRE...(7)

**आठमे अनर्थदंड विरमणव्रते पांच अतिचार—**

**कंदप्पे कुक्कुडए० ॥**

कंदर्प लगे, विटचेष्टा, हास्य, खेल, कुतूहल कीधा ।  
 पुरुष-स्त्रीना हावभाव, रूप-शृंगार, विषयरस वखाण्या । राजकथा,  
 भक्तकथा, देशकथा, स्त्रीकथा कीधी । पराड तांत कीधी, तथा  
 पैशुन्यपणुं कीधुं । आर्त-रौद्र ध्यान ध्यायां ।

खांडा, कटार, कोश, कुहाडा, रथ, उखल, मुशल,  
 अग्नि, घरंटी, निसाहे, दातरडां प्रमुख अधिकरण मेली दाक्षिण्य  
 लगे मांग्या आप्या । पापोपदेश कीधो । अष्टमी, चतुर्दशीए खांडवा  
 दळवातणा नियम भांग्या ।

मुखरपणा लगे असंबद्ध वाक्य बोल्या, प्रमादाचरण सेव्या ।  
 अंघोले, नाहणे, दातणे, पगधोअणे, खेल, पाणी, तेल, छांट्या,  
 झीलणे झीलया, जुगटे रम्या, हिंचोळे हिंच्या, नाटक प्रेक्षणक  
 जोया । कण, कुवस्तु, ढोर लेवराव्यां, कर्कश वचन बोल्या ।  
 आक्रोश कीधा । अबोला लीधा । करकडा मोड्या । मच्छर धर्यो ।  
 संभेडा लगाड्या । श्राप दीधा । भेंसा, सांढ, हुडु, कुकडा,  
 श्वानादि झुझार्या, झुझता जोया । खादि लगे अदेखाइ चिंतवी ।  
 माटी, मीतुं, कण कपासिया, काजविण चांप्या, ते उपर बेठा ।  
 आली वनस्पति खूंदी, सूइ, शस्त्रादिक निपजाव्या । घणी निद्रा  
 कीधी । राग-द्वेष लगे एकने ऋद्धि परिवार वांछि, एकने मृत्युहानि  
 वांछि ।

आठमे अनर्थदंड विरमणव्रतविषइओ अनेरो जे कोइ  
 अतिचार पक्ष दिवसमांहि सूक्ष्म बादर जाणतां अजाणतां हुओ  
 होय ते सवि हु मन, वचन कायाए करी मिच्छा मि दक्कडं ॥८॥

ĀṬHAME ANARTHADANḌA VIRAMAṆAVRATE  
 PĀṆCHAN ATICHĀRA : KAṆDAPPE KUKKUIE -

KANḌARPPA LAGE VIṬACHEṢṬĀ, HĀSYA,  
 KHELA, KUTUHALA KEEDHĀ. PURUṢA. STREE NĀ  
 HĀVA-BHAVA, RUPA-SHRUṆGĀRA, VIṢAYA RASA  
 VAKHĀṆYĀ, RĀJAKATHĀ, BHAKTAKATHĀ,  
 DESHAKATHĀ, STREE KATHĀ KEEDHEE, PARĀ'EE  
 TĀṆTA KEEDHEE TATHĀ PAISHUNYA PAṆU KEEDHU,  
 ĀRTTA-RAUDRA DHYĀNA DHYĀYĀ, KHĀṆḌĀ,  
 KATĀRAKOSHA KUHĀḌĀ RATHA, UKHALA, MUSHALA,

AGNI, GHARANTI, NISĀHE, DĀTATRAḌĀ, PRAMUKHA  
 ADHIKARĀNA MELEE, DAKSHIṆYA LAGE MĀṄGYĀ,  
 ĀPYĀ, PĀPOPADESHA KEEDHO, AṢṬAMEE  
 CHATRUDASHIE KHĀṆḌAVĀ, DALAVĀ TANĀ NIYAMA  
 BHĀṄGYĀ, PRAMĀDĀ CHARĀNA SEVYĀ, ANGHOLE,  
 NAHANE, DANṬANE, PAGADHOANE, KHEL PĀṆEE  
 TELA CHHĀṆTYĀ, ZEELANE ZEELYĀ, JUGATE RAṆYĀ,  
 HIṆCHOLE HIṆCHYĀ, NĀṬAKA PREKSHAṆAKA JOYĀ,  
 KANA, KUVASTU, DHORA LEVARĀVYĀ, KARKASHA  
 VACHANA BOLYĀ, ĀKROSHA KEEDHĀ, ABOLĀ  
 LEEDHA KARAKAḌĀ MODYĀ, MACHCHHARA  
 DHARYO, SAMBHEḌĀ LAGĀḌYĀ, SHRĀPA, DEEDHĀ,  
 BHENSĀ, SANDHĀ, HUḌḌU, KUKAḌĀ, SHVĀNĀDIKA  
 ZUZĀRYĀ, ZUZATĀ JOYĀ, KHĀDEE LAGE ADEKHĀI  
 CHIṆTAVEE. MĀṬEE, MEEṬHU, KAṆA, KAPĀSEEYĀ,  
 KĀJA VIṆA CHĀṆPYĀ, TE UPARA BEṬHĀ, ĀLI  
 VANASPATHEE KHUṆDEE, SUI SHASTRĀDIKA  
 NIPAJĀVYĀ, GHANEE NIDRĀ KEEDHEE, RĀGA-DVEṢA  
 LAGE EKANE RṬUDDHI PARIVĀRA VĀṆCHHEE, EKANE  
 MRUTYU-HĀNEE VĀṆCHHEE.

ĀṬHAME ANARTHADANḌA VIRAMAṆA VRATA  
 VIṢA'IOANERO JE KOI ATTICHĀRA...(8)

**नवमे सामायिक व्रते पांच अतिचर—**

**तिविहे दुष्पणिहाणे० ॥**

सामायिक लीधे मने आहट्ट दोहट्ट चिंतव्युं , सावद्य वचन बोल्या । शरीर अणपडिलेह्युं हलाव्युं । छती वेळाए सामायिक न लीधुं ।

सामायिक लइ उघाडें मुखे बोल्यां , उंघ आवी । वात , विकथा , घरतणी चिंता कीधी , वीज दीवा तणी उजेहि हुइ । कण , कपासीया माटी , मींटु , खडी , धावडी , अरणेट्टो , पाषाण प्रमुख चांप्या । पाणी , नील , फूल , सेवाल , हरियकाय , बीयकाय इत्यादि आभड्या । स्त्री , तिर्यचतणा निरंतर परम्पर संघट्ट हुआ । मुहपत्तिओ संघट्टी । सामायिक अणपूग्युं पार्युं , पारवुं विसार्युं ।

नवमे सामायिक व्रत विषइओ अनेरो जे कोइ अतिचार पक्षदिवसमांहि सूक्ष्म बादर जाणतां अजाणतां हुओ होय ते सवि हु मन , वचन , कायाए करी मिच्छा मि दक्कडं ॥9॥

NAVAME SĀMĀYIKA VRATE PĀNCHAATICHĀRA:  
TIVIHE DUPPANIHĀNE –

SĀMĀYIKA LEEDHE MANE ĀHATTA DOHAṬṬA  
CHINṬAVYU, SĀVADHYA VACHANA BOLYĀ, SHAREERA  
AṆAPADILEHYU HALĀVYU, CHATTEE VELĀE  
SĀMĀYIKA NA LEEDHU.

SĀMĀYIKA LA'I UGHĀDE MUKHE BOLYĀ,  
UNGHĀ ĀVI, VĀTA VIKATHĀ GHARA TAṆEE CHINTĀ  
KEEDHEE, VEEJA DEEVĀ TAṆEE UJJEHEE HUI, KAṆA  
KAPĀSIYĀ, MĀTEE, MEETHU, KHAḌEE, DHĀVAḌEE,  
ARAṆETTO, PĀṢĀNA PRAMUKHA CHĀMPYĀ, PĀṆEE,  
NEELA, PHULA, SEVĀLA, HARIYA-KĀYA, BIYA-KĀYA

ITYĀDIKA ĀBHADYĀ, STREE-TIRYAᅆCHA TANĀ  
NIRANᅆTARA PARAMPARA SAᅆGHATᅆTA HUĀ,  
MUHAPATTIO SAᅆGHATᅆᅆᅆ, SĀMĀYIKA ANAPUGYU  
PĀRYU, PĀRAVU VISĀRYU.

NAVAME SĀMĀYIKAVRATA VIᅆAIO ANERO JE  
KOI ATICHĀRA....(9)

**दशमे देशावगाशिक व्रते पांच अतिचार—  
आणवणे पेसवणे० ॥**

आण-वणप्पओगे, पेसवणप्पओगे, सद्दणुवाइ, रुवाणुवाइ,  
बहियापुग्गल-पक्खेवे । नियमित भूमिकामांहि बाहिर थी कांइ अणाव्युं,  
आपण कन्हे थकी बाहेर काइ मोकल्युं । अथवा रूप देखाडी,  
कांकरो नाखी, साद करी आपणापणुं छतुं जणाव्युं ।

दशमे देशावगासिक व्रत विषइओ अनेरो जे कोइ अतिचार  
पक्षदिवसमांहि सूक्ष्म बादर जाणतां अजाणतां हुओ होय ते सवि  
हु मन, वचन, कायाए करी मिच्छा मि दक्कडं ॥10॥

DASHME DESHĀVAGĀSIKA VRATE PANCHA  
ATICHĀRA:

ĀᅆAVANE PESAVANE – ĀᅆAVANA-PPAUGE,  
PESAVANA PAUGE, SADDĀᅆNUVAI, RUVĀᅆNUVAI,  
BHAIYA-PUGGALA PAKKHEVE, NIYAMITA BHUMIKĀ  
MĀHI BĀHIRA THI KĀI ANĀVYU, ĀPANA KANHE THAKI  
BAHERA KĀI MOKALYU, ATHAVĀ ROOPA DEKHĀᅆᅆ,  
KĀᅆKARO NĀKHEE, SĀDA KAREE ĀPANAPANU  
CHHATU JANĀVYU. DASHAME DESHĀVAGĀSIKA

VRATA VISAIO ANERO JE KOI ATICHĀR...(10)

**अगियारमे पौषधोपवास व्रते पांच अतिचार—**

**संथारुच्चरविहि० ॥**

अप्पडिलेहिय, दुप्पडिलेहिय, सिज्जासंथारए, अप्पडिलेहिय, दुप्पडिलेहिय, उच्चार-पासवण भूमि । पोसह लीधे संथारातणी भूमि न पूंजी । बाहिरलां लहूंडा वडा स्थंडिल दिवसे शोध्या नहीं, पडिलेह्यां नहीं । मातरुं अणपूज्युं हलाव्युं, अणपूजी भूमिकाए परठव्युं । परठतां 'अणुजाणह जस्सुग्गहो' न कह्यो, परठव्या पूंठे वार त्रण 'वोसिरे वोसिरे' न कह्यो । पोसहशालामांहि पेसतां 'निसीहि' निसरतां 'आवस्सहि' वार त्रण भणी नहीं । पुढवी, अप्, तेउ, वाउ, वनस्पति, त्रसकायतणा संघट्ट परिताप उपद्रव हुआ। संथारापोरिसीतणो विधि भणवो विसर्यो, पोरिसीमांहे उंघ्या । अविधिए संथारो पाथर्यो । पारणादिकतणी चिंता कीधी । काळवेळाए देव न वांछा । पडिक्कमणुं न कींधुं । पोसह असूरो लीधो, सवेरो पार्यो, पर्वतिथिए पोसह लीधो नहीं ।

अगियारमे पौषधोपवास व्रत विषइओ अनेरो जे कोइ अतिचार पक्ष सूक्ष्म बादर जाणतां अजाणतां हुआ होय ते सवि हु मन, वचन कायाए करी मिच्छा मि दक्कडं ॥11॥

AGIYĀRAME PAUṢADHOPAVĀSA VRATE  
PĀNCHAATICHĀRA:

SANTHĀRUCHCHĀRVIHI -

APPAḌI-LEHIYA, DUPPAḌI LEHIYA, SIJĀ

SANṬHARAE, APPAḌI LEHIYA, DUPPAḌI LEHIYA,  
UCHCHĀRA PĀSAVAṆA BHOOMI,

POSAHA LEEDHE SANṬHARA TAṆEE BHOOMI  
NĀ PUNJEE, BĀHIRALĀ LAHUḌĀ, VAḌĀ STHANḌILA  
DIVASE SHODHYĀ NAHEE, PAḌILEHYĀ NAHEE,  
MĀTARU ANAPUJYU HALĀVU, ANAPUNJI BHUMIKĀE  
PARAṬHAVYU, PARAṬHAVATĀ "ANUJĀNAHA  
JASSUGGAHO" NA KAHYO, PARATHAVYĀ PUṬHE  
VĀRA TRAṆA "VOSIRE VOSIRE" NE KAHYO,  
PAUṢADHASHĀLĀ MĀHI PESATĀ NISEEHEE,  
NISARATĀ ĀVASSAHI VĀRA TRAṆE BHANI NAHEE.  
PUDHAVI, AP, TEU, VĀU, VANASPATI, TRASAKĀYA  
TAṆĀ SAṄGHATṬA, PARITĀPA, UPADRAVA HUĀ,  
SANṬHĀRĀ PORISI TAṆO VIDHI BHANAVO VISARYO,  
PORISEE MAHEE UNGHYĀ, AVIDHIE' SANṬHĀRO  
PĀTHARYO, PĀRAṆĀDIKA TAṆEE CHINTĀ KEEDHEE,  
KĀLA VELĀE DEVA NA VĀṆDYĀ, PAḌIKKAMANU NA  
KEEDHU, POSAHA ASURO LEEDHO, SAVERO  
PĀRYO, PARVATITHIE POSAHA LEEDHO NAHI.  
AGIYĀRAME PAUṢADHO PAVĀSA VRATA VISA'IO  
ANERO JE KOI. ATICHĀRA...(11)

**बारमे अतिथिसंविभाग व्रते पांच अतिचार—  
सचित्ते निक्खवणे० ॥**

सचित्त वस्तु हेठ उपर छतां महात्मा महासती प्रत्ये  
असूझतुं दान दीधुं । देवानी बुद्धिए असूझतुं फेडी सूझतुं कीधुं ,



परायुं फेडी आपणुं कीधुं । अणदेवानी बुद्धिए सूझतुं फेडी असूझतुं  
कीधुं, आपणुं फेडी परायुं कीधुं । वहोरवा वेळा टळी रह्या । असूर  
करी महात्मा तेड्या । मत्सर धरी दान दीधुं । गुणवंत आव्ये  
भक्ति न साचवी । छती शक्तिए स्वामी वात्सल्य न कीधुं । अनेरां  
धर्मक्षेत्र सीदातां छती शक्तिए उद्धर्या नहीं । दीन क्षीण प्रत्ये  
अनुकंपादान न दीधुं ।

बारमे अतिथिसंविभागव्रत विषड्ओ अनेरो जे कोइ अतिचार  
पक्ष दिवसमांहि सूक्ष्म बादर जाणतां अजाणतां हुओ होय ते सवि  
हु मन, वचन, कायाए करी मिच्छा मि दक्कडं ॥12॥

**BĀRAME ATITHI SĀṀVIBHĀGA VRATE PĀNCHA  
ATICHĀRA:**

SACCHITE NIKKHIVANE – SACHITTA VASTU  
HETHA UPARA CHHATĀ MAHĀTMĀ-MAHĀSATI PRATYE  
ASUZATU DĀNA DEEDHU, DEVĀ NI BUDDIE ASUZATU  
PHEḌEE SUZATU KEEDHU, PARĀYU PHEḌEE ĀPANU  
KEEDHU, ANADEVĀ NI BUDDIE SUZATU PHEḌEE  
ASUZATU KEEDHU, ĀPANU PHEḌEE PARĀYU  
KEEDHU, VAHORAVĀ VELĀ TALEE RAHYĀ, ASURA  
KAREE MAHĀTMĀ TEḌYĀ, MATSARA DHARI DĀNA  
DEEDHU, GUṀAVANṬA AVYE BHAKTI NA SĀCHAVI,  
CHHATI SHAKTIE SVĀMIVĀTSALYANA KEEDHU, ANERA  
DHARMAKSHETRA SIDĀTĀ CHHATI SHAKTIE UDH-  
ARYĀ NAHI, DINA KSHINA PRATYE ANUKAMPĀDĀNA  
NA DEEDHU, BĀRAME ATITHI SĀṀVIBHĀGAVRATE  
VISAIO ANERO JE KOI ATICHĀRA...(12)

## संलेषणातणा पांच अतिचार-

इहलोऐ परलोए० ॥

इहलो गासं सप्पओगे , परलो गासं सप्पओगे ,  
जीवियासंसप्पओगे, मरणासंसप्पओगे, कामभोगासंसप्पओगे ।

इहलोके धर्मना प्रभाव लगे राज-ऋद्धि, सुख, सौभाग्य,  
परिवार वांछ्या । परलोके देव, देवेन्द्र, विद्याधर, चक्रवर्ती तणी  
पदवी वांछी । सुख आव्ये जीवितव्य वांछ्चुं, दुःख आव्ये मरण  
वांछ्चुं । कामभोगतणी वांछा कीधी ।

संलेषणाव्रत विषइओ अनेरो जे कोइ अतिचार पक्ष  
दिवसमांहि सूक्ष्म बादर जाणतां अजाणतां हुओ होय ते सवि हु  
मन, वचन कायाए करी मिच्छा मि दक्कडं ॥13॥

SAÑLESANĀ TAṆĀ PĀNCHA ATICHĀRA :

IHALOI PARALOE-IHALOGĀ-SAÑSAPPAOGE,  
PARALOGĀ-SAÑSAPPAOGE, JIVĪĀ SAÑSAPPAOGE,  
MARAṆĀ SAÑSAPPAOGE, KAMABHOGĀ SAÑSAP-  
PAOGE.

IHALOKE DHARMA NĀ PRBHĀVA LAGE RĀJ  
RUDDHI, SUKHA, SAUBHAGYA, PAIVĀRA VĀNCHHYA,  
PARALOKE DEVA DEVENDRA, VIDYĀDHARA,  
CHAKRAVARTI TAṆEE PADAVEE VĀNCHHEE, SUKHA  
ĀVVEE JIVITAVYA VĀNCHHYU, DUKHA ĀVVEE MARAṆA  
VĀNCHHYU, KĀMABHOGA TAṆĪ VĀNCHHĀ KEEDHEE.

SAÑLESANĀ VRATA VISAIO ANERO JE KOI  
ATICHĀRA...(13)

## तपाचार बार भेद-छ बाह्य, छ अभ्यन्तर—

### अणसणमूणोअरिआ०

अणसण भणी उपवास विशेष पर्व तिथिअे छती शक्तिए कीधो नहीं । ऊणोदरी व्रत ते कोळिया पांच सात ऊणा रह्या नहीं । वृत्तिसंक्षेप ते द्रव्य भणी सर्व वस्तुओनो संक्षेप कीधो नहीं । रसत्याग ते विगडत्याग न कीधो । कायक्लेश लोचादिक कष्ट सहन कर्या नहीं । संलीनता अंगोपांग संकोची राख्यां नहीं । पच्चक्खाण भांग्या । पाटलो डगडगतो फेड्यो नहीं । गंठसी, पोरिसी, साढपोरिसी, पुरिमढ, एकासणुं, बिआसणुं, नीवि, आयंबिल प्रमुख पच्चक्खाण पारवुं विसार्युं । बेसता नवकार न भण्यो । उठतां पच्चक्खाण करवुं विसार्युं । गंठसीयुं भाग्युं । नीवि, आयंबिल, उपवासादिक तप करी कांचु पाणी पीधुं, वमन हुओ ।

बाह्यतप विषइओ अनेरो जे कोइ अतिचार पक्ष दिवसमांहि सूक्ष्म बादर जाणतां अजाणतां हुओ होय ते सवि हु मन, वचन, कायाए करी मिच्छा मि दक्कडं ॥४॥

TAPĀCHĀRA BĀRA BHEDA, CHHA BĀHYA  
CHHAABHANTARA:

ANASANA MUNOARIĀ-ANASANA BHANE  
UPAVĀSA VISHESA PARVA TITHIE E CHHATI SHAKTIE  
KEEDHO NAHEE, UNODAREE VRATA TE KOLIYA  
PĀNCHA SĀTA UNĀ RAHYĀ NAHEE, VRUTTI SANK-  
SHEPA TE DRAVYA BHANE SARVA VASTUO NO  
SANKSHEPA KEEDHO NAHEE, RASATYĀGA TE-VIGAI

TYĀGA NA KEEDHO, KĀYA KLESHA-LOCHĀDIKA  
 KAṢṬA SAHANA KARYĀ NAHEE, SANLINTĀ  
 AṄGOPĀṄGA SAṄKOCHI RĀKHYĀ NAHEE,  
 PACHCHAKKHĀNA BHĀṄGYA, PĀTALO ḌAGAḌAGATO  
 PHEDYO NAHEE, GAṄṬHASI, PORISI, SADDHA PORISI,  
 PURIMADDHA, EKĀSANU, BEĀSANU, NIVI, ĀMBILA  
 PRAMUKHA PACHCHAKKHĀNA PĀRAVU VISĀRYU,  
 BESATĀ NAVAKĀRA NA BHĀNYO, UTHATĀ  
 PACHCHKKHĀNA KARAVU VISĀRYU. GAṄṬHASIYU  
 BHĀṄGYU, NIVI, ĀYAMBILA, UPAVASĀDIKA TAPA  
 KAREE KĀCHU PĀNEE PEEDHU, VAMANA HUO. BĀHYA  
 TAPA VISAIO ANERO JE KOI ATICHĀRA...(14)

**अभ्यन्तर तप—**

**पायच्छित्तं विणओ०**

मन शुद्धे गुरु कन्हे आलोअणा लीधी नहीं । गुरुदत्त  
 प्रायश्चित्त तप लेखाशुद्धे पहाँचाड्यो नहीं । देव, गुरु, संघ,  
 साहम्मि प्रत्ये विनय साचव्यो नहीं । बाल, वृद्ध, ग्लान, तपस्वी,  
 प्रमुखनुं वैयावच्च न कीधुं । वाचना, पृच्छना, परावर्तना, अनुप्रेक्षा,  
 धर्मकथा लक्षण पंचविध स्वाध्याय न कीधो । धर्मध्यान, शुक्लध्यान  
 न ध्यायां । आर्त्तध्यान, रौद्रध्यान ध्यायां कर्मक्षयनिमित्ते लोगस्स  
 दश वीशनो काउस्सग न कीधो ।

अभ्यन्तर तप विषइओ अनेरो जे कोइ अतिचार पक्ष  
 दिवसमांहि सूक्ष्म बादर जाणतां अजाणतां हुओ होय ते सवि हु  
 मन, वचन, कायाए करी मिच्छा मि दक्कडं ॥15॥

ABHAYANTARA TAPA PĀYACHCHITTAM VIṆAO-  
 MANASHUDDHE GURU KANHE ĀLOYANĀ  
 LEEDHEE NAHEE, GURUDATTA PRĀYASHCHITTA  
 TAPA LEKHĀ SHUDDHE PAHONCHĀḌYO NAHEE,  
 DEVA, GURU, SANGHA, SĀHAMMI PRATYE VINAYA  
 SĀCHAVYO NAHEE, BĀLA, VṚUDDHA, GLĀNA,  
 TAPASVI, PRAMUKHANU VAIYĀVACHCHANAKEEDHU.  
 VĀCHANA PRUCHCHHANĀ, PARĀVARTANĀ,  
 ANUPREKSHĀ, DHARMAKATHĀ, LAXANA PAṆCHA  
 VIDHA SVĀDHYĀYA NA KEEDHO. DHARMADHYĀNA  
 SHUKLADHYĀNA NA DHYĀYĀ, ARTTA DHYĀNĀ,  
 RAUDRĀ DHYĀNĀ DHYĀYĀ, KARMAKSHAYA NIMITTE  
 LOGASSA DASHA VISHA NO KĀUSSAGGA NA  
 KEEDHO. ABHYANTARA TAPA VISAIO ANERO JE KOI  
 ATICHĀRA...(15)

## वीर्यचारना त्रण अतिचार—

### अणिगुहिअ-बलवीरिओ०

पढवे, गुणवे, विनय, वैयावच्च, देवपूजा, सामायिक, पोसह, दान, शील, तप, भावनादिक, धर्मकृत्यने विषे मन-वचन-कायातणुं छतुं बळ, छतुं वीर्य गोपव्युं । रूडां पंचांग खमासमण न दीधां । वांदणातणा आवर्तविधि साचव्या नहीं । अन्यचित्त निरादरपणे बेठा । उतावळुं देववंदन पडिक्कमणुं कीधुं ।

वीर्याचार विषइओ अनेरो जे कोइ अतिचार पक्ष दिवसमांहि

सूक्ष्म बादर जाणतां अजाणतां हुओ होय ते सवि हु मन , वचन कायाए करी मिच्छा मि दक्कडं ॥16॥

VIRYĀCHĀRANĀ TRANAATICHĀRA:

ANIGUHIA BALA VIRIO-PADHAVE, GUNAVE, VINAYA, VAIYĀVACHCHA, DEVAPOOJĀ, SĀMAYIKA, POSAHA, DĀNA, SHILA, TAPA, BHĀVANĀDIKA DHARMA KRUTYANE VISE MANA VACHANA KĀYĀ TAṆU CHHATU BALA CHHATU VIRYA GOPAVYU. RUḌĀ PAṆCHĀNGA KHAMĀSAMANA NA DEEDHĀ. VĀNDAṆĀ TĀṆĀ ĀVARTTA VEEDHEE SĀCHAVYĀ NAHEE. ANYA CHITTA NIRĀDARA PAṆE BETHĀ. UTĀVALU DEV VANDANA PAḌIKKAMANU KEEDHU. VIRYĀCHĀRA VISAIO ANERO JE KOI ATICHĀRA..(16)

**नाणाइअड्ड पइवय , सम्मसंलेहण पण पन्नर कम्मेषु ।**

**बारस तव वीरिअतिगं , चउब्बीससयं अइआरा ॥१॥**

**पडिसिद्धाणं करणे०**

प्रतिषेध अभक्ष्य अनंतकाय बहुबीज भक्षण महारंभ परिग्रहादि कीधा । जीवाजीवादिक सूक्ष्म विचार सदृह्या नहीं । आपणी कुमति लगे उत्सूत्र प्ररूपणा कीधी तथा प्राणातिपात, मृषावाद, अदत्तादान, मैथुन, परिग्रह, क्रोध, मान, माया, लोभ, राग, द्वेष, कलह, अभ्याख्यान, पैशुन्य, रति-अरति, परपरिवाद, माया-मृषावाद, मिथ्यात्वशल्य-ए अढार पापस्थानक कीधां कराव्यां अनुमोद्यां होय ।

दिनकृत्य प्रतिक्रमण विनय वैयावच्च न कीधां । अनेरुं जे

कांइ वीतरागनी आज्ञाविरुद्ध कीधुं कराव्युं अनुमोद्युं होय , ए चिहुं प्रकारमांहे अनेरो जे कोइ अतिचार पक्ष दिवसमांहि सूक्ष्म-बादर जाणतां अजाणतां हुओ होय , ते सवि मने वचने कायाए करी मिच्छा मि दुक्कडं ।

एवंकारे श्रावकतणे धर्मे सम्यक्त्व मूळ बार व्रत , एकसो चोवीस अतिचारमांहि अनेरो जे कोइ अतिचार पक्ष दिवसमांहि सूक्ष्म बादर जाणतां अजाणतां हुओ होय ते सवि हु मन , वचन , कायाए करी मिच्छा मि दक्कडं ॥17॥

NĀṆĀĒE AṬṬHAPA' IVAYA, SAMMA SANLEHAṆA  
PAṆA PANNARA KAMMESU, BĀRASA TAPA VIRIATIGAM,  
CHAUVVISA SAYAMA IYĀRĀ:

PAḌISIDDHĀṆAṆAṆ KARANE PRATISEDHA,  
ABHAXYA, ANATAKĀYA, BAHUBHIJA BHAKSHANA,  
MAHĀRAMBHA, PARIGRAHĀDIKA, KEEDHA, JEEVĀ  
JEEVĀDIKA SUKSHMA VICHĀRA SADDHAHAYĀ NAHEE,  
ĀPANE KUMATI LAGE UTSUTRA PRARUPAĀṆĀ  
KEEDHEE. TATHĀ PRĀNĀTIPĀTA, MRUṢĀVĀDĀ,  
ADATTĀDĀNĀ, MAITHUNA, PARIGRAHA, KRODHA,  
MĀNA, MĀYĀ, LOBHA, RĀGA, DVEṢA, KALAHA,  
ABHYĀKHYĀNA, PAISHUNYA, RATI-ARATI,  
PARAPARIVĀDA, MĀYĀ MRUṢĀVĀDĀ, MITHATVAS-  
HALYA E ADHĀRA. PĀPASTHĀNAKA KEEDHĀ,  
KARĀVYĀ, ANUMODYĀ HOYA, DINAKRUTYA,  
PRATIKRAMAṆA, VIṆAYA, VAIYAVACHCHA NAKEEDHĀ,

ANERU JE KĀI VITARĀGA NI ĀGYĀ VIRUDDHA  
KEEDHU, KARĀVYU, ANUMODHYU HOYA, E CHIHU  
PRAKĀRA MĀHE ANERO JE KOI ATICHĀRA  
PAKSHA...(22)

EVAMKĀRE SHRĀVAKA TAṆE DHARME SHRI  
SAMYAKTVAMOOLA BĀRA VRATE, EKASO CHOVEESA  
ATICHĀRA MĀHEE ANERO JE KOI ATICHĀRA PAKSHA  
DIVASA MĀHEE, SUKMA BĀDARA, JĀNATĀ-AJĀNATĀ  
HUO HOYA, TE SAVI HU MANA, VACHANA, KĀYĀE KARI  
MICHCHĀMI DUKKAḌAM...





## 56 . अष्टप्रकारी पूजा के दोहे

DOHĀS OF AṢṬA PRAKĀRI PUJĀ

### 1. जलपूजा के दोहे

जल पूजा जुगते करो , मेल अनादि विनाश ,  
जल पूजा फल मुज हजो , मांगो एम प्रभु पास ॥1॥

मंत्र : ॐ ह्रीं श्रीं परमपुरुषाय परमेश्वराय जन्म जरा  
मृत्यु निवारणाय श्रीमते जिनेन्द्राय जलं यजामहे स्वाहा ।

ज्ञान कलश भरी आतमा , समता रस भरपूर ,  
श्री जिनने न्हवरावता , कर्म थाय चकचूर ॥1॥

### 1. DOHĀS (COUPLETS) OF JALA-PUJA

JALA POOJA JUGATE KARO, MELA ANĀDI  
VINĀSHA, JALA POOJĀ PHALA MUJA HOJO, MĀṄGO  
EMA PRABHU PĀSA. (1)

MANTRA : OM HṚIM SHREEM PARAMPUR-  
UṢĀYA PARMESHVARĀYA JANMA JARĀ-MṚUTYU  
NIVĀRṆĀYA SHREEMATE JINENDRĀYA JALAM YAJĀ  
MAHE SVĀHĀ.

GYĀNA KALASHA BHAREE ĀTAMĀ, SAMATĀ  
RASA BHARAPOORA, SHREE JINA NE NAVRĀVATĀ,  
KARMA THĀYE CHAKACHOORA. (1)

### पंचामृत कलश

मेरुशिखरे न्हवरावे हो सुरपति मेरु शिखरे न्हवरावे...  
जन्म काल जिनवरजी को जाणी , पंचरूपे करी आवे हो...(1)

रत्नप्रमुख अड जातिना कलशा, औषधि चूरण मिलावे हो...  
खीर समुद्र तीर्थोदक आणी, स्नात्र करी गुण गावे हो...(2)  
एणी परे जिन प्रतिमा को न्हवण करी, बोधि बीज मनु वावे हो...  
अनुक्रमे गुण रत्नाकर फरसी, जिन उत्तम पद पावे हो...(3)

### PANCHAMRUT KALASHA

MERU SHIKHARE NAVARĀVE HO SURAPATI,  
MERU SHIKHARE NAVARĀVE,  
JANMA KĀLA JINAVARAJI KO JĀNI,  
PAᅇCHA RUPA KARI ĀVE. HO SURAPATI...(1)  
RATNA PRAMUKHA ADA-JĀTI NĀ KALASHĀ,  
AUᅆADI CHURANA MILĀVE,  
KHEERASAMUDRA TEERTHODAK ĀNEE,  
SNĀTRA KAREE GUᅇA GĀVE. HO SURAPATI...(2)  
ENI PERE JINA-PRATIMĀ KO NAVANA KAREE,  
BODHI-BEEJA MĀNU VĀVE,  
ANUKRAME GUᅇA RATNĀKARA PHARASEE,  
JINA UTTAMA PADA PĀVE. HO SURAPATI...(3)

### 2. चंदन पूजा का दोहा

शीतल गुण जेहमां रह्यो, शीतल प्रभु मुख रंग  
आत्म शीतल करवा भणी, पूजो अरिहा अंग ॥  
मंत्र : ॐ ह्रीं श्रीं परमपुरुषाय परमेश्वराय जन्म जरा मृत्यु  
निवारणाय श्रीमते जिनेन्द्राय चंदनं यजामहे स्वाहा ।

### 2. DOHĀ OF CHANᅇAN PUJĀ

SHEETALA GUᅇA JEHAMĀ RAHYO, SHEETALA  
PRABHU MUKHA RAᅇGA, ĀTMA SHEETAL KARVĀ

BHANE, POOJO ARIHĀ ANGA.

MANTRA: OM HRIM SHREEM PARAMPURUṢĀYA  
PARMESHVARĀYA JANMA-JARĀ-MṚUTYU NIVĀRN-  
NĀYA SHREEMATE JINENDRĀYA CHANDANAM YAJĀ  
MAHE SVĀHĀ.

## नवांगी पूजा के दोहे

जल भरी संपूट पत्रमां, युगलिक नर पूजंत,  
ऋषभ चरण अंगुठडे, दायक भवजल अन्त ॥1॥  
जानु बले काउस्सग रह्या, विचर्या देश विदेश,  
खडा खडा केवल लह्युं, पूजो जानु नरेश ॥2॥  
लोकांतिक वचने करी, वरस्या वरसी दान,  
करकांडे प्रभु पूजना, पूजो भवि बहुमान ॥3॥  
मान गयुं दाय अंशथी, देखी वीर्य अनंत,  
भुजा बले भवजल तर्या, पूजो खंध महंत ॥4॥  
सिद्धशीला गुण उजली, लोकांते भगवंत,  
वसिया तिणे कारण भवि, शिर शिखा पूजंत ॥5॥  
तीर्थकर पद पुण्यथी, त्रिभुवन जन सेवंत,  
त्रिभुवन तिलक समा प्रभु, भाल तिलक जयवंत ॥6॥  
सोल पहोर प्रभु देशना, कंठे विवर वर्तुल,  
मधुर ध्वनि सुर नर सुणे, तेणे गले तिलक अमूल ॥7॥  
हृदय कमल उपशम बले, बाल्या राग ने रोष,  
हिमदहे वन खंड ने, हृदय तिलक संतोष ॥8॥  
रत्नत्रयी गुण उजली, सकल सुगुण विश्राम,  
नाभि कमलनी पूजना, करतां अविचल धाम ॥9॥  
उपदेशक नव तत्त्वना, तेणे नव अंग जिणंद,  
पूजो बहुविध रागथी, कहे शुभ वीर मुणिंद ॥10॥

## DOHĀS OF NAVA ANGA PUJĀ

JALA BHARI SAMPUTA PATRA MĀ,  
YUGALIKA NARA POOJAṆTA,  
RUṢHABHA CHARAṆA ANGUTHĀDE,  
DĀYAKA BHAVA-JALA ANTA ..... (1)

JĀNU BALE KĀUSSAGGA RAHYĀ,  
VICHARYĀ DESHA-VIDESHA,  
KHAḌĀ KHAḌĀ KEVALA LAHYU,  
POOJO JĀNU NARESH ..... (2)

LOKĀNTIKA VACHANE KAREE,  
VARSYĀ VARASEE-DĀNA,  
KARA KĀṆḌE PRABHU-POOJANĀ,  
POOJO BHAVI BAHUMĀNA ..... (3)

MĀNA GAYU DOYAANSHA THEE,  
DEKHEE VEERYA ANAṆTA,  
BHUJĀ-BALE BHAVA-JALA TARYĀ,  
POOJO KHAṆḌĤA MAHAṆTA ..... (4)

SIDDHA-SHEELĀ GUṆA UJALEE,  
LOKĀṆTE BHAGANTA,  
VASIYĀ TENE KĀRANA BHAVEE,  
SHIRA-SHIKHĀ POOJAṆTA ..... (5)

TIRTHAṆKARA PADA PUṆYA THEE,  
TRIBHUVANA JANA SEVAṆTA,  
TRIBHUVANA-TILAKA SAMĀ PRABHU,  
BHĀLA TILAKA JAYAVAṆTA ..... (6)

- SOLA PAHORA PRABHU DESHANĀ,  
 KAṆṬHE VIVARA VARTULA,  
 MADHURA DHVANI SURANARA SUNE,  
 TENE GALE TILAK AMOOLA. .... (7)
- HṚUDAYA KAMALA UPASAHAMA BALE,  
 BĀLYA RĀGA NE ROSA,  
 HIMA DAHE VANA-KHANDA NE,  
 HṚUDAYA TILAKA SAṆTOSA ..... (8)
- RATNA-TRAYEE GUṆA UJALEE,  
 SAKALA SUGUṆA VISHRĀMA,  
 NĀBHI-KAMALA NEE POOJANĀ,  
 KARATĀ AVICHALA DHĀMA ..... (9)
- UPADESHAKA NAVA TATTVA NĀ,  
 TIṆE NAVA ANGA JIṆANDA,  
 POOJO BAHUVIDHA RĀGA THEE,  
 KAGE SUBHA-VIRA MUNIDA. .... (10)

### 3. पुष्प पूजा का दोहा

सुरभि अखंड कुसुम ग्रही, पूजो गत संताप,  
 समजंतु भव्यज परे, करीये समकित छाप ॥

मंत्र : ॐ ह्रीं श्रीं परमपुरुषाय परमेश्वराय जन्म जरा मृत्यु  
 निवारणाय श्रीमते जिनेन्द्राय पुष्पं यजामहे स्वाहा ।

### 3. DOHĀ OF PUṢPA PUJĀ

SURABHI AKHANDA KUSUMA GRAHI, POOJO  
 GATA SANTAPA, SUMAJANTU BHAVYAJAPARE, KARIYE  
 SAMAKITA CHHAPA.

MANTRA: OM HRIM SHREEM PARAMPURUṢĀYA  
PARMESHVARĀYA JANMA-JARĀ-MRUTYU  
NIVĀRNṆĀYA SHREEMATE JINENDRĀYA PUSHPA  
YAJĀ MAHE SVĀHĀ.

#### 4. धूप पूजा का दोहा

ध्यान घटा प्रगटावीये, वाम नयन जिन धूप,  
मिच्छत दुर्गध दूरे टले, प्रगटे आत्म स्वरूप

मंत्र : ॐ ह्रीं श्रीं परमपुरुषाय परमेश्वराय जन्म जरा मृत्यु  
निवारणाय श्रीमते जिनेन्द्राय धूपं यजामहे स्वाहा ।

#### 4. DOHĀ OF DHOOPA PUJĀ

DHYĀNA GHATĀ PRAGATĀVEEYE, VĀMA  
NAYANA JINA DHOOPA, MICHCHHATA DURAGANDHA  
DURE ṬALE, PRAGATE ĀTMA SVARUPA.

MANTRA: OM HRIM SHREEM PARAMPUR-UṢĀYA  
PARMESHVARĀYA JANMA-JARĀ-MRUTYU  
NIVĀRNṆĀYA SHREEMATE JINENDRĀYA DHOOPAM  
YAJĀ MAHE SVĀHĀ.

#### 5. दीपक पूजा का दोहा

द्रव्य दीपक सुविवेकथी, करता दुःख होय फोक,  
भाव प्रदीप प्रगट हुये, भासित लोका लोक

मंत्र : ॐ ह्रीं श्रीं परमपुरुषाय परमेश्वराय जन्म जरा मृत्यु  
निवारणाय श्रीमते जिनेन्द्राय दीपं यजामहे स्वाहा ।

#### 5. DOHĀS OF DEEPAKA PUJĀ

DRAVYA DIPAKA SUVIVEKA THEE, KARATĀ  
DUḤKHA HOYA FOKA, BHĀVA PRADIPA PRAGAṬAHUE,  
BHĀSITA LOKĀ-LOKA.

MANTRA: OM HRIM SHREEM PARAMPURUṢĀYA  
PARMESHVARĀYA JANMA-JARĀ-MṚUTYU NIVĀR-  
NṆĀYA SHREEMATE JINENDRĀYA DEEPAṀ YAJĀ  
MAHE SVĀHĀ.

## 6. अक्षत पूजा का दोहा

शुद्ध अखंड अक्षत ग्रही, नन्दावर्त विशाल  
पूरी प्रभु सन्मुख रहो, टाली सकल जंजाल  
मंत्र : ॐ ह्रीं श्रीं परमपुरुषाय परमेश्वराय जन्म जरा मृत्यु  
निवारणाय श्रीमते जिनेन्द्राय अक्षतं यजामहे स्वाहा ।

### 6. DOHĀS OF AKSHATA PUJĀ

SHUDDHA AKHAṆḌA AKSHATA GRAHEE,  
NANDĀVARTTA VISHĀLA, POOREE PRABHU  
SANMUKHĀ RAHO, TĀLI SAKALA JANJĀLA.

MANTRA: OM HRIM SHREEM PARAMPUR-UṢĀYA  
PARMESHVARĀYA JANMA-JARĀ-MṚUTYU  
NIVĀRNṆĀYA SHREEMATE JINENDRĀYA AKSHATAṀ  
YAJĀ MAHE SVĀHĀ.

## स्वस्तिक करते समय बोलने के दोहे

चिहुं गति भ्रमण संसारमां, जन्म मरण जंजाल,  
पंचम गति विण जीवने, सुख नही तिहुं काल ॥1॥

अक्षत पूजा करता थकां, सफल करुं अवतार,  
फल मांगु प्रभु आगले, तार तार मुज तार ॥2॥  
सांसारिक फल मांगीने, रखड्यो बहु संसार,  
अष्ट कर्म निवारवा, मांगु मोक्ष फल सार ॥3॥

दर्शन ज्ञान चारित्रना , आराधन थी सार ,  
सिद्धशीला नी उपरे , हो मुज वास स्वीकार ॥4॥

DOHĀS OF SWASTIK

CHIHU GATI BHRAMAṆA SAṆSĀRAMĀ,  
JANMA MARAṆA JAṆJĀLA,  
PAṆCHHHAMA-GATI VIṆAJIVANE,  
SUKHA NAHIṆ TRIHU KĀLA ..... (1)

AKSHATA POOJĀ KARATĀ THAKĀ,  
SAPHALA KARU AVATĀRA,  
PHALA MĀNGU PRABHU ĀGALE,  
TĀRA TĀRA MUJA TĀRA ..... (2)

SAṆSĀRIKA PHALA MĀNGI NE,  
RAKHADYO BAHU SAṆSĀRA,  
AṢṬA KARMA NIVĀRAVĀ,  
MĀNGU MOKSHA PHALA SĀRA ..... (3)

DARSHANA GYĀNA CHĀRITRA NĀ,  
ĀRĀDHANA THEE SĀRA,  
SIDDHASHEELĀ NEE UPARE,  
HO MUJA VĀSA SWIKĀRA ..... (4)

### 7. नैवेद्य पूजा का दोहा

अण्णहारी पद में कर्या , विग्गह गइय अनंत  
दूर करी ते दीजिये , अण्णहारी शिव सन्त  
मंत्र : ॐ ह्रीं श्रीं परमपुरुषाय परमेश्वराय जन्म जरा मृत्यु  
निवारणाय श्रीमते जिनेन्द्राय नैवेद्यं यजामहे स्वाहा ।



## 7. DOHĀ OF NAIVEDYA PUJĀ

ANĀHĀRI PADA ME KARYĀ, VIGGAHA GAIYA  
ANANTA, DOORA KAREE TE DEEJIYE, ANĀHĀRI SHIVA  
SANTA.

MANTRA: OM HRIM SHREEM PARAMPURUṢĀYA  
PARMESHVARĀYA JANMA-JARĀ-MRUTYU  
NIVĀRNĪYĀ SHREEMATE JINENDRĀYA NAIVEDYAM  
YAJĀ MAHE SVĀHĀ.

## 8. फल पूजा का दोहा

इन्द्रादिक पूजा भणी , फल लावे धरी राग  
पुरुषोत्तम पूजी करी , मांगे शिव फल त्याग

मंत्र : ॐ ह्रीं श्रीं परमपुरुषाय परमेश्वराय जन्म जरा मृत्यु  
निवारणाय श्रीमते जिनेन्द्राय फलं यजामहे स्वाहा ।

## 8. DOHĀ OF PHALA PUJĀ

INDRĀDIKA POOJĀ BHANE, PHALA LĀVE  
DHAREE RĀGA, PURUṢOTTAMA POOJEE KAREE,  
MĀGE SHIVA-PHALA TYĀGA. (1)

MANTRA: OM HRIM SHREEM PARAMPURUṢĀYA  
PARMESHVARĀYA JANMA-JARĀ-MRUTYU  
NIVĀRNĪYĀ SHREEMATE JINENDRĀYA PHALAM  
YAJĀ MAHE SVĀHĀ.



प्रवचन प्रभावक परम पूज्य आचार्यदेव श्रीमद् विजय रत्नसेनसूरीश्वरजी म.सा.  
द्वारा आलेखित 227 पुस्तकों में से प्राप्य हिन्दी भाषा में जैन धर्म का अमूल्य खजाना

| Sr. No. | पुस्तक का नाम                            | मूल्य | Sr. No. | पुस्तक का नाम                        | मूल्य |
|---------|--|-------|---------|--------------------------------------|-------|
| 1.      | चिंतन का अमृत-कुंभ                       | 80/-  | 35.     | श्रावक का गुण सौंदर्य                | 125/- |
| 2.      | पंच-प्रतिक्रमण (भाग-1)                   | 100/- | 36.     | ध्यान साधना                          | 40/-  |
| 3.      | पंच-प्रतिक्रमण (भाग-2)                   | 100/- | 37.     | आग और पानी-भाग-1-2                   | 115/- |
| 4.      | पंच-प्रतिक्रमण (भाग-3)                   | 125/- | 38.     | शांत सुधारस-हिन्दी -भाग-1-2          | 140/- |
| 5.      | पंच-प्रतिक्रमण (भाग-4)                   | 135/- | 39.     | शत्रुंजय यात्रा (तृतीय आवृत्ति)      | 40/-  |
| 6.      | आओ ! प्राकृत सीखें भाग-1                 | 125/- | 40.     | आओ संस्कृत सीखें भाग-1               | 100/- |
| 7.      | आओ ! प्राकृत सीखें भाग-2                 | 85/-  | 41.     | आओ संस्कृत सीखें भाग-2               | 220/- |
| 8.      | विविध-तपमाला                             | 100/- | 42.     | प्रेरक-प्रवचन                        | 80/-  |
| 9.      | विवेकी बने                               | 90/-  | 43.     | दंडक सूत्र                           | 50/-  |
| 10.     | बीसवी सदी के महान योगी                   | 300/- | 44.     | जीव विचार विवेचन                     | 60/-  |
| 11.     | परम-तत्त्व की साधना भाग-3                | 160/- | 45.     | नव तत्त्व-विवेचन                     | 60/-  |
| 12.     | श्रमण-क्रिया के मुख्य सूत्र              | 200/- | 46.     | लघु संग्रहणी (जैन भूगोल)             | 100/- |
| 13.     | प्रवचन-वर्षा                             | 60/-  | 47.     | कल्पसूत्र के हिन्दी प्रवचन           | 240/- |
| 14.     | मोक्ष-मार्ग के कदम                       | 120/- | 48.     | पर्युषण अष्टाह्निका प्रवचन           | 120/- |
| 15.     | आओ श्रावक बनें !                         | 25/-  | 49.     | गणधर-संवाद                           | 80/-  |
| 16.     | व्यसन-मुक्ति                             | 100/- | 50.     | आओ ! उपधान पौषध करें !               | 55/-  |
| 17.     | श्रावक जीवन दर्शन                        | 250/- | 51.     | नवपद आराधना                          | 80/-  |
| 18.     | शंका-समाधान (भाग-4)                      | 60/-  | 52.     | पहला कर्मग्रंथ                       | 100/- |
| 19.     | जैन-महाभारत                              | 130/- | 53.     | दूसरा-तीसरा कर्मग्रंथ                | 55/-  |
| 20.     | महावीर प्रभु की पट्टधर-परंपरा (1 से 9)   | 300/- | 54.     | पाँचवाँ कर्मग्रंथ                    | 100/- |
| 21.     | महावीर प्रभु की पट्टधर-परंपरा (10 से 40) | 275/- | 55.     | संस्मरण                              | 50/-  |
| 22.     | महावीर प्रभु की पट्टधर-परंपरा (41 से 57) | 275/- | 56.     | भव आलोचना                            | 10/-  |
| 23.     | महावीर प्रभु की पट्टधर-परंपरा (58 से 80) | 280/- | 57.     | आध्यात्मिक पत्र                      | 60/-  |
| 24.     | सात वासुदेव-प्रतिवासुदेव बलदेव           | 50/-  | 58.     | आत्म-उत्थान का मार्ग-भाग-1           | 125/- |
| 25.     | प्रतिक्रमण उपयोगी संग्रह                 | 80/-  | 59.     | आत्म-उत्थान का मार्ग-भाग-2           | 175/- |
| 26.     | सुखी जीवन के Mile-Stone                  | 100/- | 60.     | आत्म-उत्थान का मार्ग-भाग-3           | 150/- |
| 27.     | समाधि मृत्यु                             | 80/-  | 61.     | इन्द्रिय पराजय शतक                   | 50/-  |
| 28.     | The Way of Metaphysical Life             | 60/-  | 62.     | अर्हद् दिव्य-संदेश (दीक्षा-विशेषांक) | 60/-  |
| 29.     | Pearls of Preaching                      | 60/-  | 63.     | 'बेंगलोर' प्रवचन-मोती                | 140/- |
| 30.     | New Message for a New Day                | 600/- | 64.     | तीन भाष्य (हिन्दी विवेचन)            | 150/- |
| 31.     | Celibacy                                 | 70/-  | 65.     | जीव-विचार-विवेचन                     | 100/- |
| 32.     | Panch Pratikraman Sootra                 | 100/- | 66.     | श्री नमस्कार महामंत्र                | 180/- |
| 33.     | श्रीपाल-रास और जीवन-चरित्र               | 160/- | 67.     | महामंत्र की अनुप्रेक्षाएँ            | 150/- |
| 34.     | अमृत रस का प्याला                        | 300/- |         |                                      |       |

पुस्तक प्राप्ति स्थान : दिव्य सन्देश प्रकाशन C/o. सुरेन्द्र जैन, Office No. 304,  
3rd Floor, बे व्यु बिल्डिंग, विंग-ईस्ट बे, डॉ. एम.बी. वेलकर स्ट्रीट,  
कालबादेवी, मुंबई-400 002. Mobile : 8484848451 (only whatsapp)